जन-जन की वाणी...

हिन्दी दैनिक

सोन वर्षा वाणी

आरा, औरंगाबाद एवं रांची से प्रकाशित हिंदी दैनिक

● आरा ● वर्ष -07 ● अंक - 286 ● रविवार 31 मार्च 2024 ● रजि नं. - BIHHIN/2017/72765 ● पृष्ठ - 12 ● मूल्य : 2 रुपये

नरसिम्हा राव समेत 4 को भारत रत्न सम्मान

• राष्ट्रपति मुर्मू ने भारत रत्न सम्मान से नवाजा • राष्ट्रपति भवन में हुआ सम्मान समारोह • आडवाणी को कल दिया जाएगा सम्मान

एजेंसी। नई दिल्ली

राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भारत सरकार द्वारा चयनित आला हस्तियों को भारत रत्न सम्मान से नवाजा है। भारत रत्न सम्मान से कर्पूरी ठाकुर, एमएस स्वामीनाथन, चौधरी चरण सिंह और पीवी नरसिम्हा राव को आज शनिवार को सम्मानित किया गया। यह सम्मान इन्हें मरणोपरांत प्रदान किया गया है। जबकि लाल कृष्ण आडवाणी को अस्वस्थ होने के कारण अगले दिन 31 मार्च को उनके आवास पर ही 'भारत रत्न' से नवाजा जाएगा। राष्ट्रपति भवन में आयोजित सम्मान समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव को मरणोपरांत भारत रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया। सम्मान लेने नरसिंम्हा राव के बेटे पीवी प्रभाकर राव समारोह में पहुंचे हुए थे। वहीं राष्ट्रपति मुर्मू ने पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को भी मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित किया। चौधरी चरण सिंह के पोते जयंत सिंह ने भारत रत्न पुरस्कार ग्रहण किया। राष्ट्रपति मुर्मू ने कृषि विज्ञानी एमएस स्वामीनाथन को भी मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित किया है। एमएस स्वामीनाथन की बेटी नित्या राव ने राष्ट्रपति से यह सम्मान

प्राप्त किया। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर को भी मरणोपरांत भारत रत्न सम्मान से नवाजा गया है। कर्पूरी ठाकुर की पोती नमिता कुमारी ने राष्ट्रपति मुर्मू से भारत रत्न प्राप्त किया। भारत रत्न सम्मान समारोह में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी मौजूद थे। इस अवसर पर भारत रत्न कर्पूरी ठाकुर की पोती नमिता ने कहा कि इस पल को भावों में पिरोकर शब्दों में बयां कर पाना बहुत मुश्किल है। उन्होंने कहा कि हम सभी बहुत अच्छा महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह परिवार के लिए ही नहीं बल्कि संपूर्ण बिहार के लिए यह एक ऐतिहासिक क्षण है। इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद, उन्होंने बिहार के लिए बहुत बड़ा कार्य किया है।

राष्ट्रपति भाजपा के दिग्गज नेता आडवाणी को घर जाकर उन्हें करेंगी भारत रत्न से सम्मानित

नई दिल्ली। राष्ट्रपति भवन में शनिवार को आयोजित समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने देश की चार महान हस्तियों, बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जननायक कर्पूरी ठाकुर, देश के पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव सहित चौधरी चरण सिंह और देश के प्रसिद्ध कृषि वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथन को भारत रत्न से सम्मानित किया। इन चारों विभूतियों को मरणोपरांत यह सम्मान दिया गया है। जबकि देश के पूर्व उप प्रधानमंत्री और भाजपा के दिग्गज नेता लालकृष्ण आडवाणी को भी भारत रत्न सम्मान से सम्मानित किया जाना है। लेकिन अस्वस्थ होने के कारण वे शनिवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सके। बताया जा रहा है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू रविवार, 31 मार्च को आडवाणी के घर जाकर उन्हें भारत रत्न से सम्मानित करेंगी। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित कई अन्य महत्वपूर्ण व्यक्ति भी मौजूद रह सकते हैं। बता दें कि शनिवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित कार्यक्रम में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जननायक कर्पूरी ठाकुर को राष्ट्रपति मुर्मू ने देश के सबसे बड़े सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया। स्वर्गीय कर्पूरी ठाकुर के पुत्र रामनाथ ठाकुर ने यह सम्मान प्राप्त किया। देश के पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव को भी मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित किया गया। उनके पुत्र पीवी प्रभाकर राव ने यह सम्मान प्राप्त किया।

देश के लिए योगदान को सम्मान है भारत रत्न : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दो पूर्व प्रधानमंत्रियों पी वी नरसिम्हा राव और चौधरी चरण सिंह, बिहार के मुख्यमंत्री रहे कर्पूरी ठाकुर और कृषि वैज्ञानिक डॉ. एम.एस. स्वामीनाथन को आज मरणोपरांत राष्ट्रपति द्वारा भारत रत्न से सम्मानित किये जाने पर प्रसन्नता व्यक्त की। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स के माध्यम से कहा कि इन दिवंगत नेताओं के देश के लिए किए गए योगदान को हर भारतीय स्वीकारता है। उन्हें इस बात पर गर्व है कि वे भारत रत्न से सम्मानित किए गए। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में पीवी नरसिम्हा राव की सराहना की। उन्होंने कहा, "पीवी नरसिम्हा राव गारू ने देश की प्रगति और आधुनिकीकरण को आगे बढ़ाने के लिए बड़े पैमाने पर काम किया। उन्हें एक सम्मानित विद्वान और विचारक के रूप में भी जाना जाता है। उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। एक अन्य पोस्ट में उन्होंने कहा, "चौधरी चरण सिंह जी को भारत रत्न देश के विकास, विशेषकर कृषि और ग्रामीण विकास में उनके अतुलनीय योगदान का सम्मान है। मुझे विश्वास है कि कड़ी मेहनत और जनसेवा के लिए उनकी प्रतिबद्धता हमारी आने वाली पीढ़ियों को

प्रेरित करती रहेगी। डॉ. एम.एस. स्वामीनाथन के योगदान को याद करते हुए प्रधानमंत्री ने एक्स पर लिखा, "कृषि जगत की एक सम्मानित हस्ती को आनुवंशिकी और कृषि विज्ञान के क्षेत्र में उनके अग्रणी कार्य और अनुसंधान के लिए व्यापक रूप से प्रशंसा हासिल है। उनके प्रयासों ने भारत को खाद्य उत्पादन में संघर्ष से आत्मनिर्भरता की ओर प्रेरित किया। उन्हें दिया गया भारत रत्न अधिक से अधिक लोगों को कृषि और खाद्य सुरक्षा में अनुसंधान करने के लिए प्रेरित करे।

ख़ास ख़बर

गुजरात के एक और युवक की विदेश में हत्या

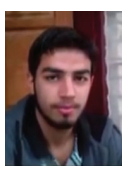

भरुच| फिर एक बार विदेश में गुजरात के युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई| दक्षिण अफ्रीका में नीग्रो शख्स ने दक्षिण गुजरात के भरुच के मूल निवासी साहिल अब्दुल अजीज मुंशी को लूट के इरादे से मौत के घाट उतार दिया| भरुच जिले की जंबुसर तहसील के सारोद गांव का मूल निवासी साहिल अब्दुल अजीज मुंशी दक्षिण अफ्रीका में नौकरी करता था| नौकरी से छूटकर साहिल मुंशी जब अपनी गाडी में घर की ओर जा रहा था, तब कुछ नीग्रो शख्सों ने लूट के इरादे से उसे रोकने का प्रयास किया| नीग्रो शख्सों की मंशा भांप चुके साहिल मुंशी ने अपनी गाड़ी की रफ्तार बढ़ा दी| साहिल की गाड़ी की रफ्तार बढ़ने पर नीग्रो उसका पीछा करने लगे और कुछ दूर पहुंचकर आखिरकार उसे रोक लिया| गाड़ी रुकते ही साहिल पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसा कर उसे मौत के घाट उतार दिया| साहिल मुंशी की 7 साल की बेटी और 3 साल के बेटा है| साहिल मुंशी की हत्या से उसके परिवार समेत सारोद गांव में शोक व्याप्त है|

अब रात को भी सुकून से नहीं सो पाएंगे, दिन ही नहीं अब रातें भी होंगी गर्म

अहमदाबाद| भीषण गर्मी के बीच मौसम विभाग ने रातों को लेकर पूर्वानुमान व्यक्त किया है| जिसके मुताबिक आगामी रातें आप सुकून से सो नहीं पाएंगे| अभी तो दिन में भयंकर गर्मी से परेशान हैं, लेकिन रात को सुकून से सो सकते हैं| लेकिन आनेवाली रातें गर्म रहने की मौसम विभाग ने भविष्यवाणी की है| गुजरात के कई शहरों का तापमान 40 डिग्री को पार कर चुका है और दिन में लोग भीषण गर्मी से जूझ रहे हैं| हांलाकि अगले दो दिन गर्मी से आंशिक राहत मिल सकती है| पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से गर्मी में राहत की संभावना है| पश्चिमी हवा चलने से तापमान घट सकता है| मौसम विभाग के मुताबिक अगले दो दिन तापमान में 1 से 2 डिग्री की गिरावट आ सकती है| साथ ही मौसम विभाग ने आगामी रातें गर्म रहने की भी संभावना व्यक्त की है| खासकर अहमदाबाद और बनासकांठा में गर्मी के चलते लोग सुकून से सो नहीं पाएंगे|

दिल्ली के गायब हो चुके दो स्मारक अब कागजों से भी हटेंगे

नई दिल्ली। दिल्ली के गायब हो चुके दो स्मारक अब कागजों से भी हटेंगे। भारत सरकार ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा संरक्षित दिल्ली के इन दो स्मारकों सहित देश के 18 स्मारकों से राष्ट्रीय स्मारकों का दर्जा समाप्त करने का फैसला लिया है। इसके लिए अधिसूचना जारी की गई है। जनता से दो माह के भीतर सुझाव मांगे गए हैं। दिल्ली के दो स्मारकों में कोटला मुबारकपुर में कभी रही इंचला वाली गुमटी और बाराखंभा कब्रिस्तान शामिल है। इसके बाद दिल्ली में राष्ट्रीय स्मारकों की संख्या 174 की जगह 172 रह जाएगी। दिल्ली में गायब हो चुके स्मारकों की बात करें तो कभी कोटला मुबारकपुर में इंचला वाली गुमटी रही थी, जो 30-25 साल पहले गायब हो चुकी है। इसके स्थान पर मकान बन गए हैं। इसी तरह बाराखंभा के शाही कब्रिस्तान को गायब हुए भी करीब इतने ही साल हो गए हैं। एएसआई के एक वरिष्ठ अधिकारी कहते हैं कि ये स्मारक बहुत पहले से अनुपलब्ध हैं। मगर कागजों में इनका जिक्र लगातार आ रहा है।

सरकार बदलने पर लोकतंत्र का चीर हरण करने वालों को सबक सिखाएंगे : राहुल

एजेंसी। नई दिल्ली

कांग्रेस के फ्रीज हुए खाते और आयकर विभाग की विसंगतियों को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने काफी नाराजगी जाहिर की है।कांग्रेस ने आरोप लगाया कि आयकर विभाग ने भारतीय जनता पार्टी को लेकर आंखें बंद कर ली हैं, जबकि उस पर 4600 करोड़ रुपये का जुर्माना बनता है। पार्टी ने यह दावा भी किया कि लोकसभा चुनाव से पहले कर आतंकवाद के जरिये विपक्ष पर हमला किया जा रहा है। पार्टी को 1823 करोड़ रुपये के भुगतान के नोटिस जारी किए हैं। इसे लेकर कांग्रेस नेता आईटी डिपार्टमेंट पर काफी भड़के नजर आए। मुख्य विपक्षी दल के पूर्व अध्यक्ष राहुल

गांधी ने भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान दिए एक बयान का वीडियो एक्स पर साझा किया। इसके साथ उन्होंने पोस्ट किया, 'जब सरकार बदलेगी तो लोकतंत्र का चीरहरण करने वालों पर कार्रवाई जरूर होगी। ऐसी कार्रवाई होगी कि दोबारा फिर किसी की हिम्मत नहीं होगी, ये सब करने की। यह मेरी गारंटी है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एक्स पर पोस्ट किया, भाजपा की ओर से 42 करोड़ रुपये जमा करने के लिए 4,600 करोड़ रुपये के जुर्माने की अनदेखी की गई, जबकि कांग्रेस के विधायकों और सांसदों द्वारा 14 लाख नकद जमा करने के लिए 135 करोड़ रुपये के जुर्माने की मांग की गई है।मल्लिकार्जुन खरगे ने सवाल किया कि केवल विपक्ष के खिलाफ इस अनुचित तरीके से कार्रवाई करने के लिए आयकर विभाग पर कौन दबाव डाल रहा है? कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया, 'मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस को परेशान करने के लिए आयकर विभाग को एक हथियार के रूप में इस्तेमाल करने की अनुमति क्यों दी जा रही है? वे लोकतंत्र को नष्ट करने और संविधान को कमजोर करने के लिए आयकर विभाग, ईडी, सीबीआई जैसी संस्थाओं का दुरुपयोग कर रहे हैं।

ठाकरे गुट के स्टार प्रचारकों की सूची जारीः आदित्य ठाकरे, संजय राउत समेत 40 लोग उतरेंगे चुनावी रणक्षेत्र में

मुंबई। लोकसभा चुनाव की लड़ाई शुरू हो गई है और नेताओं ने प्रचार सभाएं शुरू कर दी हैं. प्रत्याशियों को जिताने के लिए दिग्गज नेता प्रचार कर रहे हैं. इसी तरह शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे पार्टी ने अपने स्टार प्रचारकों की सूची की घोषणा की है। इस सूची में शिवसेना सांसद संजय राउत, आदित्य ठाकरे समेत 40 प्रमुख नेता शामिल हैं। यह सूची शिवसेना केंद्रीय कार्यालय से शिवसेना ठाकरे गुट के पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे के आदेश पर की गई है। स्टार प्रचारकों की इस सूची में शिवसेना नेता सुभाष देसाई, सांसद संजय राउत, शिवसेना नेता अनंत गीते, चंद्रकांत खैरे, सांसद अरविंद सावंत का नाम शामिल है. कोंकण में ठाकरे गुट के विधायक भास्कर जाधव, सांसद अनिल देसाई, विनायक राऊत, अनिल परब, सांसद राजन विचारे, विधायक सुनील प्रभु का नाम भी शामिल है. शिवसेना नेताओं के साथ विधान परिषद में विपक्ष के नेता अंबादास दानवे, शिवसेना सचिव आदेश बांदेकर, शिवसेना और युवा सेना सचिव वरुण सरदेसाई, उपनेता रवींद्र मिरलेकर, विशाखा राउत, नितिन बानुगाडे-पाटिल, लक्ष्मण वाडले, प्रियंका चतुर्वेदी, सचिन अहीर, मनोज जामसुतकर, सुषमा अंधारे, संजय जाधव का भी नाम सूची में है।

15 साल बाद पहली बार मेरठ में भाजपा और रालोद एक साथ शेयर करेंगे मंच

एजेंसी। मेरठ

बीते 15 साल बाद पहली बार मेरठ में भाजपा और रालोद का कुनबा एक साथ दिखाई देगा। वजह ये है कि मेरठ से पांच लोकसभा सीटों को साधने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी,मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और रालोद के जयंत चौधरी एक मंच पर रहेंगे। 31 मार्च यानी कल मेरठ में होने वाली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रैली कई सियासी मामलों में अलग होने जा रही है। 15 साल बाद ये पहली रैली होगी जिसमें रालोद मुखिया चौधरी जयंत सिंह भाजपा के साथ मंच साझा करेंगे। मोदी और जयंत के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रैली से पांच लोकसभा सीटों को साधेंगे। वर्ष 2002 के विधानसभा चुनाव में रालोद ने भाजपा के साथ मिलकर चुनाव लड़ा, जिसमें आरएलडी 14 सीटें जीतने में सफल रही, लेकिन चुनाव के बाद अजित सिंह ने अटल सरकार से इस्तीफा दे दिया और भाजपा ने गठबंधन तोड़ लिया। इस लिहाज से ये रैली दोनों दलों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। रैली के जरिए मेरठ, बागपत, मुजफ्फरनगर के अलावा कैराना और बिजनौर लोकसभा को साधा जाएगा। रालोद को अमूमन सबसे ज्यादा भाजपा का साथ ही रास आया है। 2009 के लोकसभा चुनाव में चौधरी जयंत सिंह भाजपा गठबंधन में ही मथुरा से सांसद निर्वाचित हुए। रालोद को भाजपा ने सात लोकसभा सीटें दी। इनमें मुजफ्फरनगर और नगीना को छोड़कर रालोद ने बागपत, हाथरस,

पांच लोकसभा सीटों को साधने के लिए पीएम मोदी, सीएम योगी और जयंत चौधरी होंगे साथ

मथुरा, अमरोहा और बिजनौर लोकसभा सीट पर जीत हासिल की। प्रधानमंत्री की रैली के लिए चार हेलीपैड बनाए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री के तीन हेलीकॉप्टर के लिए केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान के मैदान में तीन हेलीपैड बनाए गए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का हेलीकॉप्टर सभा स्थल से 200 मीटर दूर रोम्बस स्कूल में उतरेगा। एसपीजी ने हेलीकॉप्टर लैंडिंग का रिहर्सल देखकर दिशा निर्देश दिए। पुलिस-प्रशासनिक अधिकारियों ने रैली स्थल का निरीक्षण किया। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी के भी आने की चर्चा है, ऐसी सूरत में पांचवां हेलीपैड भी बनाया जा सकता है। तीन लाख की भीड़ का लक्ष्य, 18 सौ बसें लगाईं केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान के मैदान पर रविवार शाम साढ़े तीन बजे होने वाली प्रधानमंत्री की रैली के लिए भाजपा ने पूरी ताकत लगा दी है। शुक्रवार को हुई बैठक में भाजपा के जिलाध्यक्ष शिवकुमार राणा ने बताया कि रैली में 18 सौ बसों, छह सौ कारों और ट्रैक्टर के जरिए तीन लाख लोगों को जुटाने का लक्ष्य रखा गया है।

आरजेडी 26, कांग्रेस 9 और लेफ्ट दल 5 सीटों पर लड़ेंगे चुनाव

एजेंसी। पटना

बिहार में सीटों को लेकर आरजेडी और कांग्रेस के बीच चल रही खींचतान खत्म हो गई है। महागठबंधन में काफी मशक्कत के बाद लालू की आरजेडी बिहार में सबसे ज्यादा सीटों पर लोकसभा चुनाव लड़ेगी। उसके बाद कांग्रेस और फिर लेफ्ट दलों बंटावारे में आई सीटों पर अपने-अपने उम्मीदवार उतारेंगे। उम्मीदवारों को लेकर कांग्रेस की कल यानी रविवार को दिल्ली में बैठक होने वाली है। आखिरकार बिहार में विपक्षी महागठबंधन दलों के बीच सीट बंटवारा हो चुका है। लालू यादव की आरजेडी को 26, कांग्रेस 9 और लेफ्ट दलों (भाकपा माले, भाकपा और माकपा) को 5 सीटें मिली हैं। ज्ञात हो कि कांग्रेस ने 2019 में भी 9 सीटों पर चुनाव लड़ा था। इनमें से सिर्फ एक सीट पर जीत हासिल हुई थी। वहीं आरजेडी एक भी सीट हासिल नहीं कर सकी थी। लालू यादव ने उनके खाते में आई सभी सीटों पर उम्मीदवार घोषित कर दिए हैं। सीटें बंटावारे के बाद अब कांग्रेस भी अपने उम्मीदवारों के नाम घोषित करने में जुट गई है। कांग्रेस चुनाव समिति की 31 मार्च यानी रविवार को दिल्ली में बैठक होनी है, जिसमें बिहार में किन उम्मीदवारों को टिकट देना है इस पर बातचीत होगी। सूत्रों की मानें तो इसी दिन कांग्रेस अपने उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर सकती है। किशनगंज से वर्तमान सांसद मोहम्मद जावेद का नाम इस बार भी लगभग तय माना जा रहा। भागलपुर से विधायक अजीत शर्मा का नाम सबसे आगे चल रहा है। कटिहार से तारिक अनवर कांग्रेस के उम्मीदवार हो सकते हैं। पटना साहिब सीट पर मीरा कुमार के बेटे अंशुल अभिजीत और राजकुमार राजन के नाम मोहर लग सकती हैं। वहीं समस्तीपुर सीट से पूर्व आईपीएस वीके रवि और अशोक राम दावेदारों में माने जा रहे हैं। कांग्रेस मुजफ्फरपुर से विधायक विजेंद्र चौधरी को अपना लोकसभा उम्मीदवार बना सकती है। महाराजगंज से विधायक विजय शंकर दुबे और कांग्रेस के बिहार प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश सिंह के बेटे आकाश सिंह के नाम की चर्चा है। पश्चिम चंपारण से केदार शाश्वत कांग्रेस प्रत्याशी हो सकते हैं। वहीं सासाराम सीट पर पार्टी किसी नए चेहरे को मौका दे सकती है। लालू यादव की आरजेडी बिहार में जिन 26 सीटों पर लोकसभा चुनाव लड़ेगी उनमें दरभंगा, बांका, अररिया, मुंगेर, सीतामढ़ी, वैशाली, झंझारपुर, मधुबनी, सीवान, हाजीपुर, औरंगाबाद, मधेपुरा, सुपौल, पूर्णिया, गया, जमुई, नवादा, सारण, पाटलिपुत्र, बक्सर, उजियारपुर, जहानाबाद, वाल्मीकि नगर, पूर्वी चंपारण, शिवहर और गोपालगंज शामिल हैं। भाकपा माले तीन सीटों आरा, नालंदा और काराकाट से चुनाव लड़ेगी। भाकपा को बेगूसराय और माकपा को खगड़िया सीट मिली है।

• लालू ने सभी सीटों पर किए उम्मीदवार घोषित, कांग्रेस कल कर सकती है घोषणा

एनडीए में भाजपा 17 तो जेडीयू 16 पर लड़ेगी चुनाव

भाजपा और नीतीश कुमार की जेडीयू (एनडीए) के सीट बंटावारे की बात करें तो भाजपा 17 और जेडीयू 16 सीटों पर लोकसभा चुनाव लड़ रही है। वहीं चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) को 5 सीटें मिली हैं जिस पर वह चुनाव लड़ रही है। जीतन राम मांझी की हिन्दुस्तान आवाम मोर्चा और उपेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक मोर्चा को 1-1 सीट पर ही संतोष करना पड़ा है।

बीजेपी मेनिफेस्टो कमेटी का ऐलान, राजनाथ अध्यक्षः निर्मला संयोजक

एजेंसी। नई दिल्ली

भाजपा ने लोकसभा चुनाव 2024 के लिए मेनिफेस्टो कमेटी का ऐलान किया। कमेटी में कुल 27 मेंबर हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को कमेटी का अध्यक्ष बनाया गया है। वहीं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण संयोजक होंगी, पीयूष गोयल सह संयोजक बनाए गए हैं। इसके अलावा कमेटी में चार राज्यों के सीएम भी शामिल हैं। मध्यप्रदेश के सीएम मोहन यादव, असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा, गुजरात के सीएम भूपेंद्र पटेल और छत्तीसगढ़ के विष्णुदेव साय कमेटी का हिस्सा हैं। कमेटी में अर्जुन मुंडा, किरेन रिजिजू, अश्विनी वैष्णव, शिवराज सिंह चौहान, वसुंधरा राजे और स्मृति ईरानी जैसे बड़े नाम भी शामिल हैं। भारतीय जनता पार्टी ने दो

समिति में 4 राज्यों के सीएम समेत 27 सदस्य

दिन पहले लोकसभा चुनाव 2024 के लिए राज्यों के चुनाव प्रभारी और सह-प्रभारी की लिस्ट जारी की थी। इस लिस्ट में 10 राज्य और दो केंद्र शासित प्रदेशों के नाम शामिल हैं। कुल 18 नाम हैं। जिनमें 10 प्रभारी और 8 सह-प्रभारियों के नाम शामिल हैं। दिल्ली से ओ.पी धनखड़ को प्रभारी बनाया गया है। डॉ. अलका गुर्जर को दिल्ली का सह-प्रभारी बनाया गया है। महाराष्ट्र का प्रभार सांसद डॉ. दिनेश शर्मा को सौंपा गया है। साथ ही यहां दो सह-प्रभारी बनाए गए हैं, जिसमें निर्मल कुमार सुराना और जयभान सिंह पवैया के नाम शामिल हैं। बीजेपी ने मध्यप्रदेश के लिए अपने स्टार प्रचारकों की लिस्ट जारी कर दी है।

भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सुपुर्द-ए-खाक हुआ माफिया

एजेंसी। गाजीपुर

परिवार के लोगों को ही मिट्टी देने की इजाजत

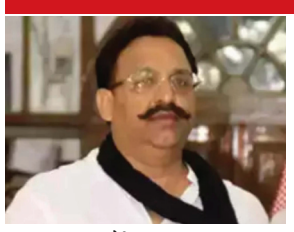

माफिया मुख्तार अंसारी को गाजीपुर के मोहम्मदाबाद स्थित कालीबाग कब्रिस्तान में शनिवार को भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सुपुर्द-ए-खाक किया गया, प्रशासन के द्वारा सिर्फ परिवार के लोगों को ही मिट्टी देने की इजाजत दी गई। माफिया डॉन मुख्तार की गुरुवार को मौत हो गई थी। मौत का कारण कार्डियक अरेस्ट बताया गया है। मुख्तार की मौत के बाद गाजीपुर और मऊ सहित पूरे उत्तर प्रदेश में हाई अलर्ट है। पुलिस ने सभी जिलों में पहरा बढ़ा दिया है। मुख्तार के जनाजे में शनिवार को समर्थकों की भारी भीड़ देखने को मिली। हालांकि बाहर से आए लोगों को कब्रिस्तान के अंदर नहीं जाने दिया गया। मौके पर डीएम सहित प्रशासन के आला अधिकारी मौजूद थे और लोगों को कब्रिस्तान के अंदर जाने से रोका गया। हत्या, रंगदारी जैसे कई अपराधों में दोषी मुख्तार अंसारी का जन्म गाजीपुर जिले के मोहम्मदाबाद में हुआ था। मुख्तार के पिता सुबहानउल्लाह अंसारी और मां का नाम बेगम राबिया था। गाजीपुर में मुख्तार अंसारी के परिवार की पहचान एक राजनीतिक परिवार की है। 17 साल से ज्यादा वक्त से जेल में बंद रहे मुख्तार के दादा डॉक्टर मुख्तार अहमद अंसारी स्वतंत्रता सेनानी थे। गांधी जी के साथ काम करते हुए वह 1926-27 में कांग्रेस के अध्यक्ष भी रहे। मुख्तार के नाना ब्रिगेडियर मोहम्मद उस्मान को 1947 की लड़ाई में शहादत के लिए महावीर चक्र से नवाजा गया था। इसके पहले माफिया अंसारी का जनाजा कब्रिस्तान पहुंचा। तब भीड़ को नियंत्रित करने के लिए मुख्तार के बेटे उमर अंसारी ने खुद हाथ में माइक ले ली और लोगों से पीछे हटने की अपील करते रहे, साथ ही यह सूचना देते रहे कि कब्रिस्तान के अंदर सिर्फ परिवार को जाने की अनुमति है। हालांकि कुछ लोगों ने दीवार फांदने की कोशिश भी की। मुख्तार अंसारी की कब्र उनके पिता व मां की कब्र के समीप खोदी गई। सुरक्षा के लिहाज से कस्बे में चप्पे-चप्पे पर पुलिस के साथ ही अर्द्धसैनिक बल के जवानों की तैनाती रही। इससे पहले मुख्तार अंसारी का शव एंबुलेंस से भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच पहुंचा गाजीपुर पहुंचा। कब्रिस्तान के बाहर पुलिस का सख्त पहरा रहा। समर्थकों ने पुलिसकर्मियों के साथ मिलकर जनाजे के लिए रास्ता बनाया।

संक्षिप्त समाचार

हाईवा की टक्कर से बाइक सवार की मौत

भागलपुर/कजरैली, एजेंसी। कजरैली-भागलपुर मार्ग पर गौराचौकी शिव मंदिर के पास शुक्रवार को सुबह 11 बजे हाईवा की टक्कर से बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गयी। जबकि बाइक चालक बच गया। मृतक की पहचान 55 वर्षीय विजय मिश्रा पिता स्व. भोला प्रसाद मिश्रा निवासी वृंदावन कालोनी, हुसैनाबाद थाना बबरगंज के रुप में की गई है। घटना की सूचना पर पहुंची कजरैली पुलिस को मृतक के शव को उठाने पर काफी विरोध का सामना करना पड़ा। परिजन पहले पोस्टमार्टम नहीं कराने की बात पर अड़े थे। पुलिस के समझाने पर हाईवा को पकड़कर लाने के लिए पुलिस पर दबाव बनाने लगे। घटनास्थल पर मृतक की पत्नी का रो-रो बुरा हाल था। घटनास्थल पर तीन घंटे तक उहापोह की स्थिति बनी रही। मृतक एम द्विवेदी रोड स्थित एक थोक मेडिकल एजेंसी का तकादा करने बांका जा रहा था। बाइक एंटास कंपनी के एमआर आशीष पांडे घर पीरपैंती चला रहा था। चालक ने बताया कि मंदिर के पास पीछे से आ रहे हाईवा के चालक ने सामने से आ रहे नगर निगम की गाड़ी से बचने के चक्कर में टक्कर मार दी। इससे हम विजय की हाईवा की चपेट में आने से मौत हो गयी। पुलिस व परिजनों के नोकझोंक में करीब आधे घंटे तक सड़क जाम रहा। मामले में कजरैली थाना प्रभारी जितेन्द्र कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

ट्रक और बुलेट में टक्कर, युवक की मौत

शेखपुरा, एजेंसी। शेखपुरा के बरबीघा में हटिया मोड़ के पास ट्रक और बुलेट में टक्कर होने से बुलेट सवार युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान नगर थाना क्षेत्र के मटोखर गांव निवासी स्व विनोद महतो का बेटा विकास कुमार उम्र 21 साल के रूप में की गई। लोगों ने बताया कि युवक देर शाम अपने घर से बुलेट पर बरबीघा शहर की ओर निकला था। इस दौरान बरबीघा के हटिया मोड़ के पास ट्रक से बुलेट टक्कर होने पर युवक बुरी तरह घायल हो गया। सूचना मिलते ही स्थानीय थाना पुलिस ने उसे इलाज के लिए रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया। जहां पर युवक की हालत खराब होने पर देर रात सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। वहीं पहुंचने के पहले ही युवक की मौत हो गई। पुलिस ने शव को शनिवार की सुबह पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। बरबीघा थाना अध्यक्ष सह पुलिस इंस्पेक्टर वैभव कुमार ने बताया कि घटना के संबंध में लिखित शिकायत मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। बता दे कि युवक के पिता विनोद महतो की मौत पिछले साल हो गई थी। वहीं तीन भाइयों में मंझला भाई था। वहीं बड़े भाई की अपराधियों ने 6 साल पहले हत्या कर दी थी। बड़े बेटे की हत्या के बाद शिक्षिका मां सदमे में चली गई थी और बाद में मौत हो गई। मृतक ने 6 माह पहले जिला के डीह कुसुंभा गांव की एक लड़की से लव मैरिज किया था। युवक का छोटा भाई 14 साल का है।

तिलकामांझी में बाइक चोरी के दौरान धराए आरोपी की तबीयत बिगड़ी, इलाजरत

भागलपुर, एजेंसी। तिलकामांझी थाना क्षेत्र में बाइक चोरी करते पकड़े गए आरोपी की तबीयत बिगड़ गई। जिसके बाद उसे इलाज के लिए मायागंज में भर्ती कराया गया है। आरोपी का नाम राजीव कुमार मंडल है जो इशाकचक थाना क्षेत्र के लीची बगान इलाके का रहने वाला है। तिलकामांझी थाना के पुलिस पदाधिकारी राजेश्वर सिंह ने कोर्ट को सूचित किया है। उसमें बताया गया है कि 28 मार्च को गिरफ्तार किए जाने के बाद सदर अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद उसे हाजत में रखा गया था। 29 मार्च को उसकी तबीयत खराब हो गई जिसके बाद मायागंज में भर्ती कराया गया।

10 हेलीकॉप्टर से चुनावी उड़ान भरेंगे सियासी दिग्गज

शुरू हो गईं बुकिंग

ताबड़तोड़ करेंगे रैलियां

पटना, एजेंसी। चुनावी समर में दलों के दिग्गज से लेकर कार्यकर्ता तक जुट गए हैं। विभिन्न राजनीतिक दलों की ओर से चुनावी समर में मैदान मारने के लिए जमीन से लेकर आसमान तक तैयारी की जा रही है। दोनों गठबंधन एक दूसरे को पटखनी देने के लिए ताबड़तोड़ रैलियों का शेड्यूल तय करने में जुटे हैं। इसी क्रम में पटना एयरपोर्ट से हेलीकॉप्टरों की बुकिंग की प्रकिया शुरू हो गई है। इस बार के चुनाव में लगभग दस हेलीकॉप्टरों की बुकिंग के आसार हैं। इनमें से दो हेलीकॉप्टर की बुकिंग हो चुकी है। सूत्रों ने बताया कि भाजपा की ओर से एक हेलीकॉप्टर की बुकिंग हो गई है। एक चॉपर 17 मार्च से ही खड़ा है। इसे राजद की ओर से बुक बताया जा रहा है। आने वाले एक हफ्ते में भाजपा की ओर से पांच और हेलीकॉप्टर की बुकिंग संभावित है। राजद की ओर से दो, कांग्रेस की ओर से दो और जदयू की ओर से एक हेलीकॉप्टर की बुकिंग संभावित है। सामान्य उड़ानों के बीच चॉपरों की आवाजाही से पटना एयरपोर्ट की व्यस्तता बढ़ने वाली है। जैसे-जैसे रैलियों की तिथि तय होगी और चॉपरों की आवाजाही बढ़ेगी,एटीसी की व्यस्तता भी बढ़ेगी।

विभिन्न दलों की ओर से चॉपरों की आवाजाही की सूचना भी एटीसी को देनी होगी, ताकि समयानुसार विमानों की आवाजाही के बीच हेलीकॉप्टरों की सुरक्षित उड़ान सेवा बहाल रखी जा सके। बिहार के गांवों, जिलों में हेलीकॉप्टर से प्रचार को लेकर जनता के बीच भी कौतूहल रहता है। रैलियों में हेलीकॉप्टर को देखने और अपने प्रिय नेताओं को देखने के लिए दर्जनों किमी पैदल चलकर आते हैं।

सन्हौला में अज्ञात बीमारी से मर रहे कौवे

भागलपुर/सन्हौला, एजेंसी। सन्हौला के विभिन्न क्षेत्रों में जहां-तहां कौवे मरे मिल रहा हैं। सन्हौला थाना क्षेत्र के ताड़र गांव से कुछ लोगों की जानकारी पर जांच में जहां-तहां कौवे मरे मिले। ताड़र बजरंगबली मंदिर में भी कुछ मरे कौवे देखे गए।

ग्रामीण शिवराज सिंह उर्फ फूना सिंह, पवन सिंह, सुदीप सिंह, रीतेश सिंह, विनय झा आदि ने बताया कि होली के बाद से इस घटना में वृद्धि हुई है। उन लोगों ने बताया की कौवे में पहले नशा जैसी स्थिति बनती है फिर धीरे-धीरे वह मूर्छित हो जाता है। कुछ कौवे को पानी पिलाया गया लेकिन कुछ देर के बाद वह वही मर गया। लोगों को पता नहीं चल रहा है कि आखिर इसका कारण क्या है। पेड़ पर भी कुछ कौवे देखे गए जो मूर्छित अवस्था में थे और उड़ नहीं पा रहे थे। इन युवकों ने बजरंग बली मंदिर परिसर में चिड़िया के लिए पानी की व्यवस्था की है। लोगों ने इसकी जानकारी प्रशासन को दी है लेकिन अभी तक किसी ने सुधि नहीं ली है। पशु अस्पताल के प्रभारी चिकित्सा प्रभारी डॉ. अमित कुमार ने बताया कि अभी कौवा के मरने का न तो मौसम है और न ही बर्ड फ्लू का लक्षण दिखता है। मरे हुए मवेशी का सड़ा मांस खाने से ऐसा हो सकता है अथवा लगातार मौसम परिवर्तन से भी ऐसा हो सकता है।

परिजनों का अस्पताल प्रबंधन पर गंभीर आरोप, कहा– शव सौंपने के लिए 11 हजार रुपए की हुई डिमांड

निजी अस्पताल में इलाज के दौरान महिला मरीज की मौत

पूर्णिया, एजेंसी। पूर्णिया के लाइन बाजार स्थित निजी अस्पताल में इलाज के दौरान महिला मरीज की मौत हो गई। मृतका के परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर इलाज के नाम पर बतौर फीस 5 लाख रुपए ऐंठने और शव सौंपने के एवज में 11 हजार रुपए की डिमांड का आरोप लगाया। हालांकि निजी अस्पताल के इस रवैए से परिजन आक्रोशित हो गए। जिसके बाद हंगामे के आसार देखते हुए अस्पताल प्रबंधन ने मरीज के परिजनों से समझौता कर लिया। जिसके बाद किसी तरह मामला शांत हुआ।

जन्म के तीन दिन बाद ही नवजात की मौत : महिला मरीज की पहचान जानकीनगर थान क्षेत्र के बिनोवाग्राम निवासी शिमाकांत कुमार की पत्नी खुशबू कुमारी (20) के रूप में हुई है। दो साल पहले ही खुशबू की शादी हुई थी। वहीं डिलीवरी के एक माह पहले ही मृतका के नवजात बच्चे की मौत हो गई थी। घटना की जानकारी देते हुए मृतका के पति शिमाकांत कुमार ने बताया कि एक माह पहले उनकी पत्नी को प्रसव पीड़ा उठी। जिसके बाद वे पत्नी को लेकर बिनोवाग्राम से पूर्णिया के लाइन बाजार स्थित एक महिला चिकित्सक के क्लिनिक लेकर पहुंचे। यहां डिलीवरी के बाद महिला मरीज और नवजात दोनों की तबियत काफी बिगड़ती चली गई। जन्म के तीन दिन बाद ही नवजात की मौत हो गई। जबकि महिला की हालत काफी गंभीर हो गई। जिसके बाद महिला डॉक्टर ने मरीज को निजी क्लीनिक में एडमिट कराया, यहां महिला के इलाज के नाम पर 5 लाख रुपए बतौर फीस अस्पताल प्रबंधन ने लिए। इस दौरान वे अस्पताल के कर्मियों से स्वास्थ्य में सुधार को लेकर पूछते रहे मगर किसी ने कुछ बोलना तक जरूरी नहीं समझा। रात गए 8 बजे अचानक महिला मरीज की दोबारा से तबीयत बिगड़ गई। इसके बाद महिला मरीज की जान चली गई।

समझौते के बाद शांत हुआ मामला : इस मामले पर अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि मरीज के शरीर के शरीर के महत्वपूर्ण अंगों ने काम करना बंद कर दिया था। जिस वजह से उसकी मौत हो गई। वहीं इसके बाद जब वे डेड बॉडी ले जाने लगे तो इसके एवज में अस्पताल प्रबंधन ने उनसे बाकी बचे 11 हजार फीस जमा करने को कहा। जब उन्होंने बताया कि वे अब पैसे देने में सक्षम नहीं, तो अस्पताल प्रबंधन के कर्मी बगैर फीस के पेमेंट के डेड बॉडी ले जाने से रोकने लगे और बॉडी को अपने कब्जे में ले लिया।

इन सब के बाद घरवाले अस्पताल के बाहर जुटे। जिसके बाद हंगामे के आसार देखकर अस्पताल प्रबंधन के कर्मियों ने मरीज के परिजनों से समझौता कर लिया। जिसके बाद किसी तरह ये मामला शांत हुआ।

पाइपलाइन डालने के लिए तोड़ी सड़क नहीं बनने पर लोगों ने किया प्रदर्शन

भागलपुर, एजेंसी। पानी की पाइपलाइन डालने के लिए मोगलपुरा में अली अहमद बेग लेन में दोनों तरफ खुदाई कर दी गई है। इससे लोग आए दिन गिरकर चोटिल हो रहे हैं। शुक्रवार को क्षेत्र के नाराज लोगों ने मोगलपुरा में प्रदर्शन किया। साथ ही इसकी बेहतर ढंग से मरम्मत कराने की मांग की है। दरअसल, प्रत्येक घर में पाइपलाइन के जरिए पानी पहुंचाने के लिए बुडको द्वारा पानी की पाइपलाइन बिछाई जा रही है। इसी क्रम में बुडको द्वारा मोगलपुरा इलाके के अली अहमद बेग लेन को दोनों तरफ से खोद दिया गया है। इसकी वजह से लोगों को आने जाने में काफी दिक्कत हो रही है। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि सड़क की खुदाई की वजह से चलना मुश्किल हो गया है। आए दिन कोई न कोई सड़क पर गिरता रहता है। गिरने की वजह से कई लोग चोटिल भी हो चुके हैं। सबसे ज्यादा दिक्कत खुदाई की गई सड़क को बेतरतीब तरीके से भरने से हो रही है। गुरुवार को बुडको के कुछ कर्मचारी सड़क को ठीक करने के लिए पहुंचे। नाराज लोगों ने उन्हें लौटा दिया। कहा कि जब तक पहले की तरह सड़क नहीं बनाई जाती है तब तक इसे ठीक नहीं करने देंगे। इसके बाद लोगों ने शुक्रवार को इसको लेकर प्रदर्शन भी किया। इस दौरान शमशेर, शाइन, बादल, मोहम्मद सरताज, मो. तेजू, अंजम आदि मौजूद रहे। इधर बुडको के अधिकारियों का कहना है कि सड़क दुरुस्त करने के लिए एजेंसी को निर्देशित किया गया है।

कोचिंग जा रही छठी कक्षा की छात्रा से गैंगरेप

अपहरण कर गोदाम में 5 युवकों ने की दरिंदगी

पटना, एजेंसी। राजधानी पटना के नौबतपुर प्रखंड के पीपलावां थाना क्षेत्र स्थित एक गांव में पांच युवकों ने बंधक बनाकर छठी कक्षा की छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म किया। कोचिंग के लिए जा रही ग्यारह वर्षीय नाबालिग को डेकोरेशन के गोदाम में ले गए। वहां बंधक बनाकर दो घंटे तक उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। बच्ची के बदहवास होने पर युवक पीड़िता को छोड़ मौके से फरार हो गए। उसकी चीख लोग तक ना पहुंचे इसके लिए आरोपितों ने जेनरेटर और ऑटो को स्टार्ट कर छोड़ दिया था। पीड़िता ने दुष्कर्म का आरोप गांव के पांच युवकों पर लगाया है। घटना की शिकायत के बाद पुलिस ने एक आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि फरार चार आरोपितों की तलाश में छापेमारी की जा रही है। पीपलावां थाना प्रभारी राहुल कुमार ने बताया कि बच्ची के पिता की लिखित शिकायत पर मामला दर्ज किया गया है। बच्ची का शनिवार को मेडिकल और न्यायालय में 164 का बयान भी दर्ज कराया जाएगा। पीड़िता अपने घर से गुरुवार की दोपहर करीब तीन बजे कोचिंग जाने के लिए निकली थी।

छात्रा कुरकुरे खरीदने कोचिंग के पास स्थित दुकान में गयी थी। वहां से वह कोचिंग की ओर जा रही थी। रास्ते में गांव के ही युवकों ने उसे दबोच लिया और पास स्थित एक डेकोरेशन के गोदाम ले गये। वहां सामूहिक दुष्कर्म किया। पांच बजे कोचिंग खत्म होने के बाद जब बच्ची अपने घर नहीं पहुंची तो परिजनों को चिंता हुई। छानबीन में पता चला कि बच्ची गुरुवार को कोचिंग नहीं गई थी। बाद में परिजनों ने इलाके में उसकी खोजबीन शुरू की।

देर शाम कोचिंग के समीप जाने पर पीड़िता डेकोरेशन के गोदाम में बदहवास मिली। परिजनों का आरोप है कि बच्ची के साथ आरोपितों ने मारपीट की और सिर पर पिस्तौल रखकर उसे जान से मारने की धमकी भी दी थी। घटना के बारे में शुक्रवार स्थानीय थाने में शिकायत दी गई। वहीं मंगलवार को फतुहा के जयनंदनपुर गांव में महिला के साथ छेड़खानी के बाद उपजे विवाद में दो पक्षों के बीच रोड़ेबाजी और गोलीबारी हुई थी। रोड़ेबाजी में घायल एक वृद्ध कृष्णनंदन सिंह की इलाज के दौरान पीएमसीएच में मौत हो गई थी जबकि उनका पुत्र बाली कुमार इलाजरत है। मामले में मृतक के भाई देवनंदन सिंह ने बारह के खिलाफ जबकि पीड़िता महिला के द्वारा पांच विरुद्ध फतुहा थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। थानाध्यक्ष रूपक कुमार अंबुज ने बताया कि सभी आरोपित फरार चल रहे हैं, गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

शीतलाष्टमी मेले की तैयारी शुरू: उमड़ेगी श्रद्धालुओं की भीड़

भभूत और जल से बीमारियों के दूर होने की मान्यता

नालंदा, एजेंसी। नालंदा जिला मुख्यालय बिहार शरीफ से पश्चिम 3 किलोमीटर दूर पर अवस्थित है मघड़ा गांव, जहां मां शीतला का प्रसिद्ध मंदिर है। मां शीतला के प्रसिद्ध मंदिर में चैती कृष्ण पक्ष अष्टमी मंगलवार को विशेष पूजा होगी। वैसे मंदिर में सोमवार से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगेगी, यह आयोजन तीन दिनों तक चलेगा।

क्या बोलें मंदिर के सदस्य

श्री शीतला पंडा कमेटी के सदस्य रंजीत कुमार ने बताया कि इस मंदिर की मान्यता यह है कि यहां के जल एवं भभूत से बड़े-बड़े रोगों को निवारण प्राप्त होता है। खासकर के चेचक का प्रकोप जब गर्मी के दिनों में बढ़ता है तो यहां के जल और भभूत से चेचक रोग का निवारण हो जाता है। इस मंदिर का स्कंद पुराण में भी वर्णन है। व्हेन सांग जब पढ़ते थे तो शीतला मंदिर के पीछे पीपल के पेड़ के नीचे वह विश्राम करते थे और इसके बाद हिरण्य पर्वत पर स्थित लाइब्रेरी में पढ़ाई करने जाते थे।

बसियौढा मनाने की परंपरा

प्राचीन काल से ही चैती कृष्ण पक्ष सप्तमी के दिन मघड़ा गांव एवं आसपास के दर्जनों गांव में बसियौड़ा मनाने की परंपरा चली आ रही है। अष्टमी के दिन गांव के किसी घर में चूल्हे नहीं जलते हैं। लोग एक दिन पहले बने भोजन को प्रसाद के रूप में ग्रहण करते हैं।

क्या रहा है इतिहास

गांव की एक ब्राह्मण को माता ने रात में स्वप्न दिया था कि उनकी मूर्ति नदी के किनारे जमीन के अंदर दबी है। उसे गांव के किसी स्थान पर स्थापित कर पूजा अर्चना करें। इसके बाद ब्राह्मण ने नदी के किनारे से स्थित एक कुएं की खुदाई कराई। जहां से मां शीतला की प्रतिमा मिली। उसे गांव के तालाब के बगल में ही स्थापित कर दिया। जिस कुएं से मां की प्रतिमा निकली उस कुएं का नाम मिठ्ठी कुआं रखा गया। आज भी इस कुएं से लोग जल लेकर मां शीतला के मंदिर में जलाअभिषेक करते हैं।

सज रही खेल तमाशे की दुकान

शीतला अष्टमी मेले को लेकर तरह-तरह की दुकाने लगाई जा रही है। खेल तमाशा से लेकर अलग अलग प्रकार के झूले भी लगाए जा रहे हैं। मेले की तैयारियां जोरो शोरों से चल रही हैं।

अपराध की योजना बनाते तीन अपराधी गिरफ्तार

मोतिहारी, एजेंसी। मोतिहारी में पुलिस ने लूट की योजना बना रहे तीन अपराधियों को हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। एसपी कांतेश मिश्रा ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ अपराधी पिपरा थाना क्षेत्र में जमा हुए है और लूट की योजना बना रहे है। सूचना मिलते ही चकिया एसडीपीओ सतेंद्र सिंह के नेतृत्व में टीम गठित कर अपराधियों की गिरफ्तारी का निर्देश दिया गया। इसके बाद एसडीपीओ ने पिपरा थानाध्यक्ष सुनील कुमार के साथ छापेमारी कर लूट अपराधियों को देसी कट्टा और गोली के साथ गिरफ्तार कर लिया। चकिया एसडीपीओ सतेंद्र सिंह ने बताया कि गिरफ्तारी के बाद थाना में कांड दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तार अपराधी में पंकज कुमार थाना साहेबगंज, जिला-मुजफ्फरपुर, अफसर हुसैन थाना-केसरिया और संदीप कुमार थाना- पीपराकोठी क रहने वाला है। इसके अलावा इनका आपराधिक इतिहास भी देखा जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

पटना में सट्टे के विवाद में मारपीट और गोलीबारी

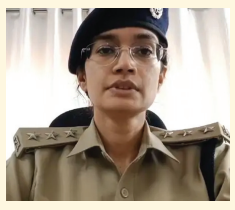

पटना। पटना के कंकड़बाग थाना क्षेत्र में एक निजी हॉस्पिटल के सामने शुक्रवार देर रात सट्टे के विवाद में मारपीट और गोलीबारी हुई है। मिली जानकारी के मुताबिक सट्टेबाजी के दौरान कुछ युवकों के बीच रुपए को लेकर विवाद हो गया। बात इतनी बढ़ गई मारपीट की नौबत आ गई। एक युवक ने वर्चस्व कायम करने के लिए कई राउंड फायरिंग कर दी। एएसपी सदर स्वीटी सहरावत ने बताया कि देर रात लगभग 2 बजे कंकड़बाग थाने को सूचना मिली थी कि कुछ व्यक्ति साईं हॉस्पिटल के पास मारपीट कर रहे हैं और फायरिंग भी हुई है। सूचना मिलने के बाद थानाध्यक्ष अपनी टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। जहां से एक युवक को हिरासत में लिया गया और अन्य भागने में सफल रहे। उन्होंने आगे कहा कि घटनास्थल से एक बाइक, एक खोखा और फोर व्हीलर गाड़ी बरामद किया गया है। हिरासत में लिए गए व्यक्ति से पूछताछ के दौरान ये बात सामने आई है कि मारपीट करने वाले सभी दोस्त हैं। आईपीएल में पैसा लगाते हैं। पैसे के लेन देन को लेकर मारपीट हुई है। सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है।

दानापुर में गंगा में डूबी लड़की का सुराग नहीं

पटना। दानापुर थाना क्षेत्र के फक्कड़ महतो घाट पर स्नान करने के दौरान एक लड़की डूब गई। घटना के 32 घंटे बाद भी उसका कुछ पता नहीं चल सका है। एसडीआरएफ की टीम खोजबीन में जुटी हुई है। शनिवार को लालू यादव की बड़ी बेटी मीसा भारती भी घाट पर पहुंची। पीड़ित परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया। मीसा भारती ने कहा कि कोर्ट जाने के दौरान सूचना मिली थी कि एक लड़की गंगा में स्नान करने के दौरान डूब गई है। जिसके बाद मैं यहां पहुंची और परिजनों से मुलकात की। एसडीआरएफ की टीम तलाश में जुटी हुई है। स्थानीय लोगों ने महाजाल की मांग की है। इस संबंध में बीडीओ और सीओ से बात की है। बता दें कि शुक्रवार को सुबह के समय नासरीगंज आदर्श नगर निवासी रविरंजन राय की पुत्री मुस्कान उर्फ प्रतिमा कुमारी(20) अपनी दादी और बहन के साथ शादी का कार्ड लेकर मां गंगा को निमंत्रण देने गई थी। स्नान करने के दौरान मुस्कान गहरे पानी में चली गई। दादी और बहन ने उसे बचाने की काफी कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं मिली।

आचार संहिता उल्लंघन मामले में मीसा भारती को मिली जमानत

पटना। आचार संहिता उल्लंघन के लंबित मामले में शनिवार को राजद सुप्रीमो लालू यादव की बेटी और पाटलिपुत्र से लोकसभा राजद प्रत्याशी मीसा भारती दानापुर न्यायालय में हाजिर हुईं। लोकसभा चुनाव 2019 में आचार संहिता को लेकर मनेर थाना कांड संख्या 216/19 दर्ज की गई थी। उसी मामले में पाटलिपुत्र लोकसभा राजद प्रत्याशी मीसा भारती आज दानापुर व्यवहार न्यायालय के जेएम फर्स्ट क्लास ADDL मुंसिफ थर्ड प्रिया कुमारी के समक्ष पेश हुई, जहां सुनवाई करते हुए 10 हजार मुचलके पर उन्होंने उन्हे जमानत दे दी। इस दौरान मीसा भारती कहा कि पाटलिपुत्र की जनता ही नहीं पूरे बिहार की जनता हमारी है। एक बार इंडी गठबंधन को मौके देकर देखें। जनता के भरोसे पर खड़े उतरेंगे। दरअसल, राजद सुप्रीमो की बड़ी बेटी मीसा भारती पर मनेर थाने में लोकसभा चुनाव 2019 के दौरान आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन का मामला दर्ज किया गया था। मीसा भारती पर 20 से 25 चार पहिया वाहन, 50 से अधिक बाइक, 500 से अधिक लोगों के साथ बगैर अनुमति के रोड शो करने का आरोप है। इस मामले में पुलिस ने धारा 188/171 एच के तहत मुकदमा दर्ज किया था। मामला सुअरमरवा-रामपुर सेक्टर-4 का है। बताते चले कि मीसा भारती पाटलिपुत्र लोकसभा से राजद प्रत्याशी हैं, जहां उनका सीधा मुकाबला केंद्र सरकार में मंत्री रहे रामकृपाल यादव से है।

पटना में केयर टेकर ने की बिजनेसमैन की हत्या

पटन। पटना के श्री कृष्णा पुरी थाना क्षेत्र में केयर टेकर प्रकाश कुमार भौमिक (36) पर मालिक की हत्या का आरोप लगा है। घटना 28 मार्च की है। मृतक अमर प्रसाद साहू (74) शहर के बड़े बिजनेसमैन थे। उन्होंने शादी नहीं की थी। अपने रिश्तेदारों के साथ ही पटना के श्री कृष्णा पूरी इलाके में रहते थे। परिवार के दूसरे सदस्य भी घटना वाले दिन घर पर ही मौजूद थे, लेकिन किसी को इसकी भनक तक नहीं लगी। रिश्तेदारों ने बताया कि 8 अप्रैल को अमर साहू का जन्मदिन भी था। दरअसल, अमर साहू की बीमारी की वजह से परिजनों ने देखभाल के लिए 17 फरवरी को दिल्ली के एक निजी एजेंसी से केयर टेकर हायर किया, जो बीते लगभग एक महीने से उनकी देखभाल कर रहा था। परिवार के सदस्यों के मुताबिक केयर टेकर हमेशा बुजुर्ग के साथ अमानवीय व्यवहार करता था। परिजनों का कहना है कि घटना वाले दिन भी बुजुर्ग का हाथ मरोड़ा गया, बेड पर उठाकर जोर पटका भी गया। पीठ के बल लिटाकर चादर उढ़ाई गई। सुबह जब कोई रिस्पॉन्स नहीं मिला, तो केयर टेकर ने ही घर के सदस्यों को घटना की जानकारी दी। परिवार ने बताया कि पूरी वारदात CCTV कैमरे में रिकॉर्ड है। उसी फुटेज के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। वहीं आरोपी का कहना है कि उसका हत्या का इरादा नहीं था। वो रात में परेशान करते थे। बस केवल डराने के लिए किए थे, दूसरा कोई इरादा नहीं था। परिजनों का कहना है कि एक कॉल बेल अमर प्रसाद साहू के पास हमेशा रहती थी, ताकि बजाने पर उनकी मदद की जाए। घटना वाले दिन कॉल बेल को केयर टेकर ने वहां से हटा दिया था। थानाध्यक्ष पंकज कुमार ने बताया कि आरोपी केयर टेकर प्रकाश कुमार भौमिक (36) को मृतक के श्री कृष्णा पुरी आवास से गिरफ्तार कर लिया गया है। भौमिक मूलरूप से सीतामढ़ी का रहने वाला है। पुलिस को श्री कृष्णा पुरी इलाके के एक मकान में 28 तारीख देर रात में बुजुर्ग अमर प्रसाद साहू की मौत की सूचना मिली थी। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

पप्पू यादव को कांग्रेस की चेतावनी

पटना। पप्पू यादव के कांग्रेस में शामिल होने के 10 दिन के अंदर ही कांग्रेस से निकालने की तैयारी शुरू हो गई है। एक तरफ जहां पप्पू यादव पूर्णिया सीट पर कांग्रेस का झंडा फहराने और राहुल गांधी को पीएम बनाने का नारा बुलंद कर रहे हैं तो दूसरी तरफ पार्टी के भीतर उनके खिलाफ कार्रवाई की रणनीति बन रही है। पप्पू यादव की तरफ से शनिवार की सुबह घोषणा की गई कि वे 2 अप्रैल को पूर्णिया में अपना नॉमिनेशन करेंगे। इसके तुरंत बाद कांग्रेस के भीतर से उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की बात सामने आने लगी है। कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता राजेश राठौर ने दैनिक भास्कर को बताया कि महागठबंधन की सीट शेयरिंग में कांग्रेस के कोटे में जो 9 सीटें आई हैं, पार्टी का अधिकृत उम्मीदवार वही होगा। बाकी सीटों पर गठबंधन के सहयोगी दलों से अधिकृत उम्मीदवार चुनाव लड़ेंगे। राजेश राठौर ने कहा कि इसके अलावा किसी भी सीट पर अगर महागठबंधन के किसी दल का कोई और कैंडिडेट नॉमिनेशन करता है तो वे पार्टी के सदस्य नहीं माना जाएगा। वहीं, फ्रेंडली फाइट के सवाल पर उन्होंने कहा कि कहीं पर कोई फ्रेंडली फाइट नहीं होगी। गठबंधन के तहत चुनाव होगा। कांग्रेस प्रवक्ता के बयान पर फिलहाल पप्पू यादव फिलहाल कोई बयान देने से मना कर दिया है। पप्पू यादव कैंडिडेट घोषणा का इंतजार कर रहे हैं।

बिहार में 4257 अतिथि शिक्षकों की सेवा समाप्त

- पिछले 6 साल से उच्च माध्यमिक विद्यालयों में थे कार्यरत, शिक्षा विभाग ने जारी किया आदेश

एजेंसी, पटना।

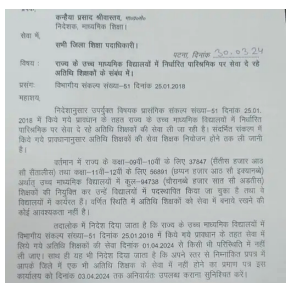

बिहार के 4 हजार 257 अतिथि शिक्षकों की सेवा समाप्त कर दी गई है। ये सभी शिक्षक पिछले 6 सालों से राज्य के उच्च माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत थे। अब इनकी सेवा समाप्त करने का फैसला शिक्षा विभाग ने लिया है। इस संबंध में शिक्षा विभाग के निदेशक कन्हैया प्रसाद की ओर से सभी जिला शिक्षा पदाधिकारी को एक पत्र भी जारी किया गया है। पत्र में लिखा गया है कि 25 जनवरी 2018 से राज्य के उच्च माध्यमिक विद्यालयों में अतिथि शिक्षकों की सेवा ली जा रही है। वर्तमान में कक्षा 9वीं-10वीं के लिए 37 हजार 847, कक्षा 11वीं-12वीं के लिए 56 हजार 891 और उच्च माध्यमिक विद्यालयों में 94 हजार 738 शिक्षकों की नियुक्ति की गई है। उन्हें विद्यालयों में पदस्थापित किया जा चुका है। इस स्थिति में अतिथि शिक्षकों को सेवा में बनाये रखने की कोई आवश्यकता नहीं है। 1 अप्रैल से किसी भी परिस्थिति में इनकी सेवा नहीं ली जाए। जिला शिक्षा पदाधिकारी को यह भी निर्देश दिया गया है कि आपके जिले में एक भी अतिथि शिक्षक के सेवा में नहीं होने का प्रमाण पत्र इस कार्यालय को दिनांक 03.04.2024 तक अनिवार्यतः उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

हमलोगों ने क्या कसूर किया था: अतिथि शिक्षकः शिक्षा विभाग के फैसले के बाद अतिथि शिक्षकों ने प्रतिक्रिया दी है। अतिथि शिक्षक मनीष कुमार ओझा ने कहा कि आज बहुत दुख हो रहा है। राज्य के 4 हजार 257 अतिथि शिक्षकों की नौकरी छीन ली गई है। हमलोगों ने कौन सा कसूर किया था। सरकार से प्रार्थना करते हैं कि एक बार हमारे बच्चों और घर के बारे में सोचें।

पटना में दो दिनों में दो भाइयों से सरेराह छीनतई

एजेंसी, पटना।

पटना में दो दिनों के भीतर दो भाइयों से छीनतई की घटना हुई है। दोनों मामलों में दोनों भाई अपने अपने बच्चे को कोचिंग से लाने जा रहे थे, जिसके बाद संबंधित थाना में मामला दर्ज किया गया। पुलिस छानबीन में जुटी। दोनों ही मामलों में पुलिस बाइक का नंबर ट्रेस नहीं कर सकी। पहली घटना में शातिरों ने बाइक का नंबर कपड़े से ढक दिया था। दूसरे मामले में बाइक पर नंबर प्लेट ही नहीं था। फिलहाल पुलिस जांच करने की बात कह रही है। CCTV फुटेज खंगाला जा रहा है। पाटलिपुत्रा थाना क्षेत्र के अजंता कॉलोनी के रहने वाले नीरज झा के साथ छीनतई की घटना 27 मार्च को हुई है। यह घटना शाम के 6 बजे शहर के व्यस्ततम जगहों में से एक माने जाने वाले आर ब्लॉक चौराहे पर हुई, जिसके बाद नीरज ने सचिवालय थाना में मामला दर्ज कराया।

बाइक सवार बदमाशों ने की छीनतईः नीरज ने बताया कि वो अपने बच्चे को कोचिंग से लाने गांधी मैदान जा रहे थे। जैसे ही वो अटल पथ से आर ब्लॉक पहुंचने वाले थे, तभी उनका फोन आया। फोन पर 2 मिनट बात कर फोन अपने उपर के पॉकेट में रखा और वहां से चलने लगे, तभी आर ब्लॉक की तरफ से बाइक पर तेजी से दो लड़के आए और पॉकेट से मोबाइल निकाल कर अटल पथ की तरफ भाग गए। नीरज ने कुछ दूर उनका पीछा किया, लेकिन शातिर तेजी से भाग निकले। नीरज ने बताया कि इस घटना के दो दिन बाद उनके भाई विक्रम कुमार के साथ भी छीनतई की घटना हो गई। विक्रम भी अपने बच्चे को कोचिंग से लाने जा रहे थे। तभी अटल पथ पर एएन कॉलेज के पीछे पानी टंकी के पास दो लड़के एक बाइक से आए इनको ओवर टेक किया और पीछे वाला लड़का चाकू दिखा कर पॉकेट से मोबाइल निकाल लिया और फिर दीघा की तरफ फरार हो गए। बदमाशों के बाइक पर नंबर प्लेट नहीं था, जिसके बाद पाटलिपुत्रा थाना में मामला दर्ज किया गया।

1 अप्रैल से सरकारी...2 अप्रैल से निजी स्कूलों में नया सत्र, पहले दिन स्टूडेंट्स सिलेबस से होंगे अवगत

इन स्कूलों में इस दिन से शुरू होगी नए सत्र की पढ़ाई-:

- संत माइकल हाईस्कूल- 2 अप्रैल
- संत कैरेंस हाईस्कूल- 2 अप्रैल
- संत जेवियर्स हाईस्कूल- 2 अप्रैल
- संत जोसेफ कॉन्वेंट- 2 अप्रैल
- संत डोमेनिक सेवियोज हाईस्कूल- 2 अप्रैल
- डॉन बॉस्को एकेडमी- 2 अप्रैल
- डीएवी बीएसईबी- 5 अप्रैल
- लोयोला हाईस्कूल- 2 अप्रैल (नोट- कक्षा एक की क्लास 8 अप्रैल से शुरू होगी)

एजेंसी, पटना।

शहर के सरकारी और निजी स्कूलों में वार्षिक परीक्षा खत्म होने के बाद अब नए सत्र की शुरुआत होगी। पटना जिले के सरकारी स्कूलों में पहली से बारहवीं क्लास के विद्यार्थियों के नए सत्र की पढ़ाई 1 अप्रैल से होगी। वहीं, अधिकतर निजी स्कूलों में नए सत्र की पढ़ाई 2 अप्रैल से शुरू होगी। निजी स्कूलों के प्राचार्यों ने बताया कि पहले दिन विद्यार्थियों को सिलेबस से अवगत कराते हुए डेली रुटीन के बारे में जानकारी दी जाएगी। वहीं, मई में यूनिट टेस्ट भी आयोजित होगा। बढ़ती गर्मी के कारण अप्रैल के दूसरे सप्ताह से मौसम के अनुसार स्कूलों की टाइमिंग में भी बदलाव किया जाएगा। फिलहाल नए सत्र में सुबह 8 से दोपहर 2 बजे तक विद्यार्थियों की क्लास संचालित की जाएगी।

पैरेंट्स टीचर्स मीट में दिया जाएगा रिजल्टः वहीं, सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों का वार्षिक मूल्यांकन अंतिम चरण में है। इसके बाद वार्षिक परीक्षा का परिणाम जारी किया जाएगा। अभिभावकों को बुलाकर छात्र-छात्राओं का रिजल्ट दिया जाएगा। जिस दिन परीक्षा परिणाम जारी होगा उस दिन स्कूल में लंच ब्रेक के बाद पैरेंट्स टीचर्स मीट का आयोजन किया जाएगा। पांचवीं और आठवीं का रिजल्ट 30 मार्च को तो कक्षा 1, 2 और 3 का परिणाम 6 अप्रैल को आएगा। कक्षा 4, 6 और 7 का परिणाम 8 अप्रैल को आएगा।

नाबालिग बच्ची से गैंगरेप...जांच के लिए पहुंची SFL टीम, घटनास्थल से साक्ष्यों को किया प्रिजर्व,

- कोचिंग जाते समय 5 युवकों ने किया था अगवा

एजेंसी, पटना।

पटना के नौबतपुर इलाके में 11 साल की बच्ची से गैंगरेप मामले में पुलिस की जांच तेज हो गई है। एसडीपीओ ने संबंधित थाना को घटनास्थल के आसपास के सभी साक्ष्य को प्रिजर्व करने का निर्देश दिया है। साथ ही पीड़िता और गिरफ्तार एक आरोपी के मेडिकल जांच कराने का निर्देश दिया है।

पटना से एसएफएल टीम को बुलाया गया हैः नौबतपुर एसडीपीओ दीपक कुमार ने बताया कि इस मामले में जो भी आरोपित हैं, उन्हें पुलिस जल्द से जल्द गिरफ्तार कर लेगी। पटना से एसएफएल टीम को बुलाया गया है। टीम पूरे मामले की छानबीन करेगी। घटना से जुड़े सभी साक्ष्य को पुलिस एकत्रित कर रही है, जो आरोपियों को सजा दिलाने में मददगार साबित होगी। दूसरी ओर शनिवार को कई सामाजिक संगठन की महिलाओं ने पीड़ित बच्ची से मुलाकात कर प्रशासन से आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग की है।

कोचिंग जाते समय बच्ची को किया अगवाः बता दें, गुरुवार को दोपहर 3 बजे के करीब बच्ची कोचिंग जाने के लिए घर से निकली थी। रास्ते में कुरकुरे लेने के लिए एक दुकान पर रुकी थी। वहां से आगे बढ़ने पर गांव के ही 5 युवकों ने उसे जबरदस्ती उठा लिया और पास के ही डेकोरेटर गोदाम में लेकर गए। मारपीट कर उसे बेहोश कर दिया, फिर सामूहिक दुष्कर्म किया। यही नहीं पीड़िता की आवाज को दबाने के लिए घटनास्थल के पास जेनरेटर और ऑटो चालू कर दिया, ताकि ग्रामीणों तक आवाज नहीं पहुंचे। समय पर बच्ची के घर नहीं पहुंचने पर चिंतित परिजनों ने खोजबीन शुरू की। काफी देर बाद गंभीर हालत में बच्ची डेकोरेटर गोदाम में मिली थी। परिजनों ने इसकी लिखित शिकायत पिपलावां थाने में दी है। गांव के ही 5 युवकों को नामजद अभियुक्त बनाया है, जिसमें से एक की गिरफ्तारी हुई है।

बिहार बोर्ड इंटरमीडियट में एडमिशन की तैयारी शुरू

2 अप्रैल तक दर्ज करा सकते हैं आपत्ति

एजेंसी, पटना।

- OFSS वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है लिस्ट

जिन शिक्षण संस्थानों के प्रधानाध्यापक को समिति द्वारा अपलोड की गई सूची के संबंध में कोई आपत्तियां है वो 2 अप्रैल शाम पांच बजे तक इमेल bsebjsofss@gmail.com पर भेज सकते हैं। दो अप्रैल के बाद किसी भी प्रकार के आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जाएगा। समिति ने कहा कि जारी किए गए शिक्षण संस्थान के तरफ से अगर कोई आपत्ति नहीं आती है, तो समझा जाएगा कि समिति द्वारा जारी विषवार और संकायवार सीटें सही है।

लिस्ट में डिग्री कॉलेज शामिल नहींः समिति से सम्बद्ध शिक्षण संस्थानों के विषयवार और संकायवार सीटों की संख्या से संबंधित पूरी सूची को देखने के लिए वेबसाइट www.ofssbihar.in पर जाकर "College Information" पर क्लिक करना होगा तथा उसके बाद "Intermediate" लिंक पर क्लिक करते हुए पूरी सूची देखी जा सकती है। समिति ने कहा है कि एक अप्रैल से राज्य के डिग्री कॉलेजों में इंटर की पढ़ाई की व्यवस्था समाप्त कर दी गयी है। इस कारण इस सूची में डिग्री कॉलेजों को शामिल नहीं किया गया है।

दिल्ली में कांग्रेस बिहार इलेक्शन स्क्रीनिंग कमिटी की मीटिंग

एजेंसी, पटना।

महागठबंधन में कांग्रेस को काफी किच-किच के बाद 9 सीटें मिली हैं। लोकसभा चुनाव के टिकट बंटवारे में लालू प्रसाद का हस्तक्षेप सबसे अधिक रहा। उन्हीं की चली, लेकिन कांग्रेस अंदर ही अंदर दो फांक दिख रही है। प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह और डॉ. शकील अहमद खान के बीच कांग्रेस बंटी हुई दिख रही है। अखिलेश की नजदीकी लालू प्रसाद से है। डॉ. शकील अहमद खान की ताकत यह है कि उनकी पहल पर कन्हैया कुमार कांग्रेस में शामिल हुए और पप्पू यादव की कांग्रेस में एंट्री के लिए वे ही बिहार से एक्टिव थे। कांग्रेस के अंदर टिकट बंटवारे को लेकर पेंच अब तक फंसा हुआ है। यह पेंच दोनों गुटों के बीच का भी है। अखिलेश और डॉ. शकील अहमद खान में अंतर यह है कि अखिलेश हर तरह की चाल चलने में माहिर हैं, लेकिन डॉ. शकील अहमद सीधी चाल चलते हैं। वो राफ-साफ बोलते भी हैं। कांग्रेस में टिकट बंटवारे को लेकर दो दिन महत्वपूर्ण हैं। आज कांग्रेस बिहार इलेक्शन स्क्रीनिंग कमिटी की मीटिंग है। बिहार से प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह, प्रभारी मोहन प्रकाश, विधायक दल के नेता डॉ. शकील अहमद खान आदि मौजूद रहेंगे। कल रविवार को कांग्रेस इलेक्शन कमिटी की बैठक है।

इलेक्शन कमिटी की बैठक में राहुल गांधी, राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे आदि रहेंगे। शनिवार को इलेक्शन स्क्रीनिंग कमिटी की बैठक में जो तय होगा उसी पर कांग्रेस इलेक्शन कमिटी की बैठक में मुहर लगेगी। कांग्रेस में कटिहार सीट से तारिक अनवर चुनाव लड़ना चाहते हैं। यहां से विधायक दल के नेता डॉ. शकील अहमद खान की इच्छा भी चुनाव लड़ने की है।

मिस्ड कॉल से शुरू हुई बातें...प्यार चढ़ा परवान

4 साल से चल रहा था अफेयर, घर आकर मांग में डाला सिंदूर; अब पति फरार

एजेंसी, पटना।

4 साल पहले फोन पर मिस्ड कॉल से बातचीत शुरुआत हुई। फिर प्यार परवान चढ़ा और 3 महीने पहले शादी हुई। अब पति शादी करने और संबंध बनाने के बाद छोड़ दिया है। जमुई के जावातरी गांव की आरती का कहना है कि जब पति काम पर जाता था तो सास काफी मारपीट करती थी। वहीं, ससुर दहेज को लेकर प्रताड़ित करते थे। सास-ससुर के दबाव के कारण ही पति छोड़कर चला गया है।

25 दिसंबर 2023 को मांग में भरा था सिंदूरः आरती ने बताया कि उसके पति रामसेवक से उसकी बात 4 साल से लगातार हो रही थी। वह लगभग हर महीने अपने गांव सरहन, थाना- पंडारक, पटना से जमुई स्टेशन उससे मिलने भी आता था। उसने आरती से कहा था कि वह उससे शादी करना चाहता है, लेकिन आरती ने साफ मना कर दिया और कहा कि वह अपने माता-पिता के खिलाफ जाकर शादी नहीं करेगी। वहीं, 25 दिसंबर 2023 को जब आरती के माता-पिता उसके भाई-बहन के साथ कहीं बाहर गए थे, तब रामसेवक सिंदूर लेकर घर आया। उसने सीधे कहा कि वह आरती से शादी करना चाहता है और उसके मांग में सिंदूर भर दिया। सिंदूर डालने के बाद रामसेवक ने आरती को अपने घर चलने को कहा लेकिन आरती ने यह कहते हुए इनकार कर दिया कि जब तक उसके माता-पिता नहीं आ जाते तब तक वह नहीं जाएगी। रामसेवक ने भी आरती को अपनी बातों में उलझा लिया और आरती भी उसके प्यार वाले बहकावे में आकर चलने को राजी हो गई। फिर गांव वालों ने दोनों को रंगे हाथों पकड़ लिया और आरती के माता-पिता को वहां बुलाया। वहां दोनों से पूछताछ हुई और वो दोनों एक दूसरे से शादी करने को राजी थी। गांव वालों ने सबके सामने दोनों की फिर से रीति रिवाज से शादी करवाई। रामसेवक को उसके घर फोन करने को कहा गया। रामसेवक के माता-पिता भी मान गए और अपने बहू बेटे को घर आने को कहा। उन्होंने कहां की यहां आने पर बहू-भात करेंगे। जब आरती वहां पहुंची तो ऐसे कुछ भी इंतजाम नहीं थे जो किसी नई नवेली बहू के लिए होते हैं। पर फिर भी वह अपना ससुराल मानकर वहां रहने लगी। 1 महीने तक वह अपने ससुराल में रही। रामसेवक बेगूसराय में माइक्रो फाइनेंस में ड्यूटी करता था, इसलिए वह घर आते जाते रहता था। इस बीच सास-ससुर मारपीट और गाली-गलौज भी करते थे। यहां तक की ससुर रामसेवक की दूसरे शादी के बारे में भी कहते थे, जिसमें उन्हें दहेज भी मिलेगा। आरती के पति रामसेवक मार-पीट पर कुछ बोलता नहीं था, पर आरती को अपनी मौसी के घर बाढ़ लेकर आ गया। उस वक्त मौसी के घर पर कोई नहीं था और रामसेवक के पास पैसे नहीं थे। आरती ने फिर अपनी मां को फोन करके पैसे मंगवाई और रामसेवक ने उन पैसों से घर का राशन लाया। इस बीच रामसेवक की मां ने उसे फोन किया और अपने घर आने को कहा। रामसेवक के घर पहुंचने के बाद ना ही आरती को उसका फोन आया और ना ही कोई सूचना मिली। रामसेवक सहित सभी ससुराल वालों ने अपने फोन नंबर बदल लिए हैं।

दो डेट में हाजिर नहीं हुआ पतिः इस बीच जब लड़के की मौसी घर आए और आरती को घर में अकेले पाया तो उसने रामसेवक के घर फोन किया। तब रामसेवक के पिता ने फोन उठाया और सीधे कहा कि "आरती को वहां से किसी भी तरह से हटा दो। उस लड़की को वहां से भगा दो, वह वापस नहीं आनी चाहिए।" फिर आरती ने अपने माता पिता को फोन किया और अपने घर वापस आ गई।

बिहार में एक बार फिर मौसम बदलने की संभावना

5 जिलों में विभाग ने जारी किया येलो अलर्ट, पटना में भी बूंदाबांदी के आसार

एजेंसी, पटना।

बिहार में एक बार फिर से मौसम बदलने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार पटना सहित प्रदेश के कुछ जिलों में शनिवार को बादल छाए रहने और बारिश की संभावना है। विभाग ने प्रदेश के कई जिलों में वज्रपात को लेकर येलो अलर्ट भी जारी किया है, जिसमें पश्चिमी चंपारण, पूर्वी चंपारण, सीतामढ़ी, अररिया और किशनगंज शामिल हैं। वहीं पटना सहित दक्षिण बिहार के कई जिलों में बूंदाबांदी की भी संभावना है। हालांकि अधिकतम और न्यूनतम तापमान में अगले दो से तीन दिनों तक कुछ खास बदलाव देखने को नहीं मिलेगा।पिछले 24 घंटे के दौरान 37.8 डिग्री सेल्सियस के साथ वैशाली सबसे गर्म जिला रहा।

पटना में आज कैसा रहेगा मौसमः पटना में आज बादल छाए रह सकते हैं। हल्की बूंदाबांदी भी देखने को मिल सकती है। वहीं शुक्रवार की बात करें, तो पटना के अधिकतम और न्यूनतम तापमान में वृद्धि देखने को मिली। अधिकतम तापमान में 1.1 और न्यूनतम तापमान में 1.8 डिग्री सेल्सियस वृद्धि दर्ज की गई। पटना का अधिकतम तापमान 34.2 और न्यूनतम तापमान 23.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

संक्षिप्त समाचार

चौकीदारों को शरारती तत्वों पर निगरानी रखने का निर्देश

फतेहपुर। आसन्न लोकसभा चुनाव में शरारती तत्वों पर कड़ी निगरानी रखने के लिए चौकीदारों को सख्त हिदायत के साथ निर्देश दिया गया है। उन्हें आदर्श आचार संहिता पालन करना भी आवश्यक बताया गया है। फतेहपुर व गुरपा थाना परिसर में चौकीदारों की बैठक में थानाध्यक्ष प्रशांत कुमार सिंह और राजेश पासवान ने यह निर्देश दिया है। थानाध्यक्ष प्रशांत कुमार सिंह और राजेश पासवान ने कहा कि सभी चौकीदार मतदान के पूर्व अपने-अपने सर्किल में बाधा उत्पन्न करने वाले शरारती तत्वों पर कड़ी निगरानी रखेंगे। अपने सर्किल में शराब बिक्री, शराब पीकर उधम करने वाले शरारती तत्वों की जानकारी देने का भी निर्देश दिया गया है। मतदान के लिए अर्द्धसैनिक बलों के ठहराव स्थल के लिए प्रतिनियुक्त अवधि के कार्य के बारे में बताया गया है। उन्होंने ने कहा कि चुनाव के दौरान उपद्रव मचाने के लिए गांवों में असामाजिक तत्वों द्वारा बनाई जा रही योजनाओं की जानकारी जुटाने के लिए चौकीदारों को विशेष जिम्मेवारी दी गई है। उन्होंने कहा कि चुनाव को लेकर तमाम स्तरों पर सुरक्षात्मक कार्रवाई के मद्देनजर फीडबैक लिया जा रहा है।

CUSB की स्थापना में रामानंद शर्मा की अहम भूमिका

गया। बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय संघर्ष समिति के टिकारी अनुमंडल के संयोजक, पूर्व मुखिया, पूर्व जिला परिषद सदस्य रहे रामानंद शर्मा की 12 वीं शहादत दिवस आज मनाया गया। जहां उनके चित्र पर माल्यार्पण के पश्चात उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला गया। बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय संघर्ष समिति के प्रदेश संयोजक प्रोफेसर विजय कुमार मिट्ठु ने कहा 12 वर्ष पूर्व रामानंद शर्मा एवं श्रवण सिंह संघर्ष समिति के द्वारा ही पटना के गांधी मैदान के समीप कारगिल चौक पर आयोजित महा धरना में शामिल होने जाते समय पटना जिला के गौरी चक के समीप जीप एवं ट्रक की सीधी टक्कर में दोनों की मौत हो गई थी। तथा बाल्मीकी प्रसाद, बृजमोहन शर्मा प्रो. मुद्रिका सिंह नायक, तथा श्रीकांत शर्मा घायल हो गए थे। उन्होंने कहा कि टिकारी की ऐतिहासिक धरती पर दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय का निर्माण गया जिला के सभी राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठन, एवं आमजन के संघर्ष का परिणाम है। क्योंकि उस समय जब संघर्ष चरम पर था तो सूबे के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गया के लोगों को कहे थे कि ज्यादा लार न टपकाए, गया जिला में किसी हाल में केंद्रीय विश्वविद्यालय का निर्माण नहीं होगा...लेकिन गया वासियों का संघर्ष, रामानंद शर्मा एवं श्रवण सिंह की शहादत तथा तत्कालीन केंद्र की यूपीए सरकार की दृढ़ इच्छा शक्ति रंग लाया और गया जिला में रक्षा विभाग के 350 एकड़ भूमि में दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना हुई। जो आज बिहार के प्रथम और देश के प्रमुख केन्द्रीय विश्वविद्यालय में एक है।

सड़क हादसे में युवक की मौत

गया। गया पटना मुख्य मार्ग पर स्थित कंडी बाईपास के निकट सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। इस घटना से गुस्साए लोगों ने गया पटना मुख्य मार्ग जाम कर दिया। शव को सड़क पर रख कर उग्र प्रदर्शन करने लगे। टायर जलाए गए। करीब दो घण्टे तक मुख्य मार्ग जाम रहा। घटना की सूचना पर बड़ी संख्या में पहुंची चंदौती पुलिस ने लोगों को समझा बुझा कर शांत कराया। इसके बाद गया पटना मुख्य मार्ग धीरे धीरे सुचारू हो सका। घटना शाम 5 बजे की बताई जा रही है। मृतक कंडी नवादा गांव का रहने वाला था। खास बात यह भी कि इधर शव का पुलिस पंचनामा भरने में जुटी रही और मृतक के परिजन शव का पोस्टमार्टम नहीं कराने की जिद् कर शव को अपने घर लेकर चले गए। घटना स्थल पर मौजूद लोगों ने बताया गया कि रंजीत यादव ट्रैक्टर पर मजदूरी करने के लिए घर से निकला था। शाम के वक्त ट्रैक्टर से वह घर को लौट रहा था। कंडी के पास ट्रैक्टर का चालक अपना संतुलन खो बैठा और ट्रैक्टर पलट गया और उसके नीचे रंजीत दब गया। इससे उसकी घटना स्थल पर ही मौत हो गई। यही नहीं एक मजदूर भी जख्मी हो गया।

मेडिकल बोर्ड की जांच रिपोर्ट तय करेगी आपकी छुट्टी

गया। गया में लोक सभा आम निर्वाचन 2024 के अवसर पर मतदान कार्य से जोड़े गए पदाधिकारियों, कर्मियों द्वारा दिए गए आवेदनों की चिकित्सकीय जांच के आधार पर ही उन्हें चुनाव कार्य से मुक्त कर रखा जा सकेगा। इसके लिए जिला प्रशासन की ओर से मेडिकल बोर्ड गठित किया जा रहा है। 30 मार्च और 31 मार्च को जिला स्कूल में मेडिकल बोर्ड बैठाया जा रहा है। बोर्ड ही तय करेगा कि किसे छुट्टी दी जा सकती है और किसे नहीं। दरअसल लोक सभा आम चुनाव 2024 के दरमियान निर्वाचन कार्य के लिए प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों,कर्मियों, दण्डाधिकारियों, माईक्रो ऑब्जर्वर, पीठासीन पदाधिकारियों, प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय मतदान पदाधिकारी द्वारा चिकित्सा प्रमाण पत्र के आधार पर मतदान कार्य से मुक्त करने का अनुरोध किया गया है। ऐसी स्थिति में उन आवेदनों की जांच मेडिकल बोर्ड द्वारा कराए जाने का निर्णय जिला प्रशासन की ओर से लिया गया है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने पत्र जारी करते हुए असैनिक शल्य चिकित्सक -सह- मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी गया को निर्देश दिया है कि प्राप्त आवेदन के आलोक में मतदान कार्य में प्रतिनियुक्त मतदान पदाधिकारी एवं कर्मियों की चिकित्सा जांच के लिए 30 मार्च एवं 31 मार्च को 10 बजे सुबह से जिला स्कूल स्थित सभा कक्ष में मेडिकल बोर्ड गठित करते हुए चिकित्सीय दल की सूची उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे। मेडिकल बोर्ड द्वारा जांच के बाद जाँच प्रतिवेदन उक्त तिथि को ही संध्या 5 बजे तक कार्मिक कोषांग को उपलब्ध कराने की व्यवस्था भी की जाए। ताकि वास्तविक आवेदकों को चुनाव कार्य से मुक्त करने की कार्रवाई की जा सके।

शराब पीकर लोगों से बदतमीजी करने वाला होगा गिरफ्तार

बीच सड़क कर रहा था अभद्र व्यवहार, वीडियो के आधार पर एसएसपी ने दिए कार्रवाई के आदेश

निज संवाददाता। गया

गया में नशे में धुत्त युवक का वीडियो सामने आया है। वायरल वीडियो में शराबी युवक बाइक सवार लोगों की बाइक रुकवा कर उनके साथ बदतमीजी कर रहा है। एक समुदाय विशेष को भी गालियां दे रहा है। वीडियो के आधार पर एसएसपी आशीष भारती ने मामले की जांच कर दोषी के विरुद्ध कार्रवाई का आदेश चाकन्द थाना पुलिस को दी है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। वायरल वीडियो चाकन्द थाना क्षेत्र के लखनो गांव का है। जो होली के दूसरे दिन का है। नशे में धुत्त होकर लोगों के साथ गाली-गलौज करने वाला युवक छोटू पासवान है। छोटू पासवान नशे में धुत्त होकर रोड पर आने जाने वाले लोगों को न केवल परेशान कर रहा है बल्कि उनके साथ गाली-गलौज भी कर रहा है। एक युवक ने वीडियो बना लिया और वायरल कर दिया। वायरल वीडियो को एसएसपी आशीष भारती ने संज्ञान लिया। हालांकि कुछ लोगों ने उक्त वीडियो पर आपत्ति जताते हुए एसएसपी से शिकायत भी की है। शिकायत में आशंका जताई गई है कि ऐसे लोग माहौल खराब भी कर सकते है।

'महागठबंधन के लोग दिखावा कर रहे'

जीतन राम मांझी ने विपक्ष पर साधा निशाना

निज संवाददाता। गया

गया लोकसभा क्षेत्र से चुनाव मैदान में खम ठोकने वाले एनडीए के प्रत्याशी पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने महागठबन्धन पर तंज कसा है। कहा कि महागठबन्धन की शीट शेयरिंग के मसले पर हम क्या कहें। वे तो दिखावा बेशक जो करें पर सच्चाई यह है कि वे आपस मे लड़ते रहेंगे और बिखरते रहेंगे। यही वजह है कि देश में आज सशक्त विरोधी पार्ट की भूमिका में भी वे नहीं है जबकि उन्हें होना चाहिए था। बावजूद इसके एनडीए नेता बेहतर काम करे हैं। हर मसले को गम्भीरता से लेकर देश निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। यह बातें जीतन राम मांझी ने शहर में एनडीए के चुनावी कार्यालय के उद्घघाटन के दौरान कहीं। एनडीए के चुनाव कार्यालय विसार तालाब शांति घर में खोला गया है। यहीं से चुनाव सम्बन्धी रणनीति तय की जाएगी और गतिविधियां मुकाम तक पहुंचाई जाएगी। इस मौके पर जीतन राम मांझी ने पीएम नरेंद्र मोदी के नाम के जमकर कसीदे पढ़े।

खुल गया एनडीए का चुनाव कार्यालयः कहा कि एनडीए नरेंद्र मोदी के पावन मुद्दे को लेकर आगे बढ़ रहा है। देश लगातार तरक्की कर रहा है। 2014 में भारत तरक्की के दृष्टिकोण आए 12 और 13 वें स्थान पर वह आज 5 वें स्थान पर है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि एनडीए के चुनाव कार्यालय शुक्रवार को खुल गया है। अब हम सभी लोग यहीं से जीत के लिए चुनावी गतिविधियों को मुकाम तक पहुंचाएंगे। इस मौके पर हम पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष टिकारी के विधायक अनिल सिंह भी मौके पर मौजूद रहे।

क्लास में बेहोश हुए शिक्षक, हायर सेंटर रेफर

निज संवाददाता। नालंदा

नालंदा में शनिवार को बच्चों को पढ़ाने के दौरान एक शिक्षक क्लास में अचानक बेहोश होकर गिर गया। आनन-फानन में उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। मामला सरमेरा प्रखंड अंतर्गत आदर्श मध्य विद्यालय का है। शिक्षक मोहम्मद अबुलेश को इलाज के लिए सहकर्मियों ने सरमेरा पीएचसी में भर्ती कराया। जहां से प्राथमिक इलाज के बाद एंबुलेंस से बिहारशरीफ सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया है। परिजन ने बताया कि शिक्षक अबुलेश हर दिन की तरह शनिवार को भी स्कूल गए थे। जहां बच्चों को पढ़ाने के दौरान अचानक से वह क्लासरुम में गिर गए। इसके बाद अफरा-तफरी मच गई। सहकर्मियों द्वारा अस्पताल में लाकर उन्हें भर्ती कराया गया है। सदर अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में कार्यरत डॉक्टर ने बताया कि मेडिकल ट्रीटमेंट के लिए मो.अबुलेश को इमरजेंसी वार्ड में भर्ती रखा गया है। खतरे जैसी कोई बात नहीं है। उनकी स्थिति सामान्य है। वहीं नूरसराय थाना क्षेत्र के मुजफ्फरपुर गांव में शनिवार को स्नान करने तालाब के पास गई एक बुजुर्ग महिला अचानक से डूबने लगी। इसके बाद उसे आसपास के लोगों ने किसी तरह से तालाब से बाहर निकाला और इलाज के लिए नूरसराय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। यहां से प्राथमिक इलाज के बाद बिहारशरीफ सदर अस्पताल भेज दिया गया है। महिला की पहचान वंशी साव की (70) साल की पत्नी पार्वती देवी के रूप में की गई है। घर में बुजुर्ग महिला अकेली रहती थी, बच्चे बाहर रहते हैं।

नहर में डूबने से युवक की मौत, जानवरों को नहाने गया था

निज संवाददाता। गया

गया के चंदौती थाना क्षेत्र में नहर में जानवर धोने गए युवक की डुबकर मौत हो गई। सूचना मिलने के बाद लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने घटना स्थल पहुंची। जिसके बाद युवक की तलाश SDRF की टीम से प्रयास किया जाने लगा। लेकिन काफी प्रयास के बाद युवक का शव बरामद नहीं मिला। फिर स्थानीय गोताखोरों ने शव को पानी से भरे नहर के अंदर से तकरीबन 15 घंटे बाद शव को निकाला जा सका। शव निकल जाने के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। घर की महिलाएं दहाड़ मार कर रो रही थी। शव निकाले जाने के बाद पुलिस टीम ने शव को कब्ज में ले लिया और पोस्टमार्टम के लिए मगध मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल को भेज दिया है। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि डेल्हा थाना क्षेत्र के बड़की डेल्हा राजा कोठी के रहने वाले अरविंद यादव का बेटा अविनाश कुमार गुरुवार की देर शाम से ही लापता था। हालांकि घर से पशु लेकर धोने निकला था। लेकिन जब देर रात तक घर नहीं लौटा तो परिजन काफ़ी परेशान हो गए। परिजनों को जानकारी मिली वह जानवर लेकर धोने के लिए चंदौती थाना क्षेत्र के कुजापी स्थित नहर की ओर गया था। इसके बाद परिजन वहां पहुंचे उसकी तलाश करने लगे, लेकिन रात का अंधेरा होने से कुछ पता नहीं लग रहा था। सुबह से उसकी तलाश की जाने लगी। जिसके बाद उसका शव आज नहर

15 घंटे बाद गोताखोरों ने निकाला शव

से गोताखोरों के माध्यम से निकाला गया है। वही,चंदौती थाना थानाध्यक्ष रणविजय कुमार सिंह कुजापी स्थित ब्रह्मस्थान के समीप रहे नहर में पशु धोने के क्रम में एक युवक की डूबने से मौत हो गई है। शव को निकाला गया है। मृत युवक की पहचान डेल्हा के बड़की डेल्हा के रहने वाले अविनाश कुमार के रूप में की गई है।

दो पक्षों के बीच गोलीबारी, बच्ची हुई घायल

गांव में चल रही गोली छत पर खड़ी मासूम के पैर में लगी, सभी आरोपी गांव छोड़ फरार

निज संवाददाता। नालंदा

नालंदा में शुक्रवार की शाम दो पक्षों में गोलीबारी हुई। गोली लगने से एक बच्ची घायल हो गई। मामला नूरसराय थाना क्षेत्र अंतर्गत हेगनपूरा गांव का है। जख्मी बच्ची अनिल कुमार की (12) वर्षीय पुत्री अंजलि कुमारी है। घायल बच्ची को लेकर परिजन बिहार शरीफ सदर अस्पताल पहुंचे। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। घटना की जानकारी स्थानीय पुलिस को दी गई। परिजन ने बताया कि देर शाम गांव में एक ही जाति के दो पक्षों के बीच गोलीबारी हो रही थी। बच्ची छत पर थी, तभी एक गोली उसके पैर में लगी। वह दर्द से छटपटाने लगी। इसके बाद उसे आनन-फानन में इलाज के लिए सदर अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया।

तीन माह से दोनों पक्षों के बीच विवाद थाः ग्रामीणों का कहना है कि आपसी रंजिश में गांव के ही गुड्डू पासवान और मतंग पासवान के बीच गोलीबारी की घटना हुई है। पिछले तीन महीने से दोनों के बीच वर्चस्व और पूर्व का विवाद था। वहीं नूरसराय थाना अध्यक्ष रजनीश कुमार ने बताया कि पूर्व के विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच गोलीबारी की घटना हुई है। गोली लगने से एक बच्ची जख्मी हो गई है। फिलहाल पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है। घटना के बाद सभी बदमाश गांव छोड़कर फरार हो गए है।

अनियंत्रित ऑटो पलटा, एक की मौत

● पेंटिंग का काम खत्म कर लौट रहे थे घर, हादसे में 6 लोग मामूली रूप से हुए जख्मी

निज संवाददाता। नालंदा

नालंदा में शुक्रवार की शाम सड़क हादसे में एक अधेड़ की मौत हो गई। मामला चण्डी थाना क्षेत्र अंतर्गत चण्डी बाजार स्थित अस्पताल के समीप की है। मृतक की पहचान चण्डी थाना क्षेत्र के हसनी गांव निवासी हरिचरण पासवान के (56) वर्षीय पुत्र लालदेव पासवान के रूप में की गई है। लालदेव पासवान पेंटिंग करने का काम करते थे। वह काम निपटाकर घर लौट रहे थे। इसी बीच सड़क हादसे का शिकार हो गए। मृतक के परिजन ने बताया कि लालदेव पासवान थरथरी से ऑटो पर सवार होकर घर लौट रहे थे। इसी बीच चंडी बाजार स्थित रेफरल अस्पताल के समीप ऑटो अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया। जिसके कारण पहिए के नीचे दबकर लालदेव पासवान गंभीर रूप से जख्मी हो गए। उन्हें इलाज के रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। रास्ते में इलाज के लिए ले जाने के क्रम में उनकी मौत हो गई। ऑटो पर सवार करीब आधा दर्जन लोग मामूली रूप से जख्मी हो गए।

जांच की जा रही हैः मामले में चण्डी थाना अध्यक्ष रविंद्र कुमार ने बताया कि सड़क हादसे में मौत की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया।

नक्सलियों के डर से नहीं बदलेंगे 6 मतदान केंद्र

पुलिस अधिकारियों की बैठक में लिया गया निर्णय, CRPF अधिकारी ने हर संभव मदद का दिलाया भरोसा

निज संवाददाता। गया

लोकसभा चुनाव को शांतिपूर्ण तरीके से निपटाने के लिए शुक्रवार को मगध के विभिन्न जिलों के पुलिस अधिकारियों के बीच बैठक हुई। बैठक में प्राइमरी इन्फॉर्मेशन के आदान-प्रदान का मसला केंद्रित रहा। खासकर नक्सल गतिविधियों और आपराधिक तत्वों की जानकारी शेयर किए जाने और तैयारियों पर चर्चा हुई है। इस बैठक में CRPF के अधिकारी ने भी चुनाव की हर चुनौती को आसानी से हल करने और जिला पुलिस की हर संभव मदद करने की बातें कही। SSP आशीष भारती ने बताया कि पूर्व में सुरक्षा के दृष्टिकोण से डुमरिया प्रखंड अंतर्गत 01. बूथ संख्या-09 प्राथमिक विद्यालय अनवरण, सलैया को औरंगाबाद जिला के ढिबरा तथा 02. बूथ संख्या-04 मध्य विद्यालय, खरदाग 03. बूथ संख्या-13 प्राथमिक विद्यालय, तारचुआ 04. बूथ संख्या-03 मध्य विद्यालय, अम्बावार, 05. बूथ संख्या-247 उत्क्रमित मध्य विद्यालय, जटही (कोठिलवा) एवं बांकेबाजार प्रखंड अंतर्गत 06. बूथ संख्या-340 उत्क्रमित मध्य विद्यालय, नवादा, (मतदान केन्द्र 02 से 06) को गया जिला में ही अन्य जगहों पर स्थित मतदान केन्द्रों में स्थानांतरित किया जाता रहा है, जिसके कारण कई मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग नहीं कर पाते थे। लेकिन इस बार सभी छह बूथ संख्या तय स्थानों पर ही मतदान होंगे। इस बार उन्हें शिफ्ट नहीं किया जाएगा। इन सभी छह बूथों पर मतदान कराने की तैयारी पूरी कर ली गई है। गया पुलिस उक्त मतदान केन्द्रों का मतदान अपने निर्धारित स्थान पर स्थित मतदान केन्द्रों पर करवाने के लिए प्रतिबद्ध है।

दरभंगा, गया...राजगीर से आनंद विहार के लिए स्पेशल गाड़ी

निज संवाददाता। पटना

होली के बाद ट्रेन में यात्रियों की भीड़ को देखते हुए रेलवे ने बड़ा फैसला लिया है। अतिरिक्त होली स्पेशल के फेरों में वृद्धि की गई है। साथ ही दरभंगा, गया और राजगीर से आनंद विहार के लिए होली स्पेशल ट्रेन चलेगी। मुख्य जनसंपर्क अधिकारी वीरेंद्र कुमार ने इसकी पुष्टि की है।

नई दिल्ली/आनंद विहार के लिए स्पेशल ट्रेनः गाड़ी सं. 02365 राजगीर-आनंद विहार सुपरफास्ट स्पेशल- राजगीर से 2 अप्रैल को 20.00 बजे खुलेगी। 22.10 बजे पटना रूकेगी। अगले दिन 15.00 बजे आनंद विहार पहुंचेगी। गाड़ी सं. 03255 पटना-आनंद विहार सुपरफास्ट स्पेशल- पटना जंक्शन से 4 और 7 अप्रैल को 22.20 बजे खुलेगी और अगले दिन 15.00 बजे आनंद विहार पहुंचेगी। अगले दिन 15.00 बजे आनंद विहार पहुंचेगी। गाड़ी सं. 03635 गया-आनंद विहार सुपरफास्ट स्पेशल- 1 से 10 अप्रैल तक (कुल 05 फेरे) प्रत्येक सोमवार, बुधवार एवं शुक्रवार को गया से 14.15 बजे प्रस्थान कर अगले दिन 05.00 बजे आनंद विहार पहुंचेगी। गाड़ी सं. 03227 आरा-आनंद विहार स्पेशल- आरा से 3 और 10 अप्रैल को 15.45 बजे प्रस्थान कर अगले दिन 07.15 बजे आनंद विहार पहुंचेगी।

संक्षिप्त समाचार

अब हमें कोई नहीं रोक सकता..., ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए बांग्लादेश में खोली गई पहली मस्जिद

ढाका , एजेंसी। रमजान के पवित्र माह के दौरान बांग्लादेश के ढाका में ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए एक मस्जिद खोली गई है। ब्रह्मपुत्र नदी के मैमनसिंह के पास सरकार द्वारा दान की गई जमीन पर ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए स्थापित की गई है। समाचार एजेंसी एएफपी के अनुसार, बांग्लादेश के ट्रांसजेंडर समुदाय के सदस्यों ने नई मस्जिद बनाए जाने और उसमें इबादत करने देने के फैसले का स्वागत किया है। ट्रांसजेंडर समुदाय की नेता जोइता टोनू ने फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि अब से कोई भी किसी ट्रांसजेंडर हमारी मस्जिद में प्रार्थना करने से इनकार नहीं कर सकता।

दरअसल, ये मस्जिद सरकार द्वारा दान दी गई जमीन पर बनाई गई है। इस मस्जिद के चारों और दीवार है, जबकि छत टीन की शेड की है। एक ट्रांसजेंडर ने खुशी का इजहार करते हुए कहा कि अब कोई भी हमारा मजाक नहीं उड़ा सकता। 42 वर्षीय सोनिया ने कहा कि मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि मैं अपने जीवन में दोबारा किसी मस्जिद में प्रार्थना कर सकूंगी। सोनिया ने बताया कि उसे बचपन से कुरान पढ़ना पसंद था और वह एक इस्लामी मदरसे में पढ़ती थी। सोनिया ने बताया कि जब लोगों को उसके ट्रांसजेंडर होने के बारे में पता चला तो उसे मस्जिद में प्रार्थना करने से रोक दिया गया। सोनिया ने समाचार एजेंसी एएफपी को बताया कि उनसे लोग कहते थे कि वह ट्रांसजेंडर है, इसलिए वह मस्जिद में नहीं आ सकते। उन्होंने कहा कि ट्रांसजेंडर सिर्फ घर में ही प्रार्थना कर सकते हैं और वह मस्जिदों में न आए हैं। उन्होंने कहा कि यह घटना हमारे लिए शर्मनाक थी, इसलिए हम मस्जिदों में नमाज पढ़ने नहीं गए हैं। उन्होंने कहा कि अब हमारी भी मस्जिद है और हमें इबादत करने से कोई नहीं रोक सकता है। बता दें कि ट्रांसजेंडर समुदाय बांग्लादेश में बढ़ती कानूनी मान्यता के लाभार्थी रहे हैं। साल 2013 में आधिकारिक तौर पर समुदाय के सदस्यों को तीसरे लिंग के रूप में मान्यता दी गई थी।

इजरायल ने सीरिया और लेबनान में किए अब तक के सबसे बड़े हवाई हमले, 36 सैन्यकर्मियों सहित 44 लोगों की मौत

यरुशलम , एजेंसी। गाजा युद्ध के साढ़े पांच महीनों के युद्ध के दौरान शुक्रवार को इजरायल ने सीरिया और लेबनान में सबसे बड़े हवाई हमले किए। सीरिया की राजधानी दमिश्क और अलेप्पो प्रांत में किए हवाई हमलों में 44 लोग मारे गए हैं, जिनमें 36 सैन्यकर्मी हैं। जबकि लेबनान के बाजौरिया इलाके में लेबनानी हिजबुल्लाह का वरिष्ठ कमांडर मारा गया। रूस ने सीरिया पर इजरायली हमलों की निंदा की है और इसे सीरिया की संप्रभुता का उल्लंघन बताया है। कहा कि इस तरह के हमलों का खतरनाक दुष्परिणाम हो सकता है। इजरायली सेना ने कहा है कि हिजबुल्लाह की राकेट और मिसाइल यूनिट का उप प्रमुख अली आबेद अख्सान हवाई हमले में मारा गया है। बताया है कि अली आबेद हिजबुल्लाह के घातक रॉकेटों को संचालित करने का कार्य करता था और वह इजरायली क्षेत्र में हमलों के लिए जिम्मेदार था। इजरायली हमले में छह अन्य लोगों के मारे जाने की भी सूचना है। बीते साढ़े पांच महीनों में हिजबुल्लाह के हमलों में 12 इजरायली सैनिक और छह इजरायली नागरिक मारे जा चुके हैं, जबकि इजरायल के हमलों में हिजबुल्लाह के 270 लड़ाके और 50 नागरिक मारे गए हैं। विदित हो कि हिजबुल्लाह को ईरान का समर्थन प्राप्त है जबकि ईरान सीरिया के जरिये गाजा में हमास के लड़ाकों की मदद करता है। गाजा पट्टी में भी कई स्थानों पर इजरायली विमानों ने बमबारी की। इन हमलों में दर्जनों लोग मारे गए हैं।

चीनी कंपनियों को टक्कर दे रहा है एक जर्मन स्टार्टअप

बर्लिन, एजेंसी। जर्मनी के बाजार में चीन के सस्ते सौर ऊर्जा उत्पादों की भरमार हो गई है. कई जर्मन कंपनियों को काम बंद करना पड़ रहा है. ऐसे में एक जर्मन स्टार्टअप सनमैक्स किस तरह चीनी कंपनियों का मुकाबला कर रहा है?जर्मनी के ड्रेसडेन के पास मौजूद सनमैक्स के कारखाने में जाते ही पहली चीज जो ध्यान खींचती है, वह है इसका छोटा आकार. यह अभी काफी खाली नजर आता है. यहां एक असेंबली लाइन पर काम जारी है, जहां चमकदार सौलर पैनल को कन्वेयर बेल्ट पर और गुणवत्ता जांचने वाली मशीनों से गुजारा जा रहा है. इन पैनल को सिर्फ सामने की तरफ से फिल्माया जा सकता है, जहां सोलर सेल लगी है और ऊपर कांच की परत है. इसके पीछे की तरफ क्या खास है, यह पूरी तरह से छिपाकर रखा गया है. सनमैक्स के सीईओ विल्हेम श्टाइन इस तकनीक के बारे में जानकारी देने में हिचकिचाते हैं. उन्हें चिंता है कि भले ही उन्होंने सनमैक्स की तकनीक को पेटेंट करा लिया है, लेकिन चीनी निर्माताओं को इसकी नकल करने में ज्यादा समय नहीं लगेगा. वे पहले भी ऐसा कर चुके हैं. जर्मनी अपने देश में आयात किए जाने वाले सौर उत्पादों का 90 फीसदी हिस्सा चीन से खरीदता है. चीन सोलर पैनल और उससे जुड़े अन्य उत्पादों, जैसे कि सिलिकॉन, इनगोट, वेफर्स और सेल वगैरह के निर्माण में भी दुनिया में सबसे आगे है. विशेषज्ञ जर्मनी की इस निर्भरता को देश के जलवायु लक्ष्यों के लिए बड़ी कमजोरी के रूप में देखते हैं. इनमें अक्षय स्रोतों से 80 फीसदी बिजली उत्पादन का लक्ष्य शामिल है. फ्राउनहोफर इंस्टिट्यूट फॉर सोलर एनर्जी सिस्टम्स में फोटोवोल्टिक्स डिवीजन के प्रमुख रॉल्फ प्रीउ कहते हैं कि एक वक्त था, जब चीनी सौर उत्पादों की गुणवत्ता काफी खराब थी. अब इनका निर्माण तथाकथित

गीगाफैक्ट्री, यानी बड़े-बड़े कारखानों में होता है और इनकी गुणवत्ता काफी बेहतर हो गई है. चीनी कंपनियां अपने इन उत्पादों को कम कीमतों में बेच रही हैं, जिससे यूरोप के बाजार इनसे भर चुके हैं. प्रीउ ने डीडब्ल्यू को बताया, ये सस्ते चीनी सामान यूरोप के बाजार की कीमतों को बहुत नीचे गिरा रहे हैं.

इस वजह से यूरोप में सौर उत्पाद बनाने वाली लगभग सभी कंपनियां अपना काम बंद करने पर मजबूर हो गई हैं हालांकि, सनमैक्स के श्टाइन को उम्मीद है कि नई तकनीक की वजह से उनकी कंपनी अगले एक-दो साल में अपने प्रतिद्वंद्वियों को पीछे छोड़ देगी. सनमैक्स के सौर पैनल किस तरह अलग हैं? आमतौर पर, सोलर पैनल सूर्य की रोशनी का सिर्फ 20 फीसदी हिस्सा ही बिजली में बदल पाते हैं. बाकी 80 फीसदी ऊर्जा गर्मी के रूप में खत्म हो जाती है. यह गर्मी आसपास के वातावरण में चली जाती है या फिर सोलर पैनल को गर्म करती है. श्टाइन दावा करते हैं कि उनकी तकनीक से सूर्य की रोशनी के 80 फीसदी हिस्से का इस्तेमाल किया जाता है, यानी सूर्य की 80 फीसदी रोशनी ऊर्जा में बदल जाती है. ऐसा इसलिए संभव है क्योंकि ये पैनल बिजली बनाने के साथ-साथ 60 फीसदी ऊर्जा गर्मी के रूप में भी पैदा करते हैं. फोटोवोल्टिक-थर्मल (पीवीटी) सिस्टम के तौर पर सनमैक्स का पैनल न सिर्फ सूर्य की रोशनी को बिजली में परिवर्तित करता है, बल्कि अपनी थर्मल तकनीक की मदद से सौर गर्मी को भी कैप्चर करता है. श्टाइन ने डीडब्ल्यू को बताया, गर्मी को प्रबंधित करने वाली यह थर्मल मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी पहले गाड़ियों में इस्तेमाल होती थी. अब हमने सोलर पैनल के साथ मिलाकर एक खास तकनीक बनाई है. यह तरीका और कहीं नहीं है, सिर्फ हमारे पास है सोलर पैनल इस तकनीक की मदद से सौर ऊर्जा का इस्तेमाल करके बिजली और गर्मी पैदा करता है. इससे इमारतों को बिजली मिलती है और उनके लिए पानी गर्म किया जा सकता है. कंपनी का कहना है कि वह अब अपनी पेटेंट तकनीक के इस्तेमाल को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रही है. मौजूदा समय में सनमैक्स की सालाना उत्पादन क्षमता 50 मेगावाट तक सीमित है. कंपनी अपने मौजूदा कारखाने में इसे बढ़ाकर 500 मेगावाट तक कर सकती है. ऊंट के मुंह में जीरा फ्राउनहोफर इंस्टिट्यूट फॉर सोलर एनर्जी सिस्टम्स के विशेषज्ञों का कहना है कि यूरोपीय सौर कंपनियां चीनी निर्माताओं के साथ प्रतिस्पर्धा करने में तभी सक्षम होंगी, जब वे बड़े पैमाने पर और लागत में कटौती के माध्यम से तीन गीगावाट से अधिक का उत्पादन कर सकें. प्रीउ ने सनमैक्स के पीवीटी सिस्टम को ×स39; दिलचस्प तरीका×स39; बताया, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि यह सौर ऊर्जा बाजार का एक छोटा हिस्सा है. हालांकि, इसमें आगे बढ़ने के बेहतर मौके हैं प्रीउ का मुख्य सवाल यह है कि जर्मनी किस तरह अपने उस पुराने गौरव को वापस पा सकता है, जब वह सौर उद्योग का सबसे बड़ा खिलाड़ी हुआ करता था.

वह बताते हैं, जर्मनी में सौर उद्योग तभी फल-फूल सकता है, जब हम बड़े पैमाने पर उत्पादन केंद्र और आपूर्ति श्रृंखला बना सकें. दुर्भाग्य से यह इस समय फल-फूल नहीं रहा है क्योंकि बड़े पैमाने पर उत्पादन केंद्र नहीं हैं प्रीउ का कहना है कि पैनल और बैटरी के निर्माण के अलावा जर्मन कंपनियों को सोलर वेफर्स के उत्पादन पर भी ध्यान देना चाहिए क्योंकि देश की कंपनियां इसका निर्माण नहीं कर रही हैं।

बलूचिस्तान में भारी बारिश से गिरी घर की छत, पांच खदान श्रमिकों की मौत; पुलिस कर रही जांच

कराची , एजेंसी। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में भारी बारिश के कारण एक घर की छत गिर गई और मलबे में दबने से पांच खदान श्रमिकों की मौत हो गई। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, इस घर को कोयला खदान के लिए बाहर से आए मजदूरों के रहने के लिए बनाया गया था।

मूसलाधार बारिश के कारण कोयला खदान ढह गई: उन्होंने बताया कि मूसलाधार बारिश के कारण कोयला खदान ढह गई और पांच मजदूर मलबे में दब गए और उनकी मौत हो गई। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, मृतकों के शवों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से आवश्यक कार्रवाई के बाद उन्हें उनके मूल क्षेत्रों में भेज दिया गया और वहां उनके परिजनों को सौंप दिया जाएगा।

हरनाई खदान में हुआ था विस्फोट: यह घटना प्रांत के हरनाई में एक खदान के अंदर मीथेन गैस विस्फोट में 12 कोयला खनिकों के मारे जाने के कुछ ही दिन बाद हुई है, जबकि एक अन्य घटना में चार दिन पहले डुक्की में एक खदान से हथियारबंद लोगों ने तीन कोयला खदान श्रमिकों का अपहरण कर लिया था और उन्हें कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा अभी तक बरामद नहीं किया जा सका है।

महिलाओं को सरेआम मारे जाएंगे कोड़े... पत्थर मारकर दी जाएगी मौत, तालिबन प्रमुख ने जारी किया तुगलकी फरमान

काबुल , एजेंसी। अफगानिस्तान की सत्ता पर दोबारा काबिज होने के बाद से ही तालिबन द्वारा महिलाओं पर कड़े प्रतिबंध लगाए गए हैं। एक बार फिर तालिबान द्वारा महिलाओं को लेकर तुगलकी फरमान जारी किया गया है। तालिबान के सर्वोच्च नेता ने महिलाओं के प्रति कड़े कदम उठाने की बात कही है।

हिबतुल्ला अखुंदजादा ने जारी किया संदेश

तालिबान प्रमुख मुल्ला हिबतुल्ला अखुंदजादा ने सरकारी टीवी पर प्रसारित संदेश में कहा है कि जब हम महिलाओं को पत्थर मारकर मार देते हैं तो आप कहते हैं कि यह महिलाओं के अधिकारों का उल्लंघन है।

अफगानिस्तान में व्यभिचार के लिए लागू होगी सजा

हिबतुल्ला अखुंदजादा ने घोषणा की है कि हम जल्द ही व्यभिचार के लिए सजा लागू करेंगे। हम महिलाओं को सरेआम कोड़े मारेंगे और सार्वजनिक रूप से पत्थरों से मार-मार कर उन्हें मार डालेंगे। तालिबान शासन में महिलाओं के अधिकारों के दमन के सवाल पर

अखुंदजादा ने कहा कि ये सब आपके लोकतंत्र के खिलाफ हैं, लेकिन हम ऐसा करना जारी रखेंगे।

हम दोनों कहते हैं कि हम मानवाधिकारों की रक्षा करते हैं। हम इसे भगवान के प्रतिनिधि के रूप में करते हैं और आप शैतान के प्रतिनिधि के रूप में करते हैं।

साल 2021 में हुई थी तालिबान की वापसी

बता दें कि अफगानिस्तान में तालिबान की वापसी साल 2021 में हुई थी। तालिबान ने अफगानिस्तान की सत्ता पर कब्जा कर लिया था। इसके बाद से ही तालिबान द्वारा महिलाओं के खिलाफ कड़े कदम उठाए गए हैं। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार, मई 2023 में 175 लोगों को कठोर नियमों के तहत सजा सुनाई गई है। इनमें 37 लोगों को पत्थर मारने की सजा दी गई थी। फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट में कहा गया है कि यह स्पष्ट नहीं है कि सजा पाने वाले लोगों में से कितनी महिलाएं थी।

पिता आसिफ अली की सीट से निर्विरोध सांसद चुनी गईं आसिफा भुट्टो-जरदारी, जनता के प्रति प्रकट किया आभार

इस्लामाबाद, एजेंसी। पूर्व प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो की सबसे छोटी बेटी और उनकी हमशक्ल आसिफा भुट्टो-जरदारी शुक्रवार को निर्विरोध संसद सदस्य के रूप में चुनी गई हैं। दरअसल, आसिफा ने अगले महीने होने वाले उपचुनाव के लिए सिंध प्रांत के शहीद बेनजीराबाद क्षेत्र से नेशनल असेंबली सीट एनए-207 के लिए नामांकन दाखिल किया था। बता दें, यह सीट उनके पिता आसिफ अली जरदारी के राष्ट्रपति बनने के कारण खाली हुई थी।

इन उम्मीदवारों ने वापस ली दावेदारी: रिटर्निंग कार्यालय ने एक अधिसूचना जारी की, जिसमें कहा गया कि आसिफा के खिलाफ तीन लोगों ने नामांकन दाखिल किया था। हालाकिं, बाद में तीनों उम्मीदवारों- अब्दुल रसूल ब्रोही, अमानुल्लाह और मैराज अहमद ने अपना नाम वापस ले लिया, जिसके बाद आसिफा को सांसद के रूप में निर्विरोध चुन लिया गया।

जनता का किया आभार: संसद के लिए निर्विरोध चुने जाने पर आसिफा ने कहा कि वह

आभारी और सम्मानित महसूस कर रही हैं। एक्स पर ट्वीट करते हुए कहा उन्होंने कहा कि मैं समर्पण के साथ और राजनीतिक संबद्धता की परवाह किए बिना अपने निर्वाचन क्षेत्र की सर्वोत्तम सेवा करने की प्रतिज्ञा करती हूं। बता दें, आसिफा राजनीति और समाजशास्त्र में स्नातक हैं और वैश्विक स्वास्थ्य और विकास में स्नातकोत्तर हैं।

जानें, आसिफा के बारे में : उनके पास राजनीति और समाजशास्त्र में स्नातक की डिग्री और वैश्विक स्वास्थ्य और विकास में स्नातकोत्तर की डिग्री है। आसिफा ने शुरुआत में 2012 में पोलियो उन्मूलन के लिए सद्भावना राजदूत के रूप में काम किया, जिससे उनका चेहरा जनता के बीच परिचित हो गया।

पाकिस्तान की प्रथम महिला भी हैं आसिफा: हाल ही में आसिफ अली जरदारी ने पाकिस्तान के 14वें राष्ट्रपति के तौर पर शपथ ली। इस्लामाबाद में राष्ट्रपति भवन में शपथ ग्रहण समारोह के दौरान जरदारी के साथ आसिफा भुट्टो जरदारी भी थी, जिसे प्रथम महिला या फर्स्ट लेडी नामित किया गया। दरअसल, यह दर्जा राष्ट्रपति की पत्नी को दिया जाता है, लेकिन अपनी पत्नी, पूर्व प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो के 2007 में मौत होने के बाद से ही आसिफ अली जरदारी विधुर हैं।

केन्या में बड़ा आतंकवादी हमला, कम से कम 6 लोगों की मौत

नैरोबी/गरिसा, एजेंसी। केन्या के सीमावर्ती क्षेत्र गरिसा के धोबले शहर में अल-शबाब आतंकवादियों ने शुक्रवार को हमला कर दिया, जिसमें कम से कम छह केन्याई मारे गए। पुलिस और सरकारी अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि केन्या-सोमालिया सीमा के पास गरिसा काउंटी के धोबले शहर में आतंकवादियों के हमले में एक व्यक्ति गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय काउंटी आयुक्त अली मंडुकु ने कहा कि पीड़ित, मेरु क्षेत्र के केन्याई, को सुबह के हमले के दौरान उनके कथित धार्मिक जुड़ाव के कारण निशाना बनाया गया था। मंडुकु ने फोन पर कहा,''मारे गये सभी छह केन्याई हैं जो सीमा रेखा पर व्यापार कर रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा कि उन सभी को नजदीक से गोली मारी गई। अल-शबाब समूह ने केन्या और सोमालिया के बीच सीमा क्षेत्र पर अपना अधिकार जमाना चाह रहा है। वहीं पुलिस ने दर्जनों नियोजित हमलों को विफल करते हुए क्षेत्र में अपना अभियान बढ़ा दिया है।

अमेरिका ने 27 वर्षों के बाद उठाया बड़ा कदम, नस्ल और नस्ल आधारित वर्गीकरण के तरीके बदले

न्यूयार्क, एजेंसी। अमेरिका में 27 वर्षों में ऐसा पहली बार हो रहा है, जब अमेरिकी सरकार नस्ल और नस्ल के आधार पर लोगों के वर्गीकरण के तरीके को बदल रही है। अधिकारियों का कहना है कि इस बदलाव से सटीक जनगणना में मदद मिलेगी।

अमेरिका के प्रबंधन और बजट कार्यालय द्वारा गुरुवार को नस्ल और जातीयता के लिए न्यूनतम श्रेणियों में संशोधन की घोषणा की गई है। यह प्रयास अमेरिका के लोगों को एक समान दर्जा देने की दिशा में उठाया गया कदम है। इस नियम के संशोधित होने से सामाजिक दृष्टिकोण में बदलाव देखने को मिल सकता है। इसके अलावा इसका मकसद यह है कि अलग अलग समाजों में रह रहे लोग संघीय सरकार द्वारा जारी किए गए आंकड़ों में खुद को देख सकें। इसके लिए एक कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया, जिसमें डेटा इक्विटी की वरिष्ठ निदेशक मीता आनंद ने बताया कि इससे लोग भावनात्मक रूप से प्रभावित होंगे और इस तरह हम खुद को एक समाज के रूप में देख पाएंगे।

नियमों में क्या संशोधन हुआ? :चलिए आपको बताते हैं कि नस्ल और नस्ल के आधार पर लोगों को वर्गीकृत करने के नियमों में आखिर क्या संशोधन हुए हैं।

पहले नस्ल और जाति के सवाल फॉर्म से अलग से पूछे जाते थे। अब इन सभी सवालों को एक ही फॉर्म में जोड़ दिया गया है।

अब लोगों से अपनी नस्ल या जाति के बारे में बताने के लिए एक ही सवाल पूछा जाएगा। लोग विकल्प की मदद से सवाल का उत्तर दे सकेंगे। जैसे ब्लैक, अमेरिकन इंडियन, हिस्पैनिक, मध्य पूर्वी या उत्तरी अफ्रीकन।

इसकी जरूरत आखिर क्यों पड़ी?

ऐसा इसलिए क्योंकि हाल ही में एक शोध हुआ था, जिससे पता चला था कि बड़ी संख्या में हिस्पैनिक लोग यह नहीं समझ पाते कि नस्ल के सवाल का जवाब क्या दें। दरअसल अब तक उनसे यह सवाल अलग से पूछा जाता था। इसलिए या तो वह लोग इसका उत्तर ही नहीं देते थे या 'कोई अन्य जाति' का विकल्प चुन लेते थे। अब नए विकल्पों में मध्य पूर्वी और उत्तर अफ्रीकी भी जोड़े जाएंगे। साफ है कि सभी लोगों के पास खुद को पहचानने का विकल्प होगा। ऐसे में जनगणना और भी ज्यादा सटीक हो जाएगी। आपको बता दें कि अमेरिका में यूरोप, एशिया, अफ्रीकी मूल के लोगों को हिस्पैनिक कहा जाता है। ये लोग अमेरिका में जाकर बस गए थे। साल 2020 की जनगणना के अनुसार करीब 35 लाख लोग मध्य पूर्वी और उत्तरी अफ्रीकी के रूप में पहचान रखते हैं।

अन्ना एस्कामानी ने क्या कहा?

ऑरलैंडो की डेमोक्रेट और फ्लोरिडा राज्य प्रतिनिधि अन्ना एस्कामानी का कहना है कि यह देखकर अच्छा लगता है कि मेरा परिवार भी अब सफेद बॉक्स पर निशान लगा सकता है। अब तक हमें नहीं पता था कि दूसरा बॉक्स हमारे परिवार को दर्शाता है। दरअसल अन्ना एस्कामानी के माता-पिता ईरान से हैं और कभी उन्हें भी इस समस्या से जूझना पड़ा था। इसलिए एन्ना भी चाहती थीं कि परिवर्तन हो। उन्होंने कहा ये बदलाव नीग्रो, बहुसंख्यक और अल्पसंख्यक जैसे अपमानजनक कहे जाने वाले शब्दों पर भी प्रहार करेगा।

संक्षिप्त समाचार

26 हजार 642 रुपये हुए राजस्व की वसूली

नारदीगंज। बिजली बिल सुधार व बिजली बिल जमा करने के लिए शिविर शनिवार को आयोजित हुआ। कार्यक्रम का आयोजन नारदीगंज स्थित पावरग्रिड परिसर में किया गया। बिजली विभाग के जेई नवीन कुमार सिंह व बिजली विभाग के कार्यपालक सहायक नेहा कुमारी के देखरेख में शिविर आयोजित हुआ। इस शिविर में प्रखंड के विभिन्न गांवों के 11 बिजली उपभोक्ताओं ने बिजली बिल सुधारने के लिए आवेदन जमा किये। वही 14 उपभोक्ताओं ने बिजली बिल जमा किये। बिजली विभाग के जेई ने बताया आयोजित शिविर में 11 उपभोक्ताओं ने बिजली बिल सुधारने के लिए आवेदन जमा किये थे,जिसमे छह उपभोक्ताओं का बिजली बिल सुधार किया गया, शेष उपभोक्ताओं को हिसुआ में निष्पादित किया जाएगा।उन्होंने कहा 14 उपभोक्ताओं ने 26 हजार 642 रुपये राजस्व जमा किये हैं। इस दौरान जेएलएम बिपिन कुमार ,अनन्त कुमार के अलावा उपभोक्ता श्री सत्यनारायण मिस्त्री, देवंती देवी,शकुन्ती देवी,दिलीप कुमार, जानकी देवी समेत अन्य शामिल हुए।

खाता खुलवाने जा रहे युवक को तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने रौंदा मौत

नवादा। तेज रफ्तार ट्रैक्टर की चपेट में आने से युवक की मौत हो गई। युवक की पहचान खराट गांव के पंकज पासवान का 23 वर्षी पुत्र अमन भारती के रूप में की गई है। बताया जाता है कि मृतक अपनी मां का खाता खुलवाने बैंक जा रहा था। इसी दौरान मड़रा मोड़ के पास तेज रफ्तार बालू लदे ट्रैक्टर ने बाइक में पीछे से धक्का मार दिया जिसमें युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गया। जख्मी हालत में युवक को पकरीबरांवा सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां इलाज के क्रम मौत हो गई। बताया गया कि अमन घर का इकलौता पुत्र था। मौत ने पूरे परिवार में कोहराम मचा दिया। मृतक के मामा ने बताया कि अपनी मां का खाता खुलवाने के लिए बैंक जा रहा था। इसी दौरान तेज रफ्तार बालू लोड ट्रैक्टर की चपेट में आने से मौत हो गई। उन्होंने बताया कि इस रोड में पुलिस की मिलीभगत से अवैध रूप से बड़े पैमाने पर लोग बालू का उठाव करते हैं जिसके कारण इस तरह की घटना घटती है। घर के इकलौते पुत्र की मौत ने पूरे परिवार को सदमे में डाल दिया है। मृतक श एक बहन और एक भाई है। **बेटे को इंजीनियर बनाने का था सपनाः**- स्थानीय लोगों ने बताया कि तेज रफ्तार ट्रैक्टर की चपेट में आने से युवक काफी गंभीर रूप से जख्मी हो गया था। जख्मी हालत में स्थानीय लोग ने मदद किया और युवक को अस्पताल में भर्ती कराया जहां इलाज के क्रम में युवक ने दम तोड़ दिया । मृतक के पिता किसानी का काम करते हैं और अपने पुत्र को इंजीनियर बनाने की कोशिश कर रहे थे। शव को कब्जे में लेकर पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा है।

परीक्षा में छात्रों को क्यों अंक काटे गये अभिभावकों को मिली जानकारी

नारदीगंज। राजकीय बुनियादी विद्यालय नारदीगंज में शनिवार विभागीय आदेशानुसार वर्ग आठवीं व पांचवीं के छात्र-छात्राओं के अभिभावकों को प्रगति पत्रक एवं उनके उत्तर पुस्तिका सौपी गई।प्रभारी प्रधानाध्यापिका पल्लवी लिसा ने इस दौरान अभिभावकों को यह भी बताया कि उनके बच्चों ने किस प्रकार की गलती की है ,कहाँ ? और क्यों? अंक काटे गए हैं, और इसकी सुधार कैसे हो सकती है । प्रभारी प्रधानाध्यापिका ने अभिभावकों को बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए उन्हें उनके घर पर भी अभिभावकों के द्वारा विशेष ध्यान रखने को कहा ।

अंतराज्यीय सीमावर्ती क्षेत्रों में शराब एवं सुरक्षा को लेकर सख्ती बढ़ी

रजौली। नवादा लोकसभा का चुनाव आगामी 19 अप्रैल को होनी है।जिसको लेकर पुलिस-प्रशासन सख्त दिख रहे हैं।चितरकोली स्थित समेकित जांच चौकी पर उत्पाद बलों व मजिस्ट्रेट के साथ-साथ बिहार पुलिस भी झारखंड की ओर से आनेवाली वाहनों की जांच सघन होने से शराब कारोबारी के साथ-साथ शराब पीकर बिहार में प्रवेश करने वाले लोगों की संख्या में काफी कमी आ गई है.जबकि पुलिस एवं उत्पाद बलों द्वारा हरदिया पंचायत के फुलवरिया डैम के जंगली रास्तों,धमनी पंचायत के बुढ़ियासाख,फरका बुजुर्ग,सवैयाटांड़ एवं अन्य पंचायतों के दूर-दराज जंगली क्षेत्रों में लगातार शराब निर्माण, परिवहन,सेवन,बिक्री एवं भंडारण आदि के विरुद्ध लगातार छापेमारी की जा रही है।हालांकि इसके पीछे झारखण्ड के कोडरमा पुलिस-प्रशासन द्वारा बिहार के प्रवेश द्वार पर अस्थाई जांच चौकी का होना भी माना जा रहा है।इसलिए भी लोग पहले की अपेक्षा थोड़ा ज्यादा सतर्क होकर चल रहे हैं।उत्पाद एसआई पिन्टू कुमार ने कहा कि शुक्रवार की शाम से लेकर शनिवार की सुबह तक कुल 12 शराब पीने वाले लोगों को हिरासत में लिया गया है।हिरासत में लिए लोगों में दो लोग नारदीगंज थाना क्षेत्र के मियां बिगहा गांव निवासी अनुज कुमार के पुत्र सोनल कुमार एवं हर्षवर्धन कुमार के पुत्र गौरव कुमार दुबारा शराब पीकर पकड़े गए हैं।जिनके विरुद्ध बिहार उत्पाद अधिनियम के सुसंगत धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज स्वास्थ्य जांचोपरांत न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।वहीं शेष 10 शराब पीने वाले लोगों ने न्यायालय में जुर्माना की राशि जमा कर अपने-अपने गंतव्य स्थान को चले गए हैं।

ग्यारह लीटर शराब के साथ एक गिरफ्तार

नरहट। थाना क्षेत्र के गोवासा मोड़ के पास से स्थानीय पुलिस ने एक हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल पर लदे ग्यारह लीटर देशी शराब के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर उमाशंकर सिंह ने बताया कि अवैध शराब करोबारियों के खिलाफ लगातार छापेमारी की जा रही है। गुप्त सूचना पर शनिवार को गोवासा मोड़ के पास की गई छापेमारी में बाइक पर ले जा रहे ग्यारह लीटर देशी शराब के साथ एक व्यक्ति प्रह्लाद कुमार उम्र 19 वर्ष पिता बीरेंद्र राजवंशी ग्राम सुपाय थाना अकबरपुर को गिरफ्तार किया गया है। बाइक को भी जप्त किया गया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि शराब बरामद मामले में गिरफ़्तार युवक पर शराब बंदी कानून अंतर्गत आवश्यक कार्रवाई करते हुए न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। आपको बताते चलें कि बिहार में पूर्ण शराबबंदी कानून लागू है। फिर भी चोरी छुपे शराब कारोबारी इस धंधे में संलिप्त है। थानाध्यक्ष द्वारा शराब कारोबारी के खिलाफ लगातार छापेमारी कर शराब और कारोबारियों को धर पकड़ की कार्रवाई की जा रही है।

नामांकन पत्रों की की गयी संविक्षा

नवादा। लोक सभा आम निर्वाचन-2024 को लेकर समाहरणालय में जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिला पदाधिकारी श्री आशुतोष कुमार वर्मा के समक्ष 28 मार्च 2024 तक कुल 17 उम्मीदवारों का नाम निर्देशन/नामांकण किया गया था। आज दिनांक 30 मार्च 2024 को सभी नाम निर्देशन पत्रों की विधिवत संवीक्षा की गयी। नाम निर्देशन पत्र की संवीक्षा के उपरांत कुल 08 नाम निर्देशन/नामांकण पत्र सही पाये गए, जिनका नाम निम्नवत हैः- (1) श्रवण कुमार- राष्ट्रीय जनता दल (2) गौतम कुमार बब्लू-भागीदारी पार्टी (पी), (3) गनौरी पंडित- पिपल्स पार्टी ऑफ इंडिया (डेमोक्रेटिक) (4) विवेक ठाकुर-भारतीय जनता पार्टी (5) रंजीत कुमार-बहुजन समाज पार्टी (6) आनन्द कुमार वर्मा- भारत जन जागरण दल (7) विनोद यादव-स्वतंत्र (8) गुंजन कुमार-स्वतंत्र। अभ्यर्थिता वापसी की अंतिम तिथि 2 अप्रैल 2024 (मंगलवार) को है।

शिक्षक अभिवावक मिलन समारोह

भगवानपुर/बेगूसराय। भगवानपुरप्रखंड के मध्य विद्यालय मेहदौली ,पाली डीह, अतरुआ,महेशपुर , चकदुल्लम, मल्हीपुर सहित अन्य प्राथमिक व मध्य विद्यालयों में शनिवार को वर्ग 5 एवं वर्ग 8 की वार्षिक परीक्षा समाप्ति उपरांत शिक्षक अभिभावक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में बच्चों के प्रगति का शेयरिंग किया गया। मिडिल स्कूल प्रखंड कॉलोनी के एचएम मो.रईस उद्दीन ने बताया कि पांचवीं और आठवीं कक्षा के अनुत्तीर्ण छात्र-छात्राओं की परीक्षाफल घोषित होने की तिथि के दो माह के अंदर परीक्षा आयोजित की जायेगी। वार्षिक परीक्षा में ग्रेड ई लाने वाले छात्र-छात्राओं के लिए एक अप्रैल से विशेष कक्षा का संचालन किया जाएगा।मौके पर एचएम अशोक कुमार सिंह, विश्वनाथ साह, अवधेश कुमार, प्रमोद कुमार साह, विवेक कुमार, प्रकाश रंजन राय सहित अभिभावक व बच्चे मौजूद थे।

शो रुम के बाहर बिना रजिस्ट्रेशन एवं नम्बर प्लेट की गाड़ियां निकली तो होगी कार्रवाई

निज संवाददाता। **नवादा**

राज्य में लगी आचार संहिता और कानून-व्यवस्था का पालन के मद्देनजर रखते हुए बिना नंबर प्लेट की गाड़ियों पर सख्ती बरतने का परिवहन सचिव ने दिया निर्देश। जिलों के जिला पदाधिकारी और पुलिस अधीक्षक को दिया गया निर्देश। अपराधी भी बिना नम्बर की गाड़ियों का करते हैं उपयोग। बिना नंबर की गाड़ी शो रुम से निकलने पर संबंधित कंपनी के डीलर पर लगाया जायेगा जुर्माना। संबंधित डीलर का रजिस्ट्रेशन रद्द करने की भी हो सकती है कार्रवाई। वाहनों पर हाई सिक्यूरिटी नंबर प्लेट लगाने की जवाबदेही संबंधित कंपनी एवं डीलर की। परिवहन सचिव श्री संजय कुमार अग्रवाल ने कार्रवाई के लिए सभी डीटीओ और एमवीआई को दिया निर्देश। बिना निबंधन और बिना एचएसआरपी लगाए वाहन शो रुम से निकालने पर संबंधित वाहन मालिक पर भी की जाएगी कार्रवाई। ऐसे वाहनों पर जुर्माना और बिना नम्बर प्लेट के चलने वाले वाहन को किया जाएगा जब्त। चलाया जाएगा विशेष अभियान। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर वाहनों पर एचएसआरपी अनिवार्य। शो रुम के बाहर बिना रजिस्ट्रेशन एवं बिना हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट (एचएसआरपी) की गाड़ियां निकली तो संबंधित वाहन मालिक के साथ डीलर पर भी कार्रवाई की जाएगी। इसके तहत वाहन कंपनी के डीलर से जुर्माना और रजिस्ट्रेशन निलंबित करने की भी कार्रवाई की जा सकती है। इस संबंध में परिवहन सचिव श्री संजय कुमार अग्रवाल ने सभी जिलों के जिला पदाधिकारी और पुलिस अधीक्षक को राज्य में लगी आचार संहिता और कानून-व्यवस्था का पालन के मद्देनजर बिना नंबर प्लेट की गाड़ियों पर सख्ती बरतने का निर्देश दिया है। अपराधी भी करते हैं बिना नंबर की गाड़ियों का उपयोग वाहन पर नंबर नहीं लगे होने की वजह से सड़क दुर्घटना, चोरी या अन्य घटना होने पर वाहन मालिक का सही से पता नहीं लग पाता है। शो रुम से बिना नंबर की गाड़ी निकलने की वजह से आए दिन अपराधी चोरी और अन्य अपराध की घटनाओं को भी अंजाम देते हैं। अभियान चला बिना नंबर की गाड़ियों पर की जाएगी कार्रवाई सड़कों पर बिना नम्बर की चलने वाली गाड़ियों पर विशेष अभियान चलाया जाएगा। अभियान के दौरान बिना नंबर प्लेट की गाड़ियां पकड़े जाने पर जुर्माना लगाया जाएगा एवं वाहनों को जब्त करने की कार्रवाई की जाएगी। साथ ही बिना लगे वाहन को बेचने वाले डीलर के विरुद्ध भी कार्रवाई की जाएगी। इस संबंध में सभी जिलों के जिला परिवहन पदाधिकारी एवं एमवीआई को कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। साथ ही डीटीओ और एमवीआई को यह सुनिश्चित कराने को कहा है कि किसी भी परिस्थिति में बिना नंबर की गाड़ियां शो रुम से बाहर सड़क पर नहीं निकले। निबंधन और नम्बर प्लेट लगाने के बाद ही वाहन की करें डिलीवरी परिवहन सचिव श्री संजय कुमार अग्रवाल ने बताया कि ऐसा देखा जा रहा है कि कुछ डीलरों द्वारा बिना निबंधन और बिना एचएसआरपी प्लेट लगाए वाहन की डिलीवरी दी जा रही है। ऐसा किया जाना मोटरवाहन अधिनियम का उल्लंघन है। वाहन का निबंधन और एचएसआरपी प्लेट लगाने के बाद ही डीलर वाहन की डिलीवरी दें। इस संबंध में प्रावधान स्पष्ट है की वाहन विक्रेता अर्थात डीलर के द्वारा ही वाहन की डिलीवरी के समय एचएसआरपी एवं नंबर प्लेट सहित वाहन की सप्लाई खरीदार को की जाए। बिना रजिस्ट्रेशन व नंबर प्लेट वाहन की न लें डिलीवरी परिवहन सचिव ने लोगों से भी अपील की है कि बिना नंबर प्लेट लगे गाड़ी की डिलीवरी ना लें अन्यथा वाहन जब्त किया जा सकता है।

क्या है नियम- मोटर अधिनियम 2019 की धारा 41 की उपधारा 6 में प्रावधान है कि जिस गाड़ी के रजिस्ट्रेशन के लिए आवेदन किया गया है तो डीलर वह वाहन स्वामी को तब तक नहीं दे सकता है, जब तक उस पर हाई सिक्यूरिटी नंबर प्लेट और नंबर नहीं हो। ऐसा नहीं होने पर डीलर पर 192 बी के तहत जुर्माना लगेगा। वहीं धारा 192 के तहत वाहन मालिक पर कार्रवाई की जाएगी।

गाय में लम्पी रोग से बचाव को लेकर जागरूकता सह टीकाकरण कार्यक्रम की शुरुआत

निज संवाददाता। **कौआकोल**

पशुपालन विभाग के निर्देश पर मवेशियों में खासकर गायों में लम्पी त्वचा रोग से बचाव को लेकर जागरूकता सह टीकाकरण कार्यक्रम की शुरुआत शनिवार को की गई। इसकी जानकारी देते हुए भ्रमणशील पशु चिकित्सा पदाधिकारी डॉ० हरिशंकर शरण ने बताया कि पशुपालन विभाग के निर्देश पर व जिला पशुपालन पदाधिकारी की देखरेख में गायों में खतरनाक बीमारी लंबी त्वचा रोग से बचाव को लेकर प्रखण्ड में जागरूकता सह टीकाकरण कार्यक्रम 15 दिनों तक चलाया जाएगा। जिसके तहत टीकाकरण कर्मी घर घर जाकर पशुपालकों को लम्पी त्वचा रोग से बचाव को लेकर जागरूक करेंगे एवं गायों को टीकाकरण करेंगे।

उन्होंने बताया कि इस बीमारी में पशुओं के त्वचा पर गांठ हो जाता है जो संक्रमण के द्वारा हवा पानी एवं लार से फैलने लगती है। मौके पर पशु चिकित्सक डॉ० राकेश रंजन, टीकाकरण कर्मी संतोष कुमार, मनोज कुमार, मिथिलेश कुमार आदि मौजूद थे।

मूल्यांकन प्रपत्र का किया गया वितरणः बी ई ओ

निज संवाददाता। **छौराही बेगूसराय**

प्रखंड क्षेत्र के पांचवी कक्षा एवं आठवीं कक्षा के छात्र-छात्राओं को विद्यालय में एकत्रित कर मूल्यांकन प्रपत्र दिया गया है। उक्त बातों की जानकारी देते प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी मोहम्मद नौशाद अहमद ने बताया कि प्रखंड क्षेत्र के उर्दू उत्क्रमित मध्य विद्यालय बकारी परिसर में पांचवी कक्षा एवं आठवीं कक्षा के छात्र-छात्राओं को अभिभावक के समक्ष मूल्यांकन प्रपत्र का वितरण किया गया। उन्होंने बताया कि प्रखंड क्षेत्र के सभी पंचायत में अपने-अपने पंचायत के उच्च विद्यालय में नामांकन की प्राथमिकता पंचायत में रहने वाले अस्थाई निवासी छात्र-छात्राओं को मिलेगी। जगह रिक्त रहने पर अन्य पंचायत के छात्र-छात्राओं की नामांकन किया जाएगा। मौके पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक शमशेर पूर्व प्रधानाध्यापक सरफराज आलम समेत अन्य विद्यालय के शिक्षक शिक्षिका मौजूद थे।

साहेब पुर कमाल थाना अंतर्गत पंचवीर की लड़की ने मुसफ्फिल थाना अंतर्गत सुजा गांव में अंतरजातीय विवाह भाग कर कर लेने का मामला प्रकाश में आया है!

निज संवाददाता। **बेगूसराय**

बेगूसराय जिला अंतर्गत पंचवीर में हाल ही में एक अंतरजातीय विवाह का मामला देखने को मिल रहा है रिपोर्ट के अनुसार साहेब पुर कमाल थाना कांड संख्या 54/24 में पंचवीर निवासी राजगीर पासवान ने बताया कि उनकी पुत्री इंटरमीडिएट की परीक्षा 10.2.2024 को देने बेगूसराय गई थी ! बेगूसराय से परीक्षा देने के बाद वह घर पर आई और घर से 7:00 बजे शाम को उसी दिन लापता हो गई !परिजनों ने पूरा पहल अपने स्तर से खोजबीन करने का प्रयास किया अंततः वह लड़की नहीं मिल पाई; इसके बाद उसने साहेब पुर कमाल थाना कांड संख्या 54/24 में केश दर्ज करवाया। केश दर्ज में यह बताया गया है कि लड़का सुजा गांव निवासी जो मुफस्सिल थाना अंतर्गत पड़ता है लड़का का नाम बिरजू महतो पेशर विनोद महतो सूजा गांधी ग्राम वार्ड नंबर 8 बताया जा रहा है। बिरजू महतो फेसबुक सोशल मीडिया के माध्यम से लड़की सहित अपना फोटो वायरल करके शादी का झांसा दिया है। पीड़ित परिवार अनहोनी होने की आशंका से थाना में एफआईआर दर्ज करवाया और पीड़ित परिजन ने बताया कि हो सकता है मेरे पुत्री के साथ अनहोनी ना हो जाए इसलिए हमने एफ. आई आर दर्ज की है अगर शादी का मामला उजागर होता है तो मेरे सामने कर दिया जाए हम सुरक्षा से उसे शादी कर देंगे। और हम मुक्त हो जाएंगे मीडिया संवाददाता के माध्यम से साहेब पुर कमाल थाना प्रशासन से बात की गई तो उन्होंने बताया कि इस पर खोजबीन की जा रही है जल्द ही इस मामले का उद्भेदन किया जाएगा। उपर्युक्त मामले में लड़की के परिजन ने थाना प्रशासन में कार्रवाई में बिलंब होने के वजह से उन्होंने एसपी कार्यालय बेगूसराय से भी संपर्क किया और उन्होंने आवेदन देते हुए इस पर अभिलंब कार्रवाई की मांग की है।

शिक्षक एवम अभिवावक सगोष्टी का आयोजन

निज संवाददाता। **मंझौल बेगूसराय**

शनिवार को उत्क्रमित मध्य विद्यालय कैलाशपुर में शिक्षक और अभिभावक गोष्ठी का आयोजन कर वार्षिक मूल्यांकन का परिणाम घोषित किया गया । बच्चों को प्राप्त ग्रेड के साथ प्रगति पत्रक उपलब्ध कराया गया स्कूलों में मूल्यांकन के बाद सीआरसी स्तर पर उत्तर पुस्तिका की जांच की गई थी। रिपोर्ट कार्ड पाकर छात्र/छात्रा खुशी से झूम उठे वहीं वर्ग 1 से 8 के छात्राओं के वार्षिक मूल्यांकन में 12 बिंदुओं पर कार्य भी किया गया था वर्ग में सक्रियता, साफ सफाई ,गीत गाना, चित्र बनाना ,नेतृत्व क्षमता , सृजनात्मक ,प्रश्न पूछना अभिव्यक्ति खेलकूद में सहभागिता इत्यादि शामिल है विद्यालय के प्रधानाध्यापक श्री कृष्ण दास ने बताया कि इस प्रकार के आयोजन से विद्यालय में बेहतरीन माहौल बनती है उन्होंने सभी बच्चों को धन्यवाद दिए शिक्षक उपेन्द्र चौधरी ने बताया की इस प्रकार के आयोजन करने से बच्चों की बौद्धिक क्षमता का विकास होता है मूल्यांकन कार्य विशिष्ट उद्देश्यों के लिए किया जाता है मूल्यांकन द्वारा शिक्षकों एवं बच्चों का फीडबैक प्राप्त होता है यह कक्षा उन्नति का भी आधारभूत होता है विश्व में निश्चित समय उपरांत बच्चों की प्रगति जानने हेतु बच्चों के व्यवहार के पता लगाया जाता है। इस आयोजन में वर्ग पांच के कुल 126 एवं वर्ग 8 के 104 बच्चों को रिपोर्ट कर वितरण किया गया जिनमें पूजा कुमारी, अभिषेक कुमार, गिनती कुमारी, अंकित कुमार, नितीश कुमार, रूपम कुमारी ,सजनी कुमारी ,वर्षा कुमारी ,विष्णु कुमार, वैष्णवी कुमारी, प्रेम कुमार , सिंकेश कुमार ,निशा कुमारी, ज्योति कुमारी ,जसवंत कुमार, शिवम कुमार ,आयुषी कुमारी, सहित सभी बच्चे उपस्थित हुए मूल्यांकन कार्य में विद्यालय के शिक्षक मृत्युंजय कुमार ,प्रिया रंजन कुमार ,प्रेम कुमार, राज किशोर कुमार, सज्जन कुमार शर्मा ,राजहंस कुमार ,दिनेश कुमार, अभय शंकर आर्य ,अमिता कुमारी, कामिनी कुमारी, इंदु कुमारी ,लता कुमारी सहित आदि भाग लिए ।

मारपीट में महिला घयलकेश हुआ दर्ज

निज संवाददाता। **बरौनी/ बेगूसराय**

बरौनी थाना क्षेत्र अन्तर्गत पिपरा देवस बाबा स्थान में मारपीट के मामले में एक पक्ष द्वारा मामला दर्ज कराये जाने के बाद दूसरे पक्ष की ओर से भी बाबा स्थान वार्ड-7 निवासी स्व हरेराम यादव के पुत्र गणेश यादव द्वारा बरौनी थाना कांड संख्या-137/24 के तहत मारपीट का मामला दर्ज कराया गया है.उन्होंने आवेदन में अपने ग्रामीण अशोक यादव की पत्नी हीरा देवी, विरेन्द्र यादव के पुत्र विकास कुमार एवं विशाल कुमार तथा अशोक यादव के पुत्र गोलू कुमार पर गाली-गलौज करते हुए मार-पीट करने का नामजद प्राथमिकी दर्ज कराया है.

वहीं इस संबंध में जानकारी देते हुए बरौनी थानाध्यक्ष रजनीश कुमार ने बताया कि मामला दर्ज कर अग्रेत्तर कार्रवाई की जा रही है.।

31 मार्च को राष्ट्रीय सीनियर पुरुष हैंडबॉल प्रतियोगिता का उद्घाटन महामहिम राज्यपाल जी करेंगे

निज संवाददाता। **बेगुसराय**

52वें सीनियर मेन्स राष्ट्रीय हैंडबॉल प्रतियोगिता के उद्घाटन के लिए दिनांक 31 मार्च 2024 रविवार को संध्या 4 बजे बेगूसराय आ रहे हैं राज्यपाल महोदय।ज्ञात हो कि 31 मार्च से 4 अप्रैल तक हैंडबॉल की राष्ट्रीय प्रतियोगिता की तैयारियां विगत 15 दिनों से जोर शोर से चल रही है। मीडिया प्रभारी सुमित कुमार ने बताया कि बिहार के महामहिम राज्यपाल श्री राजेन्द्र आर्लेकर जी को आयोजन समिति की तरफ से इस कार्यक्रम के उद्घाटन के लिए आग्रह किया गया था, जिस पर राजभवन से सहमति प्रदान की गई है। आयोजन की सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं और प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रतिभागी टीमों का आना शुरू हो गया है। अहले सुबह से देश के विभिन्न राज्यों की टीमें बरौनी एवं बेगूसराय रेलवे स्टेशनों पर आ रही है, जिनका स्टेशन पर ही माला पहनाकर एवं बुके देकर स्वागत किया जा रहा है और फिर उन्हें गाड़ियों में बिठाकर आयोजन स्थल पर लाया जा रहा है। अभी तक आसाम, छत्तीसगढ़, केरला, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, गुजरात, जम्मू कश्मीर, उड़ीसा, पोंडिचेरी आदि टीमें आ चुकी हैं।

आयोजन की पूर्व संध्या में आयोजन समिति द्वारा ट्रॉफी का भी अनावरण किया गया। अनावरण कार्यक्रम में बिहार हैंडबॉल एसोसिएशन के महासचिव ब्रजकिशोर शर्मा, महंत प्रणव भारती, सौरभ सिप्पी, पल्लव कुमार, प्रशांत कुमार, सुमन सौरभ, फंटूश, कुणाल आदि उपस्थित थे।

बछवाड़ा पुलिस ने छापेमारी कर अलग अलग मामलो के चार आरोपी को किया गिरफतार, भेजा जेल

निज संवाददाता। **बछवाड़ा(बेगूसराय)**

बछवाड़ा थाना क्षेत्र के विभिन्न गांव में छापेमारी कर बछवाड़ा थाना कि पुलिस ने शुक्रवार की रात विभिन्न मामलों के चार आरोपी को गिरफ्तार कर लिया । मामले को लेकर थानाध्यक्ष अमित कुमार कांत ने बताया कि रानी एक पंचायत के नारेपुर पश्चिम गांव निवासी अर्जुन यादव के पुत्र दिलीप यादव व विपुल यादव, रानी दो पंचायत के बेगमसराय गांव निवासी जालिम सहनी के पुत्र उत्तम सहनी व रानी दो पंचायत के शिबुटोल गांव निवासी दयानंद साह के पुत्र प्रदीप साह को गिरफ्तार किया गया है । गिरफ्तार चारों अभियुक्त बछवाड़ा थाना का नामजद प्राथमिकी अभियुक्त है । उन्होंने बताया कि दिलीप यादव विपुल यादव के साथ मारपीट करने का मामला दर्ज है । वही बेगमसराय गांव निवासी उत्तम सहनी और शिबूटोल गांव निवासी प्रदीप साह के विरुद्ध बछवाड़ा थाना में अवैध शराब कारोबार में संलिप्त रहने को लेकर बिहार शराबबंदी व मध निषेध अधिनियम उल्लंघन मामले के तहत प्राथमिकी दर्ज है । न्यायालय से फरार रहने के कारण सभी आरोपी को गिरफ्तार किया गया है । उन्होंने बताया कि गिरफ्तार चारों अभियुक्त को पूछताछ के उपरांत न्यायिक हिरासत बेगूसराय भेज दिया गया है ।

एकदिवसीय कबीर पंथ संत सम्मेलन

निज संवाददाता। **दलसिंहसराय समस्तीपुर**

दलसिंहसराय प्रखंड के बुलाकीपुर पंचायत के वार्ड नं नौ में एक दिवसीय कबीर पंथ संत सम्मेलन आयोजित किया गया। जिसकी अध्यक्षता अगुआ छोटे लाल दास ने किया। उद्घाटन सकरा, दलसिंहसराय के महंथ राम विलास दास ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया तथा संबोधित करते हुए कहा कि अगर हस्ती जिन्दा है तो मस्ती जिन्दा है वरना सारी दुनिया जबरदस्ती जिन्दा है। मुख्य अतिथि डा० राजकुमार आजाद ने संबोधित करते हुए कहा कि जिस घर में संत या पतिव्रता का पैर पड़ जाता है,वह घर स्वर्ग बन जाता है। संत या पतिव्रता स्त्री के चरण छुने से बांझ को पुत्र, निर्धन को धन, रोगी को निर्मल काया प्राप्त होता है। मुख्य वक्ता महावीर हास्पीटल , दलसिंहसराय के डा० सत्येन्द्र कुमार साहेब। विशिष्ट अतिथिगण महात्मा सूरज दास, राम प्रकाश दास, राम सेवक दास, रामफल दास,डा० सिकंदर दास,रामवली दास,डा० दिनेश दास आदि संतों महंथो ने अपने प्रवचन एवं भजन से अध्यात्मिक माहौल उत्पन्न कर दिया। वैरागी रामनंदन दास ने सभी अतिथियों को पुष्पों की माला पहनाकर तथा चादर ओढ़ाकर सम्मानित किया तथा सभी अतिथियों तथा श्रोताओं को स्वादिष्ट पूर्ण भंडारा करवाकर कर सम्मानपूर्वक विदा किया।

विचार-मंथन

संपादकीय

जेल से सरकार

कथित शराब घोटाले में गिरफ्तार दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने स्थापित परंपरा से अलग जाते हुए जेल से सरकार चलाने का जो फैसला किया है, उसने एक नए विवाद और नए विमर्श को जन्म दिया है। विवाद इसलिए कि पूर्व में जब भी ऐसी परिस्थिति पैदा हुई, तो संबंधित मुख्यमंत्री ने हिरासत में लिए जाने से पहले अपना त्यागपत्र सौंप दिया। उन मुख्यमंत्रियों के इस्तीफे राजनीतिक शुचिता और सांविधानिक गरिमा की रक्षा के नैतिक दबाव से प्रेरित रहे। मगर, केजरीवाल के रुख ने विरोधियों को उन पर हमले का मौका मुहैया करा दिया है। उनका आरोप है कि मुख्यमंत्री पूछताछ के लिए ईडी की हिरासत में हैं, तो उनके पास लेखन सामग्री कहां से आई कि वह अपने मंत्रियों को निर्देश जारी कर रहे हैं? अब उन्होंने इस मामले की जांच कराने की मांग कर डाली है। बुधवार को भी सीएम केजरीवाल को कोर्ट से राहत नहीं मिली थी। जाहिर है, आम चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, केजरीवाल और उनकी पार्टी के मौजूदा रुख के पीछे जहां दिल्ली व देश के मतदाताओं तक यह पैगाम पहुंचाना है कि सलाखों के पीछे भी आपके हितों के लिए मुख्यमंत्री सक्रिय हैं, तो वहीं भाजपा व एनडीए का पूरा प्रयास उनके इस कदम को अनैतिक ठहराने का है। राजनीतिक आरोपों-प्रत्यारोपों से परे इस प्रकरण ने देश और समाज के आगे विमर्श का एक गंभीर मुद्दा पेश किया है, क्योंकि संविधान इस संदर्भ में मौन है। संविधान यही कहता है कि मंत्रियों की एक परिषद होगी, जो शासन संबंधी फैसले लिया करेगी और मंत्रिपरिषद का मुखिया मुख्यमंत्री होगा। मंत्रिपरिषद की बैठक की सदारत के लिए मुख्यमंत्री की उपस्थिति की भी बाध्यता नहीं है, काबीना का वरिष्ठतम मंत्री यह दायित्व निभा सकता है। ऐसे में, सरकार के दैनंदिन कार्यों में फौरी तौर पर कोई खास व्यवधान नहीं आने वाला। फिर जेल मैनुअल भी विचाराधीन कैदियों को सप्ताह में एक दिन मुलाकात का मौका देता है और यह भी प्रावधान है कि सभी कैदी पंद्रह दिनों में एक बार अपने रिश्तेदारों, साथियों, कानूनी सलाहकारों को पत्र लिख सकते हैं। ऐसे में, यह सवाल स्वाभाविक है कि यदि यह मामला लंबा खिंचता है।

ये गर्मी कुछ कहती है

बढ़ती गर्मी आम आदमी के लिए एक सामान्य खबर हो सकती है, लेकिन इसको सामान्य दृष्टिकोण से देखना आने वाले बड़े खतरों की तरफ से मुंह मोड़ने जैसा है। वर्ल्ड मीटिअरलॉजिकल ऑर्गनाइजेशन के आंकड़े इस बात के गवाह हैं कि पिछले 10 सालों में धरती का तापमान औसत से ज्यादा ही रहा है। 2024 में तापमान के और ज्यादा बढ़ने की आशंका है। इसका असर धरती के समूचे मौसम चक्र और कालांतर में मनुष्य के जीवन चक्र पर पड़ेगा और सब कुछ उलट-पलट कर रख देगा। इसके चलते कहीं बेमौसम बारिश और कहीं भयानक गर्मी पड़ने की आशंका है। दुनिया विकास के नाम पर संसाधनों का दोहन करते हुए जिस तरह आगे बढ़ रही है, अंदेशा है कि सन 2050 तक दुनिया का तापमान डेढ़ डिग्री सेल्सियस बढ़ जाएगा। इसके बाद अगले पचास सालों में दुनिया का तापमान दो से चार डिग्री सेल्सियस बढ़ सकता है। आंकड़ों से यह पता चलता है कि औद्योगिकीकरण से पहले के काल की तुलना में 2023 में धरती का औसत तापमान 1.45 डिग्री सेल्सियस बढ़ गया है।सर्वाधिक चिंता की बात यह है कि मौसम खुद को जितनी तेजी से बदल रहा है, हम मनुष्य उतनी तेजी से अपना व्यवहार और बर्ताव नहीं बदल पा रहे। शायद हम मनुष्य इस बात को नहीं समझ पा रहे कि मौसम हमारे द्वारा बनाई गई सीमाओं को नहीं मानता। मौसम का संकेत मौसम की चेतावनी पूरी धरती के लिए, अर्थात इस धरती पर रहने वाले, पलने वाले, फलने-फूलने वाले, हर चल-अचल के लिए है। इसलिए पर्यावरण के बारे में वर्ल्ड लीडरों की भाषणबाजी से ज्यादा प्रत्यक्ष रूप से अपने आचरण में ठोस बदलाव की जरूरत है। इस बात को गंभीरतापूर्वक समझना होगा कि अगर मौसम के बदलने की रफ्तार तेज है तो हमें भी अपने कार्बन उत्सर्जन के मानकों और उद्देश्यों को तेजी से नए सिरे से निर्धारित करना होगा। न सिर्फ कार्बन उत्सर्जन, बल्कि मीथेन और नाइट्रेड ऑक्साइड भी नई चुनौती है। चीन के बाद भारत ही सबसे ज्यादा मीथेन का उत्सर्जन करता है। इसकी बड़ी वजह हमारा पशुधन है। पशुधन को बचाते हुए मीथेन को नियंत्रित करना होगा। विकास और पर्यावरण में संतुलन जैसी बाज़ारवादी संकल्पनाओं को कुछ समय के लिए विराम देना होगा।

चुनाव में भाषा का संयम एवं वचनों की मर्यादा जरूरी

यह वक्त मतदाता के जागने एवं विवेक से मतदान करने का भी है। वह अच्छे-बुरे का फर्क करके तार्किक आधार पर अपने बेशकीमती मत का उपयोग करे। विडंबना ही है कि अमृतकाल से गुजरते देश में मतदाताओं का एक बड़ा वर्ग विष और अमृत के भेद को पूरी तरह महसूस नहीं कर पाया है। नेताओं के गलत, बेबुनियाद एवं तथ्यहीन बयानों कर सत्यता को जाने बिना उन पर विश्वास कर मतदाता लोकतंत्र को कमजोर करता है।

(ललित गर्ग)

मतदाताओं को आकर्षित एवं अपने पक्ष में करने के फेर में राजनीति को रसातल में धकेलने की मानो होड़ मची हुई है। क्षणिक रोमांच एवं तत्काल चुनावी लाभ के लिए मर्यादा को तार-तार करने वाले इन नेताओं को आत्म-चिंतन की सख्त जरूरत है। लोकसभा चुनावों जैसे-जैसे नजदीक आते जा रहे हैं, कई नेताओं की जुबान फिसलती जा रही है, वे राजनीति से इतर नेताओं की निजी ज़िंदगियों में तांक-झांक वाले, धार्मिक भावनाओं को भड़काने वाले ऐसे बोल बोल रहे हैं, जो न सिर्फ़ आपत्तिजनक हैं, बल्कि राष्ट्र-तोड़क है। चुनावी रैलियों में जनता के सामने अपने प्रतिद्वंद्वी को नीचा दिखाने के मकसद से ये नेता मर्यादा, शालीनता और नैतिकता की रेखाएं पार करते नज़र आए हैं। गलत का विरोध खुलकर हो, राष्ट्र-निर्माण के लिये अपनी बात कही जाये, अपने चुनावी मुद्दों को भी प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया जाये, लेकिन गलत, उच्छृंखल एवं अनुशासनहीन बयानों की राजनीति से बचना चाहिए। बड़ा सवाल है कि एक ऊर्जावान एवं दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में क्या वाकई अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल औचित्यपूर्ण है? चुनाव की तारीख तय होने एवं चुनावी पारा बढ़ने के बाद नेताओं के बयानों में तीखापन एवं हल्कापन आ गया है। एक तरफ गर्मी चुभन का अहसास करा रही है, तो दूसरी तरफ राजनीतिक हलकों में भाषायी अभद्रता एवं उच्छृंखलता घाव पर नमक छिड़क रही है। नेताओं को यह बात समझनी चाहिए कि सही तरीके से बोले गए शब्दों में लोगों को जोड़ने की ताकत होती है, जबकि गलत भाषा एवं बोल का इस्तेमाल राजनीतिक धरातल को कमजोर करता है। नेताओं के बयान शालीनता एवं मर्यादा की सारी सीमाएं लांघ रही है। राहुल गांधी की 'शक्ति के खिलाफ लड़ाई' संबंधी टिप्पणी 'शक्ति से जुड़े धार्मिक मूल्यों का अपमान करने और कुछ धार्मिक समुदाय' के तुष्टीकरण के लिए धर्मों के बीच शत्रुता पैदा करने के 'दुर्भावनापूर्ण इरादे' को दर्शाती है। प्रारंभ में लालूप्रसाद यादव का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर परिवार विषयक आरोप भाजपा के लिये रामबाण औषधि बना है। कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने कंगना रनौत को लेकर किए पोस्ट में एक्ट्रेस की फोटो के साथ भद्दा कमेंट महिला-शक्ति का अपमान बना है। ईवीएम के बारे में राहुल गांधी की टिप्पणी के लिए निर्वाचन आयोग से उनके खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की जा रही है और कहा जा रहा है कि तथ्यों के सत्यापन के बिना इस तरह का 'दुष्प्रचार और गलत सूचना' राष्ट्रीय अखंडता एवं लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए नुकसानदायक है। ईवीएम और निर्वाचन आयोग के बारे में भ्रामक टिप्पणी 'लोक अव्यवस्था पैदा करने के इरादे' से की गई हैं। जैसे-जैसे लोकसभा चुनाव के चरण आगे बढ़ रहे हैं, विवादास्पद बयानों की झड़ी भी लगने लगी। हमारे देश की राजनीति में संयमित भाषा एवं अनुशासित बोल-बयान एक महत्वपूर्ण अंग होती है। लोकतंत्र में उसी नेता का बोल-बाला होता है, जिसकी भाषा एवं वचनों पर पकड़ मजबूत होती है। आजादी के बाद देश में जिस प्रकार राजनीति में बदलाव आता गया, उसी प्रकार राजनेताओं की भाषा और आरोप-प्रत्यारोप की शैली भी बदलती गई। आज कुछ राजनीतिक दलों के नेता अपने विपक्षी राजनेता को 'पप्पू' जैसे शब्दों से ताना मारते हैं, तो कोई विपक्षी नेता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिये चौकीदार चोर है या चायवाला जैसे शब्दों का प्रयोग कर रहे हैं। क्या हमारे देश की राजनीति में मर्यादा नाम का कोई शब्द बचा है? ऐसी अभद्र भाषा का उपयोग करने से पहले हमारे ये राजनेता जरा भी नहीं सोचते कि उसका उनकी पार्टी पर क्या प्रभाव पड़ सकता है। भारतीय राजनीति में स्तरहीन, हल्की और सस्ती बातें कहने का चलन काफी समय से है। लेकिन पिछले दो दशकों में यह वीभत्स रूप धारण कर चुका है। उस समय जब राम मनोहर लोहिया ने इंदिरा गांधी को गूंगी गुड़िया कहा था तो काफी विवाद हुआ और बड़ी तादाद में लोगों ने लोहिया का विरोध किया। कांग्रेस के अध्यक्ष खड़गे भी काफी कुछ बोल चुके हैं और उनका पीएम मोदी के लिए रावण वाला बयान काफी चर्चा में रहा है। लेकिन सबसे ज्यादा हल्की बात कहते हैं मणिशंकर अय्यर। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के लिए बहुत ही सस्ते शब्दों का इस्तेमाल किया। उन्होंने तो नीच, कातिल जैसे शब्दों का खुलेआम इस्तेमाल किया था जिसमें उनकी हताशा साफ झलकती है। कड़वे एवं गलत बयानी के मामले में कांग्रेसियों की तो सूची काफी लंबी है। चाहे वह अधीर रंजन हों या दिग्विजय सिंह या फिर संजय निरुपम और प्रियंका गांधी। आम आदमी पार्टी के नेता एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल ने तो सारी हदें पार कर दी। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने ईवीएम की निंदा 'चोर' के रूप में की थी। सभी ने मौका देखकर बेहद हल्के शब्दों का इस्तेमाल किया, जिससे उनकी खीझ एवं बौखलाहट का पता चलता है। लेकिन दिलचस्प बात यह है कि मोदी और उनकी पार्टी ने ऐसे अमर्यादित शब्दों और टिप्पणियों को अपने लाभ के लिए इस्तेमाल किया। उन्होंने अपने करोड़ों समर्थकों के सामने इन शब्दों और उन्हें बोलने वालों के खिलाफ माहौल बना दिया। नरेन्द्र मोदी को चाय वाला कहकर उनका उपहास उड़ाने वाले विपक्षियों को तो उन्होंने अपने कार्यों और उपलब्धियों से आईना दिखा दिया। आज चाय वाला शब्द मेहनतकश लोगों के सम्मान का प्रतीक बन गया है। मतदाताओं को आकर्षित एवं अपने पक्ष में करने के फेर में राजनीति को रसातल में धकेलने की मानो होड़ मची हुई है। क्षणिक रोमांच एवं तत्काल चुनावी लाभ के लिए मर्यादा को तार-तार करने वाले इन नेताओं को आत्म-चिंतन की सख्त जरूरत है। मर्यादित भाषा में विभिन्न दलों और नेताओं की आलोचना इस देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था की खूबसूरती है। भाषा की मर्यादा और वाणी में संयम भारत के लोकतंत्र का आधार है। बेलगाम भाषा से क्षणिक प्रचार और सुर्खियां बटोरना सम्भव है लेकिन अतीत में ऐसे कई उदाहरण मौजूद हैं जो ये दर्शाते हैं कि ऐसे नेताओं को जनता भी कुछ समय बाद ही भूल जाती है। नेताओं को हर हालत में भाषा की मर्यादा एवं शालीनता को बनाए रखना चाहिए। भले ही चुनाव का वक्त आसमान से तारे तोड़ लाने के वायदे करने का वक्त है और खामियों को दबाने और उपलब्धियों के बखान का वक्त है। लेकिन यह सब करते हुए भाषा की शालीनता एवं कड़वे बोल से बचने की जरूरत है।

अरविंद और आप का संकट

(शशि शेखर)

अपना 77वां वसंत जी रहे आजाद भारत में यह आम चुनाव नई रंगत लिए होगा। ऐसा पहली बार होगा, जब दो मुख्यमंत्री, एक उप-मुख्यमंत्री, सांसद और मंत्री भ्रष्टाचार के आरोप में सलाखों के पीछे होंगे। इनके अलावा दर्जनों ऐसे हैं, जो या तो जेल काट चुके हैं, या जाने की तैयारी में हैं। यह भ्रष्टाचार के खिलाफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वायदाशुदा नीति का नतीजा है, या फिर प्रतिपक्ष को कमजोर करने की रणनीति? वैचारिक तौर पर विभाजित वैश्विक समाज में ऐसे सवालों के उत्तर देना आसान नहीं, क्योंकि लोगों ने सत्य की श्वेत-श्याम छवि को अपने पसंदीदा रंगों के चश्मों से देखना शुरू कर दिया है। यही वजह है कि किसी ऐसे मामले की जांच के लिए घटनाओं को परत-दर-परत जांचना जरूरी है। आम आदमी पार्टी से शुरू करते हैं। पिछले दशक के प्रारंभिक वर्षों में अरविंद केजरीवाल सत्य के 'योद्धा' के तौर पर उभरे थे। उन्होंने भारतीय राजस्व सेवा की चमक-दमक वाली नौकरी छोड़कर एनजीओ और आरटीआई के जरिये आसपास बिखरी बुराइयों से जूझने का संकल्प किया था। अन्ना के आंदोलन ने उन्हें नए अवसर और नई ऊंचाई प्रदान की थी। वह उनके मंच से जब अपनी अति साधारण आवाज में गाते- इंसान का इंसान से हो भाईचारा, यही पैगाम हमारा, तब राजनीतिक भ्रष्टाचार और कदाचार से ऊबे हुए लोग उन पर रीझ-रीझ जाते। उन दिनों वह और उनके साथी कहते थे कि हमें राजनीति से मतलब नहीं है। हम तो सिर्फ सच्चाई, भाईचारे, और इंसाफ के लिए लड़ रहे हैं। उनके प्रशंसक उस वक्त आश्चर्यचकित रह गए, जब केजरीवाल ने राजनीतिक पार्टी बनाने की घोषणा कर डाली। आम आदमी पार्टी की स्थापना के वक्त उनका तर्क था कि सियासत के सागर में उतरे बिना उसे साफ करना संभव नहीं। राजनीति की शुरुआत भी उन्होंने गैर-पारंपरिक तरीके से की। वह कभी ऑटो रिक्शा वालों के बीच जा बैठते, तो कभी मेहनतकशों के किसी और वर्ग की ओर रुख कर लेते। हालांकि, पहले चुनाव के बाद सत्ता के लिए उन्होंने उसी कांग्रेस का सहारा ले लिया, जिस पर वह कल तक भ्रष्टाचार के बेहद तीखे आरोप लगाते थे। आम आदमी पार्टी यह चुनाव भी कांग्रेस के साथ लड़ने जा रही है। इस दौरान उनके कुछ पुराने साथियों को उनकी कथनी और करनी में भेद नजर आने लगा। कई शुरुआती साथियों ने या तो पार्टी छोड़ दी या वे बाहर कर दिए गए, लेकिन केजरीवाल अपने रास्ते पर बढ़ते रहे। उनमें निर्बल और निम्न मध्यमवर्गीय मतदाताओं को समझने की अद्भुत क्षमता है। बिजली और पानी के बिलों में रियायत देकर आम आदमी पार्टी ने दिल्ली के लोगों का दिल जीता। उन्होंने शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी बेहतर काम किया। दिल्ली की जनता ने भी लगातार दो चुनावों में जबरदस्त बहुमत देकर उनकी हौसला अफजाई की। उन्होंने पंजाब में सरकार बनाने में कामयाबी हासिल की और गुजरात विधानसभा के चुनावों में 12.92 प्रतिशत मत पाकर राष्ट्रीय राजनीतिक दल का दर्जा भी हासिल कर लिया। सवाल उठता है, कामयाब आंदोलन और सफल सियासत के बावजूद उनका यह सफर कारागार के सीखचों के पीछे कैसे जा पहुंचा? क्या महंगी चुनाव व्यवस्था इसकी वजह है, जहां हर पार्टी को ज्ञात-अज्ञात स्रोतों से आर्थिक मदद की दरकार होती है? अगर ऐसा है, तो फिर उनमें और औरों में क्या फर्क रह जाता है? वह जिस तथाकथित आबकारी घोटाले में गिरफ्तार किए गए हैं, वह भी आश्चर्यजनक है। उन्होंने अपने साथियों के साथ अनोखी आबकारी नीति का निर्माण किया था। इसके तहत दिल्ली में अंग्रेजी शराब बेहद सस्ती हो गई थी। क्या कमाल है? एक तरफ नीतीश कुमार बिहार में शराबबंदी करके हुकूमत बचा रहे थे, तो दूसरी तरफ आम आदमी पार्टी सुरा की नई रसधार बहाकर लोकप्रियता तलाश रही थी। इसी बीच आम आदमी पार्टी में पुराने आंदोलनकारियों की जगह नए चेहरे लेने लगे थे। विजय नायर उनमें से एक थे। वह पता नहीं कहां से आए और मीडिया सेल के प्रभारी बना दिए गए।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5325

6			4	2				
8		4	9				7	3
3						4	5	
			8	7			9	
	8						2	
	3			6	1			
	2	5						7
9	6				5	8		2
				3	9			4

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5324

3	5	8	9	1	6	2	4	7
4	6	2	7	5	3	1	9	8
1	9	7	4	8	2	5	3	6
8	4	9	1	6	7	3	5	2
7	1	5	2	3	4	8	6	9
2	3	6	8	9	5	4	7	1
9	2	3	5	7	1	6	8	4
5	8	1	6	4	9	7	2	3
6	7	4	3	2	8	9	1	5

आज का राशिफल

मेष

आज का दिन काफी बिजी और दौड़भाग वाला रहेगा। आज आपको अपने बच्चों के करियर को लेकर काफी चिंता हो सकती है। ऑफिस में आपके संबंध सभी लोगों के साथ बहुत ही बेहतर रहेंगे। बच्चों के करियर की चिंता आपको काफी भागदौड़ करा सकती है। आज कार्यस्थल में साथियों का और घर में अपने से छोटे सदस्यों का सहयोग मिलेगा।

वृष

आज भाग्य साथ देगा और आपके मान सम्मान में वृद्धि होगी। ऑफिस में हर तरह की रुकावटों और अड़चनों का सामना आपको करना पड़ सकता है। आपको एसएमएस के जरिए कोई काम की जानकारी मिलेगी। जायदाद के बारे में किसी डॉक्यूमेन्ट पर साइन करने से पहले सावधानी से काम करें। वरना परेशानी हो सकती है।

मिथुन

आज दिन शानदार बीतेगा और आज आपको कोई खोई हुई वस्तु मिल सकती है। आज आपको पहले से उधार दिया गया पैसा वापस मिल सकता है। खास बात यह है कि इसके अलावा भी दिन भर आपको कई सरप्राईज मिलते रहेंगे और आपके घर में खुशियों का आगमन होगा।

कर्क

आज आर्थिक लाभ होगा और आज आपकी कारोबार से जुड़ी सफलता प्राप्त होगा। आज आपका दिन कई रंग बदलेगा। आपको मिलेजुले परिणाम मिलेंगे। नए काम में कुछ रुकावट महसूस करेंगे। दिन बीतने के साथ साथ काम बनते नजर आएंगे। घर के छोटे सदस्यों के करियर की चिंता खत्म होगी। रुटीन के कामों में कुछ तब्दीली आएगी।

सिंह

आज का दिन सफलता से भरा होगा। बढ़ते खर्च को काबू में करना काफी कठिन लगेगा लेकिन थोड़ी सी इच्छाशक्ति से सब कुछ संभव है। दोस्तों के सपोर्ट से किसी बड़े प्रॉजेक्ट को फाइनलाइज कर सकेंगे। रोमांटिक अफेयर्स में मजबूती आएगी। आपके धन में वृद्धि होगी। और किस्मत आपका साथ देगा।

कन्या

आज का दिन सफलता से भरा होगा और आज आपको आर्थिक लाभ होगा। जो काम आप करेंगे वह समय से पूर्ण होगा। आप एक ही दिन में ढेर सारे लटके हुए काम निपटा लिए हैं। थोड़ा घूमना फिरना पड़ सकता है। आपके धन में वृद्धि होगी और कार्य सफल होंगे।

तुला

आज लाभ का दिन है। आज आपके प्रॉपर्टी के मामले हल हो सकते हैं। कमाई में बढ़ोत्तरी होगी लेकिन साथ ही खर्च के बहाने भी मिल जाएंगे। लेखक और पत्रकार जैसे लोग लोगों की नजरों में चढ़ जाएंगे। आपका पॉजिटिव मूड खराब से खराब माहौल में भी ताजगी भर देगा।

वृश्चिक

आज भाग्य साथ देगा और आज आपका दिन चुस्ती से भरा होगा। सहयोगियों से आपको हर संभव मदद मिलेगी। कार्यक्षेत्र में बदलाव के तौर पर आप अपने अन्दर छिपी प्रतिभा को बाहर निकालने की कोशिश करेंगे और कामयाब भी होंगे। आपकी आर्थिक समस्याओं का समाधान मिल सकता है। किस्मत आपका साथ देगी।

मकर

आज का दिन आर्थिक सफलता से भरा होगा और आज आपके कुछ उद्देश्य पूर्ण होंगे और आपका भाग्य साथ देगा। ऑफिस का माहौल काम के लिए बिल्कुल ठीक रहेगा। आपको हर मामले में अपने जीवनसाथी से सपोर्ट मिलता रहेगा। जूनियर्स से कहासुनी हो सकती है। किसी मामले में दूसरों से कोई चर्चा न करें।

कुंभ

आज का दिन सम्मान से भरा होगा और आपके रुके कार्य पूर्ण होंगे। ऑफिस के माहौल को जिंदादिल बनाने की आपकी कोशिश कामयाब हो सकती है बशर्ते आपके सहयोगी आपका सपोर्ट करें। आज आपको जो भी मिलेगा वह सिर्फ आपकी मेहनत का ही नतीजा होगा। आपकी योजनाएं सफल होंगी।

धनु

आज भाग्य साथ देगा और आज सोसाइटी में आपका मान सम्मान बढ़ेगा। आपके घर में कोई बड़ा आयोजन हो सकता है। आपके प्रेमी को किसी बात से समझौता करना पड़ सकता है लेकिन कुछ फायदों को देखते हुए इसमें कोई नुकसान भी नहीं है। विरोधियों का सिर नीचा करने में आपको कामयाबी मिलेगी।

मीन

आज का दिन लाभकारी होगा। आज आपको इम्तहान देना पड़ सकता है। मेहनत से जो कुछ भी करेंगे वह आपके लिए अच्छा होगा। आज आपको घूमने फिरने का मौका मिलेगा और इससे आपकी खुशी दोगुनी हो जाएगी। पिछले दिनों हुए नुकसान की भरपाई होने की उम्मीद है। बिजनस में काफी सावधानी बरतने की जरूरत है। आपके धन में वृद्धि होगी।

वर्ग पहेली 5325

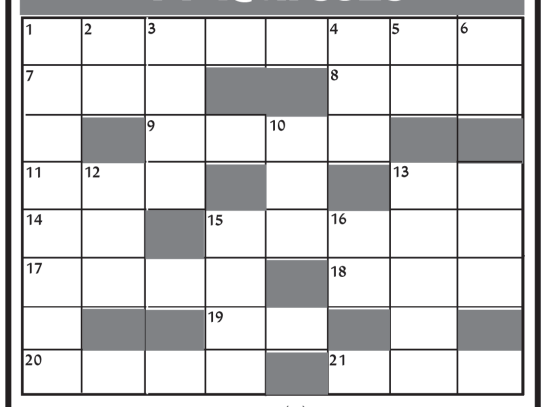

संकेतः बाएं से दाएं
1. 9 मई 1966 को इस पसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी, समाजसेवी का जन्म हुआ था इन्हें महात्मा गांधी अपना राजनीतिक गुरू मानते थे (8)
7. भंडारघर, आला, संग्रहालय (3)
8. पतनकर्ता, आचार (3)
9. निम्न कुल, अकुलीन, कुलहीन (4)
11. विशाल, बड़ा, इस फिल्म में अमिताभ बच्चन ने तिहरी भूमिका निभाई थी (3)
13. यह ऑस्ट्रेलिया का सबसे अधिक जनसंख्या वाला शहर है (2)
14. पुरूष, मर्द (2)
15. प्रगतिकर्ता, उन्नतिशील (2)
17. प्राचीनकाल से आता हुआ, परंपरागत (4)
18. भोजन आदि के लिए दिया गया निमंत्रण (3)
19. जो भाग्य में लिखा हो, जो दांव पर लगा हो (2)
20. ब्राह्मणों की दृष्टि से वह व्यक्ति जो उससे अपने धार्मिक कृत्य करवाता हो, यज्ञ कराने वाला (4)
21. ख्याति प्राप्त, जिसका यश हो (3)

ऊपर से नीचे
1. गोधुलि बेला, आरंभिक सांयकाल (8)
2. पालने वाला, फलों के पकाने की विधि (2)
3. अनियमित, अनित्य, बेतरतीबी (4)
4. नाथूराम गोडसे के छोटे भाई (सिर्फ आरंभिक नाम) जिन्हें महात्मा गांधी की हत्या के आरोप में आजीवन कारावास मिला था (3)
5. पत्र, चिट्ठी (2)
6. झील को अंग्रेजी में यह कहत है (2)
10. तीक्ष्ण, तेज (3)
12. पराजित होना, शिकस्त खाना (3)
13. भरण-पोषण, सहायता करने का भाव या क्रिया (5)
15. खटपट, उनाठनी, वैमनस्य (4)
16. हमेशा, प्रतिध्वनि, फकीर की आवाज (2)

वर्ग पहेली 5324 का हल

गु	ज	रा	त	■	म	ना	ली
ल	य	का	री	■	द	ला	ल
द	■	■	का	न	न	■	ना
स्ता	व	क	■	का	मो	द	■
■	त	ल	■	र	ह	मा	न
सो	नी	■	यू	ना	न	■	क्ष
च	■	मु	नि	■	■	प	त्र
ना	ती	■	ट	प	क	ना	■

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, (डी वी कार्पो. लि.) उड़ान टोला, दानापुर कैंट, शिवाला रोड, खगौल, पटना में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी कार्यालय, जय हिन्द कॉलोनी नाला पर, आरा, जिला भोजपुर (बिहार) से प्रकाशित संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, स्थानीय संपादक- साकेत अम्बष्ट, मो.-9934957121, 7766886433, E-mail : svvaara@gmail.com, RNI-BIHHIN/2017/72765

संक्षिप्त समाचार

सविमं गुमला ने अपने उत्कृष्ट विद्यार्थियों को किया पुरस्कृत

गुमला। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में शुक्रवार को पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन हुआ। परीक्षा प्रमुख प्रशांत रंजन ने परीक्षा परिणाम की घोषणा की। विद्यालय प्रबंधन समिति के सचिव विजय बहादुर सिंह, कोषाध्यक्ष प्रभात कुमार दास, प्रधानाचार्य संजीव कुमार सिन्हा समिति सदस्य राजेश कुमार सिंह ने पुरस्कार प्राप्त करने वालों की सराहना की। समारोह का शुभारंभ सरस्वती वंदना से हुई। कक्षा षष्ठ से अनिमा, कक्षा सप्तम से मानवी सिंह, कक्षा अष्टम से प्रवीण, कक्षा नवम से लक्ष्मी, कक्षा एकादश विज्ञान से आर्या शाह व कक्षा एकादश वाणिज्य से प्रिंस प्रथम स्थान पर रहे। इसके अलावा विद्यालय की गतिविधियां जैसे वंदना विभाग के लिए श्याम सिंह, आन्वी, अपूर्वा, अपूर्वी प्रसाद को पुरस्कृत किया गया।

पूर्वी सिंहभूम जिले के 5631 किसानों ने बेचे अपने धान

जमशेदपुर। पूर्वी सिंहभूम जिले के 5631 किसानों ने अभी तक अपने धान सरकारी समर्थन मूल्य पर बेचे हैं। इन्होंने मिलकर कुल पांच लाख 94 हजार पांच सौ क्विंटल से अधिक धान बेच दिए हैं। इस प्रकार अब जिला अपने निर्धारित लक्ष्य मात्र छह हजार क्विंटल ही पीछे रह गया है। आश्चर्यजनक ढंग से जिले के 22,748 किसान निबंधित हैं जिनमें से मात्र 5631 ही धान बेचने के लिए आगे आए हैं। इन किसानों को 33.15 करोड़ रुपए पहली किस्त जबकि 16.36 करोड़ रुपए दूसरी किस्त के रूप में भुगतान किया जा चुका है। हालांकि जिन लैम्पस के माध्यम से धान की खरीद की जा रही है, वहां से चावल मिल तक धान भेजने की रफ्तार धीमी है। इसके कारण किसानों को अपने धान की दूसरी किस्त मिलने में इंतजार करना पड़ रहा है।

कमरों की संख्या कम होने क्लास रूम के बगल में बनाया जाता है एमडीएम

गुमला। जिले के लगभग 15 सौ प्राथमिक व मध्य विद्यालयों में मध्याह्न भोजन योजना का संचालन होता है। प्राथमिक विद्यालयों में कमरों की संख्या कम होने की वजह से वर्गकक्ष के बगल के ही कमरों में एमडीएम बनाया जाता है। मिडिल स्कूलों में रसोई घर वर्ग कक्ष से कुछ दूरी पर होती है। आग पर काबू पाने के लिए विभाग द्वारा दशकों पूर्व अग्निशामक यंत्र दिए गए थे ,जो अब एक्सपायरर्ड हो चुके हैं। अग्निशामक यंत्र अब मात्र दिखावे के लिए हैं। प्राथमिक एवं मध्य विद्यालयों में छात्र अनुपात में गैस सिलेंडर की व्यवस्था की गई है। एक से सौ विद्यार्थियों में एक व उससे अधिक में दो सिलेंडर की वयवस्था विभाग द्वारा की गई है। विद्यालय में किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना होने पर उसकी संपूर्ण जवाबदेही प्रभारी प्रधानाध्यापक की होती है, जबकि विद्यालय के अधिकतर संयोजिका, रसोईया अपनी मनमानी करते हैं।

मुख्तार अंसारी की मौत स्वाभाविक नहीं : बाबर खान

जमशेदपुर। ऑल इंडिया माइनोरिटी सोशल फ्रंट के केंद्रीय महासचिव सह झामुमो के नेता बाबर खान ने कहा कि 2005 से जेल में बंद मुख्तार अंसारी की मौत स्वभाविक नहीं है। उन्होंने बयान जारी कर कहा है कि अंसारी ने पहले ही खुलासा किया था कि उन्हें मारने के लिए धीमा जहर दिया जा रहा है। इसलिए यह मामला संदिग्ध बन गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश की सरकार के कार्यकाल में लगातार न्यायिक हिरासत में एक खास समुदाय के लोगों की मौतें हो रहीं हैं, जो किसी से छिपा नहीं है। इसलिए अदालत को ऐसे मामलों को देखना चाहिए। दूसरी ओर, उन्होंने मानगो के गांधी मैदान से नववर्ष यात्रा निकालने की घोषणा का विरोध किया है। उन्होंने कहा कि पहली बार संवेदनशील गांधी मैदान से जुलूस निकालने की अनुमति प्रशासन को किसी कीमत पर नहीं देनी चाहिए।

आठ साल से फरार वारंटी गया जेल

धनबाद/अलकडीहा। थाना प्रभारी सुमन कुमार ने गुप्त सूचना के आधार पर बोर्रागढ़ से वारंटी त्रिलोचन निषाद को गिरफ्तार कर शुक्रवार को जेल भेज दिया है। वह 2016 से फरार चल रहा था। तिसरा थाना प्रभारी सुमन कुमार ने कहा कि त्रिलोचन पर रंगदारी, सरकारी काम में बाधा डालने के साथ-साथ कई मामले दर्ज है। तिसरा थाना कांड संख्या 29/16 के तहत त्रिलोचन अभियुक्त था। तीसरा थाना में 353 के तहत मामला दर्ज है। और भी कई थानों में इस पर मामला दर्ज है। इसकी तलाश काफी दिनों से थी। पहले वह नॉर्थ तीसरा में रहता था। बाद में विस्थापन होने के बाद वह बेलगढ़िया चला गया था।

झारखंड में इस बार भाजपा के लिए कई सीटों पर मुश्किल चुनौती

रांची। झारखंड में पिछले तीन लोकसभा चुनावों में दबदबे के बावजूद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को आंतरिक कलह, टिकट वितरण को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं में नाराजगी और कुछ इलाकों में आदिवासी विरोध के कारण इस बार कड़े मुकाबले का सामना करना पड़ सकता है। राज्य में 14 लोकसभा सीटों पर 13 मई से चार चरणों में मतदान होगा। पिछले चुनाव में भाजपा ने झारखंड में 14 में से 11 सीटों पर जीत हासिल की थी।

भाजपा अपने सहयोगी दल ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन (आजसू) पार्टी के साथ सीटों के बंटवारे पर हुए समझौते के अनुसार 13 सीटों पर चुनाव लड़ रही है जबकि आजसू गिरीडीह लोकसभा सीट से अपना उम्मीदवार खड़ा करेगी। एक भाजपा कार्यकर्ता ने कहा, %तीन प्रत्याशियों को छोड़कर भाजपा ने उन लोगों को टिकट दिए हैं जो लोकसभा चुनाव के मद्देनजर या पहले पार्टी में शामिल हुए हैं। इससे पुराने नेताओं के बीच खराब संकेत गया है। हमें धनबाद निर्वाचन क्षेत्र से बाघमारा के विधायक ढुलू महतो के नामांकन से धक्का लगा है। पार्टी ने मौजूदा सांसद पशुपति नाथ सिंह का टिकट काट दिया है। इससे हमारे कार्यकर्ताओं और ऊपरी जाति के मतदाताओं के एक वर्ग ने बगावत कर दी है।%

पहले झारखंड विकास मोर्चा (जेवीएम) का हिस्सा रहे महतो पर दो दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज हैं और वह 2014 में भाजपा में शामिल हुए। बहरहाल, किसी भी वरिष्ठ भाजपा नेता ने इस पर टिप्पणी नहीं की है लेकिन कांग्रेस की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने भाजपा पर हमला करते हुए कहा, %भाजपा उधार के नेताओं पर चुनाव लड़ रही है। ऐसे फैसले के बाद उसके कार्यकर्ता ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। भाजपा घबराई हुई है।%

भाजपा ने दुमका सीट से अपने प्रत्याशी और मौजूदा सांसद सुनील सोरेन को हटाकर सीता सोरेन को उम्मीदवार बना दिया है जो 20 मार्च को भाजपा में शामिल हुई। सीता तीन बार की विधायक और झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) सुप्रीमो शिबू सोरेन की बड़ी बहू हैं। सुनील ने 2019 के लोकसभा चुनाव में झामुमो अध्यक्ष को 47,590 मतों से हराया था। एक वरिष्ठ भाजपा नेता ने नाम न उजागर करने की शर्त पर कहा, सुनील को शुरुआत में पुनः नामित किया गया था लेकिन उनकी जगह सीता सोरेन को प्रत्याशी बनाया गया है। सुनील की उम्मीदवारी वापस लेने के बाद पार्टी के वफादार कार्यकर्ताओं में असंतोष है। ऐसी अटकलें हैं कि झामुमो पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को प्रतिष्ठित दुमका सीट से खड़ा कर सकती है जो अभी जेल में हैं।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित जमीन धोखाधड़ी से जुड़े धन शोधन के एक मामले के संबंध में 31 जनवरी को हेमंत सोरेन को गिरफ्तार किया था। उन्होंने मुख्यमंत्री के तौर पर इस्तीफा दे दिया था। भाजपा ने हजारीबाग में मौजूदा सांसद जयंत सिन्हा के स्थान पर स्थानीय विधायक मनीष जायसवाल को नामित किया है। जयंत सिन्हा पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री यशवंत सिन्हा के बेटे हैं जो नरेन्द्र मोदी सरकार के आलोचक रहे हैं। पार्टी के एक अन्य नेता ने बताया कि हजारीबाग में प्रत्याशी बदले जाने से सिन्हा के वफादार कार्यकर्ता नाराज हैं।

भाजपा नेता ने यह भी बताया कि पार्टी को कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा क्योंकि 'कोयला और शराब कारोबार को लेकर जायसवाल की छवि ठीक नहीं है' और सिन्हा के परिवार की इस निर्वाचन क्षेत्र में पकड़ है। कांग्रेस ने भाजपा के मांडू से विधायक रहे जय प्रकाशभाई पटेल को प्रत्याशी बनाया है जो हाल में कांग्रेस में शामिल हुए हैं। भाजपा के एक नेता ने कहा कि पटेल के पास अच्छे-खासे वोट हैं, खासतौर से क्षेत्र में महतो और कुर्मी समुदायों के बीच और उनके पिता टेक लाल महतो एक सांसद हैं तथा मतदाताओं पर परिवार का प्रभाव भी है।खूंटी लोकसभा सीट पर केंद्रीय मंत्री और मौजूदा सांसद अर्जुन मुंडा के लिए मुकाबला आसान नहीं होने जा रहा है क्योंकि 2019 के लोकसभा चुनाव में उनकी जीत का अंतर महज 1,445 वोट था।

झारखंड की गिरीडीह सीट से आजसू ने प्रत्याशी का किया ऐलान, चंद्र प्रकाश चौधरी को दिया टिकट

गिरीडीह। झारखंड के गिरिडीह लोकसभा सीट से आजसू ने एक बार फिर चंद्रप्रकाश चौधरी को मैदान में उतारा है। पार्टी की आज संसदीय बोर्ड की बैठक में विचार विमर्श के बाद उनके नाम पर सहमति बनी। भाजपा ने गठबंधन के तहत गिरिडीह की सीट आजसू के लिए छोड़ी है। इससे पहले 2019 के चुनाव में चंद्रप्रकाश चौधरी ने गिरिडीह में चुनाव जीता था।

संसदीय बोर्ड की बैठक के बाद आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने कहा कि चंद्र प्रकाश चौधरी ने जनता की सेवा के साथ गिरिडीह संसदीय क्षेत्र का विकास किया है। विकास का एजेंडा लेकर हम फिर जनता के बीच जाएंगे और निःसंदेह जनता फिर एक बार हमें मौका देगी। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि झारखंड में एनडीए सभी 14 सीटों पर जीत दर्ज करने के लक्ष्य को हासिल करेगा। उन्होंने कहा कि एनडीए गठबंधन का उद्देश्य राष्ट्र एवं राज्य के व्यापक हित में काम करना है। जबकि इंडी गठबंधन नेतृत्व विहीन है। इंडी गठबंधन के पास देशहित में कोई एजेंडा नहीं है। चुनावों में जनता उन्हें सिरे से नकारने वाली है।

बता दें कि इन लोकसभा चुनावों

को लेकर झारखंड में आजसू और भाजपा का गठबंधन हुआ है। इस गठबंधन के तहत भाजपा को 13 सीटें और आजसू को एक सीट मिली है। इसमें गिरीडीह सीट आजसू के हिस्से में आई है। आजसू ने इस सीट से अपने प्रत्याशी का भी ऐलान कर दिया है। आजसू ने चंद्रप्रकाश चौधरी को चुनावी मैदान में उतारा है।

पिचले लोकसभा चुनावों की बात करें तो भाजपा ने 11 सीटों पर जीत दर्ज की थी। जेएमएम, कांग्रेस और आजसू ने भी एक-एक सीटों पर जीत दर्ज की थी। इस बार भाजपा और आजसू ने सभी 14 सीटों पर प्रत्याशियों का ऐलान कर दिया है। भाजपा ने पूर्व मुख्यमंत्री की पत्नी गीता कोड़ा को भी इसबार टिकट दिया है। वो राज्य में कांग्रेस की इकलौती सांसद थीं लेकिन अब उन्होंने भाजपा का हाथ थाम लिया है।

मतदान में हिस्सेदारी और खरीदारी में सतर्कता पर महिला सम्मेलन

जमशेदपुर। लोकसभा चुनाव के लिए मतदान में महिलाओं की भागीदारी और एक ग्राहक के रूप में उनकी जागरूकता विषय पर अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत स्वर्ण जयंती आयोजन समिति द्वारा महिला सम्मेलन का आयोजन शुक्रवार को लक्ष्मीनगर उत्क्रमित विद्यालय में किया गया। इसमें लगभग 50 महिलाओं की भागीदारी रही। जिलाध्यक्ष पप्पू सिंह ने कहा कि महिलाएं जब भी सोने के आभूषण खरीदें, उसकी शुद्धता और गुणवत्ता की जांच अवश्य करें। सिर्फ खरीदारी न करें, बल्कि एक जिम्मेदार खरीदार बनें।

अपनी बात रखते हुए डॉ. अनीता शर्मा ने कहा कि समाज में महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। इसलिए हमें अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए मतदान में भी सक्रिय रूप से भाग लेना चाहिए। साथ ही एक ग्राहक के तौर पर भी हमें बाजार की नब्ज को समझकर खरीदारी करनी चाहिए। प्रांत सचिव डॉ. कल्याणी कबीर ने कहा कि आत्म नियंत्रण और इस बात की समझ बहुत जरूरी है कि हमारे लिए कौन सी वस्तु आवश्यक है। कई बार हम बिना सोचे-समझे बाजार जाते हैं, जिससे हमें नुकसान उठाना पड़ता है और हमारे घर का बजट असंतुलित हो जाता है। डॉ. रजनी रंजन ने कहा कि अंधानुकरण नहीं करें। संयमित उपभोग की आदत डालें। सम्मेलन का संचालन किया ऋचा कुमारी ने। स्वागत भाषण और विषय प्रवेश अंशु कुमारी ने कराया। कार्यक्रम की समन्वयक रजनी झा ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। सम्मेलन में विद्यालय की शिक्षिका बेला कुमारी सिन्हा को उनकी समर्पित सेवा के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में पूर्वी सिंहभूम अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के सचिव चंचल लकड़ा, शिक्षक उपेंद्र कुमार और राहुल यादव भी शामिल हुए।

झारखंड में गर्मी का टॉर्चर शुरू, रांची का पारा 35 पार; दो दिन बारिश-वज्रपात के आसार

रांची। राजधानी रांची समेत राज्य में तेजी से गर्मी बढ़ रही है। शुक्रवार इस सीजन का अब तक का सबसे गर्म दिन रहा। आनेवाले समय में गर्मी बढ़ने के आसार हैं। दो जिलों का अधिकतम तापमान 40 डिग्री को पार कर चुका है। न्यूनतम तापमान में भी तेजी से वृद्धि हो रही है। शुक्रवार को मेदिनीनगर का अधिकतम तापमान 40.2 डिग्री और जमशेदपुर का 40.1 डिग्री दर्ज किया गया। जबकि, जमशेदपुर का न्यूनतम तापमान 23.4 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं, राजधानी का अधिकतम तापमान 35.5 और न्यूनतम 20.4 डिग्री सेल्सियस रहा।

पिछले 24 घंटों के दौरान अधिकतम तापमान में एक से दो डिग्री की वृद्धि हुई है। अधिकतम अपने सामान्य तापमान से चार डिग्री अधिक होने के करीब है। जबकि, न्यूनतम तापमान भी

सामान्य से दो डिग्री के अधिक होने के करीब है। मौसम विभाग के मुताबिक, रांची समेत राज्य के विभिन्न भागों में अगले दो दिनों में अधिकतम तापमान में दो से तीन डिग्री की वृद्धि हो सकती है। शनिवार और रविवार को राजधानी और राज्य के कुछ हिस्सों में हल्के बादल छाने और गरज के साथ बारिश होने की संभावना है।

24 घंटे में दो डिग्री बढ़ा पारा: रांची में पिछले 24 घंटों के मुताबिक अधिकतम और न्यूनतम तापमान में करीब दो डिग्री की वृद्धि दर्ज की गई। दोनों तापमान सामान्य की तुलना में करीब दो डिग्री अधिक चल रहे हैं। वैज्ञानिकों के मुताबिक पश्चिमी विक्षोभ के अलावे राज्य के समीपवर्ती राज्य ओड़िशा के उपर एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन बना हुआ है। इसके प्रभाव से शनिवार और रविवार को मौसम बदलाव होगा। विभाग के मुताबिक, राज्य के कई जिलों में अधिकतम तापमान 40.0 डिग्री के करीब है। जबकि, न्यूनतम तापमान में भी वृद्धि कर रहे हैं। राज्य में दोनों तापमान सामान्य से अधिक चल रहा है। मौसम विभाग के वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने कहा, राजधानी समेत पूरे राज्य में दो दिनों में तापमान में दो से तीन डिग्री और वृद्धि होने का अनुमान है।

झारखंड के जमशेदपुर में भीषण हादसा, धूं-धूं कर जलने लगे स्क्रैप गोदाम

जमशेदपुर। झारखंड के जमशेदपुर के बर्मा माइंस की लाला बाबा फाउंड्री स्थित दो स्क्रैप गोदाम में शुक्रवार रात 8 बजे आग लग गई। आग इतनी भीषण थी कि 22 दमकल की गाड़ियों की मदद से रात 11 बजे तक काबू पाया नहीं जा सका। इस अग्निकांड में भारी नुकसान हुआ है। आग कैसे लगी, इसका पता नहीं चल पाया है। रबर होने के चलते लपटों पर काबू पाने में अग्निशमनकर्मियों को काफी मशक्कत उठानी पड़ी। इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि अचानक आग की लपटें उठीं तो लगा कि वे लोग ही आग पर काबू पा लेंगे। इसलिए तत्काल किसी को सूचना नहीं दी गई। लेकिन 10 मिनट में ही हवा से लपटों ने विकराल रूप धारण कर लिया। देखते ही देखते आग राधे-राधे स्टील इंटरप्राइजेज और उसके ठीक बगल स्थित पंकज अग्रवाल के गोदाम को भी अपनी चपेट में ले लिया।

घटना की सूचना मिलते ही बर्मामाइंस पुलिस के अलावा टाटा स्टील अग्निशमन विभाग के अधिकारी सहित अन्य लोग मौके पर पहुंचे। रबर की आग थी लिहाजा उसपर काबू पाना आसान नहीं था। पंकज अग्रवाल के गोदाम में पहुंची आग पर रात के लगभग 10 बजे तक काबू पाया नहीं जा सका।

राधे-राधे स्टील इंटरप्राइजेज का गोदाम भाजपा नेता कृष्णा शर्मा उर्फ काली शर्मा का है। उन्होंने कहा कि आग के नुकसान का अनुमान अभी नहीं लगाया जा सकता। लेकिन, इसमें पुराने रबर सहित अन्य सामान थे, जो स्क्रैप के रूप में थे। आग को बुझाने में झारखंड के अलावा टाटा स्टील, टाटा मोटर्स, टिनप्लेट के दमकलों की मदद ली गई।

जानकारी के मुताबिक, आग पर काबू पाने के लिए दमकल की 22 गाड़ियां भेजी गई हैं। खबर लिखने तक आग को कंट्रोल नहीं किया जा सका है। इस भीषण हादसे के बाद गोदाम का सारा स्टॉक जलकर खाक हो गया है। ऐसा बताया जा रहा है कि रबर के स्क्रैप के कारण आग नहीं बुझ रही है।

धनबाद से लोकसभा चुनाव लड़ेंगे सरयू राय?

धनबाद। पूर्वी जमशेदपुर के विधायक सरयू राय अब भी धनबाद से लोकसभा चुनाव लड़ने पर मंथन कर रहे हैं। परिस्थितियों का आकलन कर रहे हैं। शुक्रवार को धनबाद में प्रेस कॉन्फ्रेंस में राय ने कहा कि धनबाद से चुनाव लड़ने के लिए मरे नहीं जा रहे हैं। वैसे यदि धनबाद की जनता कहेगी तो बिल्ली के गले में घंटी बांधने को तैयार भी हैं।

राय ने कहा कि उनके लोग धनबाद में लोगों से बात कर रहे हैं। धनबाद भाजपा के भी काफी लोगों से पुराना संपर्क है। यदि लोग चाहेंगे तो लोकसभा का चुनाव लड़ भी सकते हैं। सरयू राय धनबाद लोकसभा के भाजपा प्रत्याशी सह बाघमारा विधायक ढुलू महतो के खिलाफ खूब बोले। आय से अधिक संपत्ति, मनी लॉन्ड्रिंग, कोयला क्षेत्र में रंगदारी तक के आरोप लगाए।

राय ने कहा कि वे भाजपा के नए लोकसभा उम्मीदवार के खिलाफ ईडी-सीबीआई, आयकर जैसी एजेंसियों को लिखेंगे। जांच की मांग करेंगे। जांच नहीं हुई तो कोर्ट भी जाएंगे। राय ने कहा कि उनके समर्थक सह मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष कृष्णा अग्रवाल के साथ

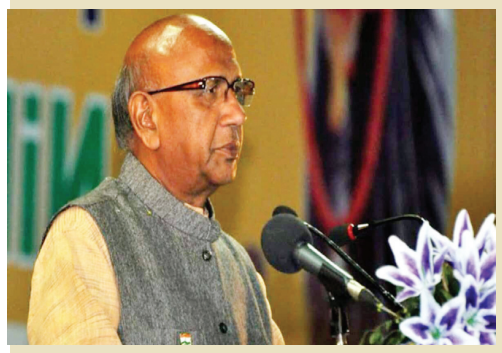

भाजपा प्रत्याशी ने सख्त लहजे में फोन पर बात की। यह सूचना मिली तो कृष्णा अग्रवाल से मिलने आया। कृष्णा अग्रवाल से कहा कि गलत का विरोध करने वालों के साथ सदैव खड़ा हूं। मौके पर विजय झा सहित कई लोग मौजूद थे।

...तो कांग्रेस प्रत्याशी का इंतजार कर रहे हैं सरयू

सरयू राय ने धनबाद लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने को लेकर फिलहाल गोलमोल जवाब दे रहे हैं। वैसे करीबी बताते हैं कि राय कांग्रेस प्रत्याशी का इंतजार कर रहे हैं। इसके बाद अपना पत्ता खेलेंगे। हालांकि इसी सवाल पर सरयू राय ने कहा कि ऐसी बात नहीं है। चुनाव लड़ना होगा तो लड़ेंगे। कांग्रेस से कौन उम्मीदवार होगा, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।

गुमला जिले में गर्मी शुरू होते ही गहराया जल संकट

गुमला। झारखंड के गुमला जिले में भी अब गर्मी की मौसम आते ही जल संकट की विकट स्थिति उत्पन्न हो जाती है। लगातार दो वर्षों से मॉनसून के दौरान कम बारिश के कारण जिले में जल संकट गहरा सी गई है और जल स्तर में लगातार गिरावट आ रही है। जिससे यहां जल संकट की गंभीरता अधिक महसूस की जा रही है। फलस्वरूप अप्रैल से जिले के कई इलाकों में पानी के लिए हाहाकार मच जाती है। गुमला जिले में मॉनसून के दौरान औसतन 11सौ मिमी बारिश होती है,लेकिन इसके संरक्षण के लिए अब तक कोई सम्यक कदम नही उठाये गये हैं। जिससे जिले का भूगर्भ जलस्तर लगातार नीचे गिर रहा है। यही वजह है कि अप्रैल ही शहर के कई मुहल्लों के जल स्तर का लेबल नीचे चला जाता है। जिस कारण कई चापाकल बेकार हो जाते हैं। जिससे लोगो को पेयजल के लिए काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। गुमला जिले की आबादी तकरीबन12 लाख के आस-पास है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ो के मुताबिक प्रति व्यक्ति दो सौ लीटर पानी की आवश्यकता होती है। लगातार इस जिले की आबादी बढ रही है। उसके अनुपात में जल की उपलब्धता नही है। जिले में कोयल ,लावा, शंख प्रमुख नदियां है। जो गर्मी के मौसम आते ही पूरी तरह से सुख जाती हैं। वहीं भूमिगत जल के अधिकाधिक दोहन और मॉनसून में होने वाली बारिश की पानी को बचाने के लिए कारगर योजनाओं के अभाव में जिले में का जल स्तर लगातार गिर रहा है।

कांग्रेस-राजद में बनी सहमति, पलामू और चतरा में राजद उतारेगा उम्मीदवार; एक-दो दिन में फाइनल होंगे नाम

पलामू। महागठबंधन ने झारखंड के चतरा और पलामू सीट की उलझनें सुलझा ली है। राजद ने झारखंड की दो सीटों पलामू और चतरा पर प्रत्याशी देने का ऐलान कर दिया है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष संजय सिंह यादव ने कहा कि हमने पहले ही कहा था कि झारखंड में चतरा और पलामू संसदीय सीट राजद को मिलेगा तभी बिहार में कांग्रेस के हिस्से में दो सीट बढ़ाई जाएगी। पलामू और चतरा दोनों सीटों पर इस बार राजद अपना उम्मीदवार देगा।

सूत्रों के अनुसार राजद पलामू से ममता भुइयां को टिकट दे सकता है। दूसरी ओर चतरा की स्थिति एक-दो दिन में स्पष्ट कर ली जाएगी। कई नेताओं के नाम पर चर्चा हो

रही है। गढ़वा के पूर्व विधायक गिरिनाथ सिंह, अरुण सिंह, सुधीर सिंह, ब्रह्मदेव प्रसाद, नीलम यादव और बलवंत यादव के नाम में से किसी एक पर राजद सुप्रीमो लालू यादव मुहर लगा सकते हैं।

बगोदर विधायक विनोद सिंह कोडरमा सीट से भाकपा माले की ओर से लोकसभा के उम्मीदवार बनाए गए हैं। भाकपा-माले के झारखंड राज्य सचिव मनोज भक्त, पोलित ब्यूरो सदस्य जनार्दन प्रसाद और केंद्रीय कमेटी के सदस्य शुभेंदू सेन शनिवार को रांची स्थित राज्य कार्यालय में विनोद सिंह के नाम की आधिकारिक घोषणा करेंगे।

प्रत्याशी चयन को कांग्रेस स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक जल्द : राजद ने झारखंड की दो सीटों चतरा और पलामू में उम्मीदवार उतारने की घोषणा कर दी है। इंडिया गठबंधन में शामिल कांग्रेस को भी शेष सीटों पर प्रत्याशी की घोषणा करनी है। इस मुद्दे पर जल्द ही कांग्रेस स्क्रीनिंग कमेटी की दिल्ली में बैठक होगी। इसके बाद उम्मीदवारों के नाम का ऐलान किया जाएगा। इससे पहले कांग्रेस झारखंड की तीन सीटों खूंटी से कालीचरण मुंडा, लोहरदगा से सुखदेव भगत और हजारीबाग से जयप्रकाश भाई पटेल को उम्मीदवार घोषित कर चुकी है।

गांडेय विस से दिलीप वर्मा भाजपा प्रत्याशी : भाजपा ने गांडेय विधानसभा उपचुनाव के लिए दिलीप कुमार वर्मा को प्रत्याशी घोषित किया है। केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक के बाद नाम का ऐलान हुआ। डॉ सरफराज अहमद के इस्तीफे के बाद गांडेय सीट खाली हुई थी। दिलीप वर्मा वर्तमान में प्रदेश भाजपा के मंत्री हैं। वे जेवीएम के विलय के बाद भाजपा में आए थे।

ऑफिस में आपकी इमेज खराब कर देंगी ये आदतें

आप ऑफिस में अपना काम तो कम लगाकर करते हैं और आपका काम भी बहुत अच्छा है, लेकिन अगर आपने ये पांच गलतियां की तो सारी मेहनत धरी की धरी रह जाएगी। आपकी कुछ आदतें ऑफिस में आपको बदनाम कर सकती है, अब भले ही आपका काम अच्छा क्यों न हों। आइए जानते हैं ऐसी कौन सी 5 आदतें हैं जिन्हें सुधारना जरूरी है:

- क्या आप उनमें से हैं जो ऑफिस का डेकोरम मेनटेन नहीं रखते। सबसे पहले आप अपने आने का समय चेक कीजिए। क्या आप रोजाना लेट पहुंचते हैं? आपकी यह लेटलतीफी आपकी इमेज को नुकसान पहुंचा सकती है।
- आपने यह बात नोटिस की है कि आप इधर की बातें उधर करते हैं। अगर हां, तो तुरंत ही गॉसिपिंग की आदत छोड़ दें। अगर आप एक सहकर्मी की बुराई दूसरे सहकर्मी के सामने करेंगे तो इससे नेगेटिव इमेज पेश होगी। वहीं ऑफिस का माहौल बिगाड़ने का दोष भी आपके सर पर होगा।
- आपने इस बात को शायद ही सोचा होगा लेकिन ऑफिस में भी आपकी साफ-सफाई की आदतें नोटिस की जाती है। अगर आप अपनी डेस्क अस्त-व्यस्त और साफ नहीं होगी तो दूसरे आपसे कतराएंगे।
- कहीं भी, कुछ भी कहने की आदत आपमें तो नहीं? आपकी बोली में कहीं रूखापन तो नहीं? अगर ऐसा है तो आपको अपने एटिट्यूड को बदलना होगा। आपको सीनियर हो या जूनियर सभी से ऑफिस में विनम्रता से बात करनी चाहिए।
- अगर आप ऑफिस के फोन या फिर अपने मोबाइल पर तेज आवाज में बात करते हैं या फिर आपके मोबाइल की रिंगटोन काफी तेज है तो यह आपके आस-पास बैठे सभी लोगों को डिस्ट्रैक्ट और इरिटेट कर सकता है।

जब बात प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी की होती है, तो विद्यार्थियों के सामने एक दुविधा यह पेश आती है कि वे किसी कोचिंग इंस्टीट्यूट से पढ़ाई करें या फिर ऑनलाइन कोचिंग का सहारा लें। स्थिति इस बात से और जटिल हो जाती है कि प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता पाने का कोई एक रास्ता ही नहीं होता। जहां कुछ युवा कोचिंग इंस्टीट्यूट्स में पढ़कर परीक्षा क्रैक कर देते हैं, वहीं कुछ अन्य युवा ऑनलाइन पढ़ाई करके सफलता पा लेते हैं।

प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए कोचिंग इंस्टीट्यूट से पढ़ें या लें ऑनलाइन कोचिंग

किसी भी प्रतियोगी परीक्षा को क्रैक करना आसान नहीं होता। इसमें गंभीरता से तैयारी करने और पढ़ाई के प्रति प्रतिबद्ध रहने की जरूरत होती है। फिर चाहे वह बैंकिंग की परीक्षा हो, एसएससी सीजीएल परीक्षा हो या फिर आईएएस/ पीएससी परीक्षाएं हों। जब बात प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी की होती है, तो विद्यार्थियों के सामने एक दुविधा यह पेश आती है कि वे किसी कोचिंग इंस्टीट्यूट से पढ़ाई करें या फिर ऑनलाइन कोचिंग का सहारा लें। स्थिति इस बात से और जटिल हो जाती है कि प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता पाने का कोई एक रास्ता ही नहीं होता। जहां कुछ युवा कोचिंग इंस्टीट्यूट्स में पढ़कर परीक्षा क्रैक कर देते हैं, वहीं कुछ अन्य युवा ऑनलाइन पढ़ाई करके सफलता पा लेते हैं। ऐसे में यह हर परीक्षार्थी पर निर्भर करता है कि वह अपने लिए कौन-सा रास्ता चुनता है। कोचिंग इंस्टीट्यूट और ऑनलाइन पढ़ाई दोनों के ही सकारात्मक और नकारात्मक दोनों पक्ष हैं। आपको चाहिए कि आप इन दोनों पक्षों को तौलकर फैसला करें कि आपके लिए कौन-सा रास्ता मुफीद रहेगा। तो चलिए, इन दोनों ही रास्तों के सकारात्मक और नकारात्मक पक्षों पर नजर दौड़ाते हैं।

कोचिंग इंस्टीट्यूट्स

परंपरागत तौर पर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराने में कोचिंग इंस्टीट्यूट्स अग्रणी रहे हैं। यहां तक कि कोचिंग उद्योग अपने आप में एक बेहद सफल और कमाऊ उद्योग बन गया है। बड़े से लेकर छोटे शहरों तक में कोचिंग संस्थानों की बहार है। जहां कई विद्यार्थी इन संस्थानों की कोचिंग का लाभ लेकर विभिन्न परीक्षाओं में टॉप करते आए हैं, वहीं ऐसे भी विद्यार्थी हैं, जिन्होंने कोचिंग इंस्टीट्यूट्स पर भारी खर्च किया मगर नतीजा सिफर ही रहा।

मार्गदर्शन

किसी कोचिंग इंस्टीट्यूट में जाने का सबसे बड़ा फायदा यही है कि वहां आपको शिक्षकों का मार्गदर्शन और मेंटरशिप मिलती है। इन संस्थानों में नियुक्त किए जाने वाले शिक्षकों के पास प्रतियोगी परीक्षाओं संबंधी व्यापक अनुभव और ज्ञान होता है। इसलिए वे विद्यार्थियों के हुनर को मांजकर और उनकी कमजोरियों को ताकत में बदलकर उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए सही राह दिखाने में सक्षम होते हैं।

स्टडी मटेरियल

कोचिंग क्लासेज में पैकेज के तहत जो स्टडी मटेरियल उपलब्ध कराया जाता है, वह विशेषज्ञों द्वारा एग्जाम पैटर्न और संपूर्ण सिलेबस के गहराई से अध्ययन के बाद तैयार किया जाता है। इसलिए इस मटेरियल में परीक्षा में महत्व के अनुसार टॉपिक्स कवर किए जाने की अधिक संभावना रहती है।

टाइम मैनेजमेंट, अनुशासन

जो उम्मीदवार प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए अभी नए हैं, उनके लिए समय प्रबंधन करना और पढ़ाई के मामले में अनुशासन का पालन करना जरा कठिन होता है। फिर यह भी है कि कई युवा अपनी अकादमिक पढ़ाई के साथ-साथ या फिर जॉब के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं। ऐसे युवा यदि कोचिंग इंस्टीट्यूट जॉइन करते हैं, तो यह सुनिश्चित हो जाता है कि वे अपनी तैयारी के लिए एक निश्चित समय और प्रयास हर हाल में देते ही हैं।

ऑनलाइन तैयारी के फायदे

ऑनलाइन पढ़ाई का सबसे बड़ा फायदा यही होता है कि यह उम्मीदवारों में सेल्फ स्टडी को बढ़ावा देती है। कई जानकार मानते हैं कि प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए सेल्फ स्टडी ही श्रेष्ठ होती है। इससे परीक्षार्थी अपनी सुविधा और जरूरत के अनुसार तैयारी की रणनीति बनाता है। साथ ही एक फायदा यह है कि इससे हर परीक्षार्थी अपनी ताकत और कमजोरी को अच्छी तरह पहचान पाता है।

जहां तक स्टडी मटेरियल का सवाल है, ऑनलाइन जगत में इसकी कोई कमी नहीं है। यहां आपको कोचिंग इंस्टीट्यूट्स तथा स्वतंत्र विशेषज्ञों द्वारा तैयार किया गया बेहतरीन स्टडी मटेरियल मिल जाएगा। यही नहीं, यह मटेरियल अलग-अलग फॉर्मेट में उपलब्ध होता है, जिससे परीक्षार्थी के पास अपनी जरूरत के मुताबिक चुनने के लिए विकल्प रहते हैं।

ऑनलाइन तैयारी का एक और फायदा होता है इसका किफायती होना। कोचिंग इंस्टीट्यूट्स के मुकाबले ऑनलाइन शिक्षा संसाधन कहीं कम दामों पर उपलब्ध होते हैं। कुछ संसाधन तो निशुल्क उपलब्ध होते हैं। यही नहीं, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर आपके पास यह विकल्प भी होता है कि आप चाहें, तो केवल उतना ही स्टडी मटेरियल, क्वेश्चन पेपर, ऑनलाइन वीडियो आदि खरीदें, जितने की आपको जरूरत है। इस प्रकार भी आपके पैसे की बचत हो सकती है।

कोचिंग इंस्टीट्यूट्स के नुकसान

कमतर शिक्षण स्तर

कोचिंग इंसटीट्यूट्स की अक्सर इस बात के लिए आलोचना की जाती है कि इनमें से कई में शिक्षण का स्तर कमतर होता है। कई कोचिंग संस्थान ऐसे लोगों को अपने यहां पढ़ाने के लिए रख लेते हैं, जो स्वयं प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल नहीं हो पाए। ऐसे लोगों के पास भले ही प्रतियोगी परीक्षाओं संबंधी जानकारी और अनुभव हो पर यह कतई जरूरी नहीं कि वे अच्छे शिक्षक भी होंगे। सही टीचिंग तकनीक भी जरूरी होती है।

स्टडी मटेरियल की गुणवत्ता

कोचिंग इंस्टीट्यूट्स का स्टडी मटेरियल परीक्षा के पैटर्न के लिहाज से प्रभावी तो होता है मगर अक्सर कोचिंग संस्थान जो मटेरियल प्रदान करते हैं, वह कालातीत (आउटडेटेड) और परंपरावादी होता है। इधर प्रतियोगी परीक्षाएं साल-दर-साल अधिक कठिन होती जा रही हैं और इनके पैटर्न में बार-बार परिवर्तन हो रहे हैं। ऐसे में पुराने ट्रैंड के अनुसार तैयार किया गया स्टडी मटेरियल परीक्षार्थियों के किसी काम का नहीं रहता।

व्यक्तिगत ध्यान नहीं

कोचिंग संस्थान तगड़ी फीस तो लेते हैं मगर वे क्लासरूम फॉर्मेट में ही काम करते हैं। एक क्लास में जितने अधक विद्यार्थी हों, संस्थान का उतना ही लाभ होता है। ऐसे में कई संस्थान एक-एक क्लास में ढेरों विद्यार्थियों को टूंस देते हैं। इस कारण विद्यार्थियों की ओर व्यक्तिगत ध्यान देना संभव नहीं रहता।

ऑनलाइन तैयारी

ऑनलाइन एजुकेशन कोचिंग की परंपरा के मुकाबले काफी नया है। आज लिखित स्टडी मटेरियल और ऑडियो-वीडियो संसाधन दोनों ही के रूप में विभिन्ना परीक्षाओं की तैयारी के लिए भरपूर सहायता ऑनलाइन उपलब्ध है। यही कारण है कि ऐसे युवाओं की संख्या बढ़ती जा रही है, जो प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी ऑनलाइन करना पसंद करते हैं।

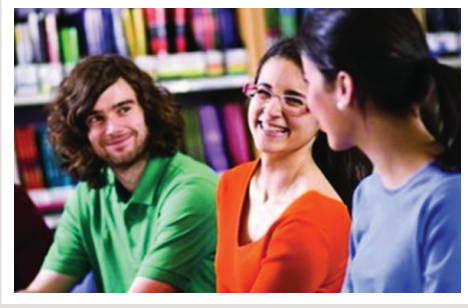

ऑनलाइन तैयारी के नुकसान

सीमित पहुंच

ऑनलाइन तैयारी की सबसे बड़ी खामी है इसकी सीमित पहुंच। काफी विस्तार के बावजूद आज भी हमारे देश के कई दूर-दराज हिस्सों में इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध नहीं है। जहां है, वहां भी अक्सर नेटवर्क की समस्या बनी रहती है। ऐसे में दूर- दराज के छोटे शहरों व गांवों में रहने वाले युवाओं के लिए तो यह पढ़ाई का विश्वसनीय स्रोत नहीं हो सकता।

मेंटरशिप का अभाव

ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर आपको बेहतरीन स्टडी मटेरियल तो मिल सकता है लेकिन यहां मेंटरशिप की कमी बहुत खलती है। किसी ट्यूटर की ओर से व्यक्तिगत ध्यान न मिल पाने के कारण उम्मीदवार अक्सर किसी क्लिष्ट कॉन्सेप्ट को लेकर भ्रमित नजर आते हैं। अपने डाउट क्लियर करने के लिए उनके पास कोई नहीं होता। ऑनलाइन तैयारी में आपको अनुभवी ट्यूटर्स के अनुभव का लाभ नहीं मिल पाता।

जानकारी की बाढ़

इंटरनेट पर दुनिया भर का ज्ञान उपलब्ध है मगर कभी-कभी इसकी यही खासियत इसकी खामी बन जाती है। जब आप यहां कोई खास जानकारी तलाशते हैं, तो आपके पास जरूरी के साथ-साथ बहुत-सी गैर-जरूरी जानकारी की बाढ़ आ जाती है। जानकारी की यह अति परीक्षा की तैयारी में बाधा ही डालती है, जबकि आपको फोकस्ड पढ़ाई करने की जरूरत होती है।

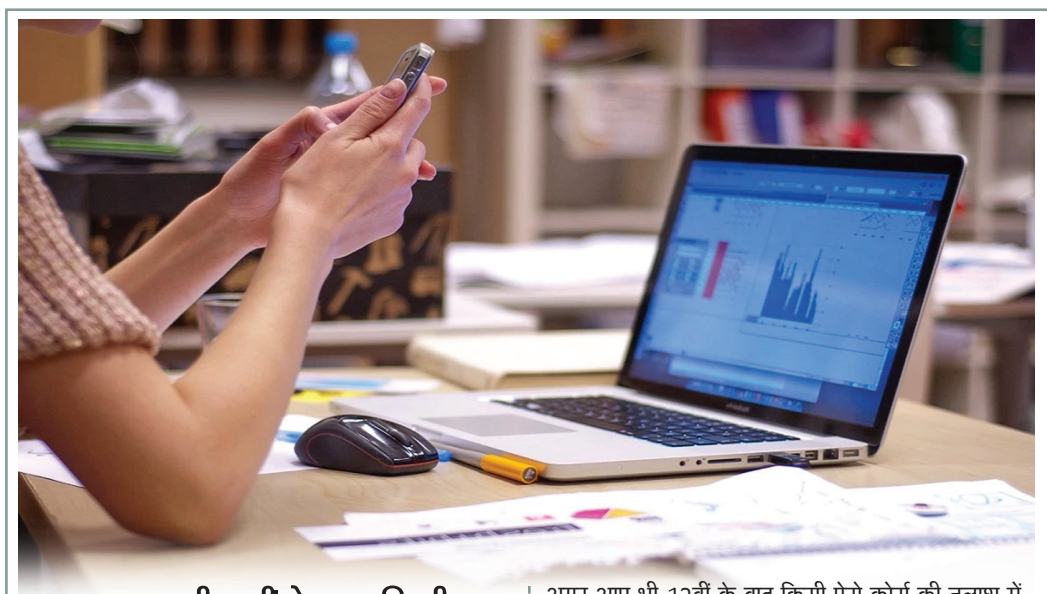

अगर आप भी 12वीं के बाद किसी बेहतरीन फील्ड की तलाश में हैं, तो गेमिंग फील्ड आपके लिए एक अच्छा ऑप्शन साबित हो सकता है। इस फील्ड में डायरेक्ट और इनडायरेक्ट तौर पर लाखों की संख्या में जॉब्स पैदा होने की संभावनाएं हैं।

करें गेम डिजाइनिंग का कोर्स कॅरियर ग्रोथ के साथ मिलेगा लाखों का पैकेज

अगर आप भी 12वीं के बाद किसी ऐसे कोर्स की तलाश में हैं, जहां पर आपके कॅरियर ग्रोथ के साथ अच्छा पैसा कमा सकें। तो बता दें कि आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। क्योंकि आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको एक बेहतरीन कॅरियर आप्शन के बारे में बताने जा रहे हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको गेमिंग इंडस्ट्री के बारे में जरूरी जानकारी देने जा रहे हैं।

बता दें कि इस फील्ड में आने के बाद आपको किस तरह का कॅरियर ग्रोथ मिलेगा। इस फील्ड में आने के लिए क्या क्वालिफिकेशन चाहिए होती है, इन सारे सवालों के जवाब आपको इस आर्टिकल में मिलेंगे। ऐसे में अगर आप भी 12वीं के बाद किसी बेहतरीन फील्ड की तलाश में हैं, तो गेमिंग फील्ड आपके लिए एक अच्छा ऑप्शन साबित हो सकता है। वर्तमान समय की बात करें तो देश में गेमिंग इंडस्ट्री में 50,000 से ज्यादा लोग फुल टाइम वर्क कर रहे हैं। जिसमें से 30 फीसदी लोग प्रोग्रामर और डेवलपर के तौर पर काम कर रहे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक यह फील्ड 20-30 प्रतिशत की दर से ग्रोथ करेगा। वहीं इस फील्ड में डायरेक्ट और इनडायरेक्ट तौर पर लाखों की संख्या में जॉब्स पैदा होने की संभावनाएं हैं।

गेम डिजाइनर

गेम डिजाइनर गेम के कैरेक्टर्स, गेम के लेवल के अलावा तमाम बारीकियों को ध्यान में रखकर उसे इंट्रेस्टिंग बनाने पर फोकस करते हैं। वहीं गेम राइटर डायग्राम आदि बनाकर उसके अलग-अलग वर्जन को तैयार करते हैं। गेम डिजाइनर को टेक्निकल नॉलेज होने के साथ ही सोच में क्रिएटिविटी भी होनी चाहिए। गेम तैयार करने के लिए उसकी डिजाइन, डेवलपर्स, आर्टिस्ट्स और अन्य प्रोफेशनल की टीम एक साथ वर्क करती है।

क्वालिफिकेशन

- छात्र ने साइंस स्ट्रीम से 12वीं पास किया हो।
- कंप्यूटर और सॉफ्टवेयर की नॉलेज होना जरूरी होता है।
- गेम डिजाइनर बनने के लिए आपकी इंग्लिश भाषा पर अच्छी पकड़ होनी जरूरी है।
- इस फील्ड में आप गेम डिजाइनिंग, गेम डेवलपिंग, आर्ट, एनिमेशन, कंप्यूटर साइंस, कंप्यूटर ग्राफिक्स, इलस्ट्रेशन या मार्केटिंग में बैचलर डिग्री या पेशेवर सर्टिफिकेशन कोर्स कर सकते हैं।

जरूरी स्किल्स

- गेमिंग फील्ड में कॅरियर बनाने वाले स्टूडेंट्स के पास कैरेक्टर डिजाइन, एनिमेशन, कांसेप्ट आर्ट और विजुअल इफेक्ट की जानकारी होनी चाहिए।
- इस फील्ड में 2 डी गेम डेवलपर्स, 3 डी गेम डेवलपर्स और जावा आदि में अपार संभावनाएं हैं।
- इस फील्ड में डिजाइनिंग के साथ 2डी सॉफ्टवेयर और 3डी मॉड्यूलिंग की नॉलेज होना बहुत जरूरी है।
- ऑडियो इंजीनियर के लिए युवाओं के पास साउंड इंजीनियरिंग और अन्य लैंग्वेज की जानकारी होना बेहद जरूरी है।

जॉब प्रोफाइल

इस फील्ड में युवा एनिमेटर, क्यूएक टेस्टर, ऑडियो इंजीनियर, गेम डिजाइनर, गेम डेवलपर, सॉफ्टवेयर इंजीनियर और प्रोड्यूसर, मैनेजर्स, कास्टर्स, ईस्पोर्ट्स प्रोफेशनल्स, स्ट्रीमर्स, इंफ्यूएंसर्स के तौर पर अपना कॅरियर बना सकते हैं।

सैलरी

इस क्षेत्र में अपना कॅरियर शुरू करने पर आपको 3 से 5 लाख रुपये सालाना की नौकरी आसानी से मिल जाती है। वहीं एक्सपीरियंस बढ़ने पर सालाना 13 से 15 लाख तक का भी पैकेज उठा सकते हैं। बता दें कि गेम प्रोड्यूसर इस फील्ड में सालाना 10 लाख रुपए तक कमा रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

मंडी विवाद पर फिर भड़की कंगना, अब राहुल गांधी पर बोला हमला

मंडी, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश की मंडी से चुनावी मैदान में उतरी कंगना रनौत ने यहां चुनाव प्रचार का आगाज कर दिया है। शुक्रवार को यहां पहले उन्होंने रोड शो किया उसके बाद जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। दरअसल मंडी सीट से बीजेपी की तरफ से उम्मीदवार के तौर पर उनके नाम की घोषणा होने के बाद कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने उनको लेकर एक भद्दा पोस्ट किया था। अब उन्होंने इस मामले में राहुल गांधी को भी आड़े हाथों लिया है। उन्होंने कहा, कांग्रेस नेता राहुल गांधी खुद कहते हैं कि वो हिंदुओं की शक्ति में नष्ट करना चाहते हैं तो कांग्रेस से और उम्मीद भी क्या की जा सकती है।

उन्होंने कहा, कांग्रेस मंडी से उनका नामांकन स्वीकार नहीं कर पाई है। वे घटिया राजनीति करने लगे हैं। उनके नेता राहुल गांधी हिंदुओं में शक्ति को नष्ट करने की बात करते हैं। उनके प्रवक्ता मंडी की महिलाओं पर अभद्र टिप्पणी करते हैं। मंडी का नाम ऋषि मांडव के नाम पर रखा गया है। मंडी वह स्थान है जहां ऋषि पराशर तपस्या में बैठे थे। मंडी हर साल महाशिवरात्रि पर सबसे बड़ा मेला आयोजित करती है और वे मंडी की महिलाओं के खिलाफ ऐसी अपमानजनक टिप्पणी करते हैं। लेकिन उनसे और क्या उम्मीद की जा सकती है

उन्होंने न्यूज एजेंसी से भी बात करते हुए राहुल गांधी पर जोरदार हमला बोला और कहा, राहुल गांधी कहते हैं कि वह शक्ति को नष्ट करना चाहते हैं। उनके लिए ऐसे भाषण कौन लिखता है...मैं चाहती हूं कि मंडी के लोग उन लोगों को जवाब दें जिन्होंने महिलाओं के बारे में अभद्र बातें की हैं। भारत के लोगों ने मुझे हमेशा आशीर्वाद दिया है और मंडी के लोग भी

बिहार में बंटवारे में कांग्रेस को कई ऐसी सीटें जहां 1984 के बाद नहीं मिली जीत

पटना, एजेंसी। लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर बिहार में महागठबंधन में सीटों का बंटवारा हो गया है। इसमें कांग्रेस पार्टी को कई ऐसी सीटें दी गई हैं जहां से 1984 के बाद पार्टी को जीत नहीं मिली। विरोधी दल बीजेपी ने भी सीट बंटवारे पर तंज कसा है। बिहार में कांग्रेस की सबसे मजबूत सीट किशनगंज है। इस सीट पर लगातार कांग्रेस को जीत मिलती रही है। पिछले चुनाव 2019 में भी यहां से कांग्रेस के मो. जावेद को जीत मिली थी। कटिहार सीट पर कांग्रेस को कई बार जीत मिली थी। 1980, 1984, 1996, 1998 में कांग्रेस को जीत मिली थी। 2014 में भी कांग्रेस छोड़ कर तारिक अनवर ने एनसीपी से यहां जीत दर्ज की थी। माना जा रहा है इस बार कांग्रेस की ओर से तारिक अनवर फिर मैदान में उतरेंगे। सासाराम सीट कांग्रेस का गढ़ माना जाता रहा है। यहां से कांग्रेस के जगजीवन राम लगातार कई बार सांसद रहे। अंतिम बार 2004 और 2009 में कांग्रेस की मीरा कुमार को यहां से जीत मिली थी। कभी कांग्रेस का गढ़ रहा भागलपुर में पिछले तीन दशक से कांग्रेस को जीत नहीं मिल सकी है। यहां से अंतिम बार 1984 में भागवत झा आजाद ने लोकदल के जागेश्वर मंडल को हरा कर जीत दर्ज की थी। 2009 में कांग्रेस ने सदानंद सिंह को मैदान में उतारा था, लेकिन हार हुई थी। 1991 में भी कांग्रेस के सदानंद सिंह को चुनचुन यादव ने बड़े अंतर से हराया था।

मुजफ्फरपुर से 1984 में कांग्रेस के ललितेश्वर प्रसाद शाही को जीत मिली थी। इसके बाद से यहां कभी कांग्रेस को जीत नहीं मिल सकी थी। महागठबंधन की बात करें तो यहां से 1998 में राजद की आरे से जय नारायण प्रसाद निषाद को जीत मिली थी। समस्तीपुर से 1984 में कांग्रेस के रामदेव राय को लोकसभा चुनाव में जीत मिली थी। इसके बाद से जनता दल, राजद, जदयू और लोजपा को जीत मिलती रही।

5 दशक में पहली बार चौधरी परिवार की बागपत से दूरी

उत्तर प्रदेश की 3 विरासत सीटों पर नया प्रयोग

नईदिल्ली, एजेंसी। 2024 का लोकसभा चुनाव कई नए मुकाम गढ़ने और राजनीतिक परंपराओं को तोड़ने वाला चुनाव बन गया है। ऐसा पहली बार होने जा रहा है, जब 1977 के बाद से पश्चिमी उत्तर प्रदेश की जाट बहुल सीट बागपत से चौधरी चरण सिंह के परिवार का कोई सदस्य चुनाव नहीं लड़ेगा। इसी तरह गांधी परिवार की राजनीतिक विरासत बन चुकी पीलीभीत सीट पर भी उस खानदान का कोई शख्स चुनाव नहीं लड़ने जा रहा है, क्योंकि बीजेपी ने वरुण गांधी को टिकट देने से इनकार कर दिया है। बागपत और पीलीभीत की ही तरह बरेली सीट का भी हाल है, जहां से पूर्व केंद्रीय मंत्री संतोष गंगवार का पत्ता साफ कर दिया गया है।

बिना चौधरी के बागपत सीट

बागपत जाटों का गढ़ रहा है और इसे पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के परिवार की विरासतवाली सीट माना जाता रहा है। चौधरी साहब ने यहां से तीन बार 1977 में जनता पार्टी के टिकट पर, 1980 और 1984 में लोकदल के टिकट पर चुनाव जीता था। उनके बाद 1989 और 1991 में उनके बेटे चौधरी अजित सिंह ने जनता दल के टिकट पर जीतकर इस राजनीतिक विरासत को संभाला। 1996 में अजित सिंह ने कांग्रेस से बागपत सीट जीती लेकिन 1998 के चुनावों में वह भाजपा के सोमपाल शास्त्री से चुनाव हार गए।

इसके बाद उन्होंने अपनी पार्टी राष्ट्रीय लोक दल बनाई और 1999 में इस सीट को कब्जाने में कामयाब रहे। उन्होंने 2004 और 2009 में भी इस सीट पर जीत दर्ज की लेकिन 2014 में वह सत्यपाल सिंह से चुनाव हार गए। 2019 में अजित सिंह ने बेटे जयंत चौधरी के लिए छोड़ दी लेकिन जूनियर चौधरी सीट नहीं बचा सके। अब जयंत राज्यसभा के सांसद हैं। जुलाई 2022 में ही वह पुराने साथी अखिलेश यादव के सहयोग और समर्थन से राज्यसभा पहुंचे हैं। जहां जुलाई 2028 तक का कार्यकाल शेष है। ऐसे में उन्होंने अपनी पारिवारिक और परंपरागत विरासत वाली बागपत सीट पर पार्टी के राष्ट्रीय सचिव राजकुमार सांगवान को उतारा है।

मेनका ने सींचा था पीलीभीत को

1984 में अमेठी संसदीय सीट से अपने जेठ और तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी से 2.7 लाख से अधिक वोटों के भारी अंतर से हारने के बाद गांधी परिवार की दूसरी बहू मेनका गांधी ने पीलीभीत की ओर रुख कर लिया था। उन्होंने पहली बार जनता दल के टिकट पर पीलीभीत से 1989 का संसदीय चुनाव जीता। धीरे-धीरे उन्होंने पीलीभीत को इस कदर सींचा कि वह उनकी पारंपरिक सीट बन गई। हालांकि, 1991 में वह बीजेपी के परशुराम से पीलीभीत का चुनाव हार गई थी लेकिन मेनका ने हार नहीं मानी थी। उन्होंने 1996 में जनता दल के टिकट पर दोबारा लड़कर यह सीट भाजपा से छीन ली।

इसके बाद उन्होंने 1998 और 1999 का लोकसभा चुनाव पीलीभीत से ही निर्दलीय जीता। 2004 में मेनका गांधी भाजपा में शामिल हो गईं। इसके बाद उन्होंने 2004 का चुनाव भाजपा उम्मीदवार के तौर पर जीता। 2009 में उन्होंने इस सीट को अपने 29 वर्षीय बेटे वरुण गांधी के लिए छोड़ दी और खुद आंवला शिफ्ट हो गईं। तब वरुण ने राजनीतिक एंट्री लेते हुए कांग्रेस के वीएम सिंह को 2.8 लाख वोटों के अंतर से हराया था। तब वरुण को 50 फीसदी से ज्यादा वोट मिले थे।

2014 के चुनावों में मेनका फिर पीलीभीत लौट आईं और बेटे वरुण को सुल्तानपुर से उतारा। दोनों ने जीत दर्ज की। उस वक्त भाजपा की लहर थी और नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने थे। 2019 में फिर मां बेटे ने सीट बदली और मेनका सुल्तानपुर जबकि वरुण पीलीभीत से चुनाव लड़े और जीत गए। इस बार भाजपा ने मेनका को सुल्तानपुर से तो उतारा लेकिन वरुण गांधी को उनकी ही पारिवारिक विरासत वाली सीट पीलीभीत से बेटिकट कर दिया गया। इस बार पीलीभीत से कांग्रेस से भाजपा में आए पूर्व केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद को उतारा गया है।

बरेली में भी गंगवार हुए पैदल

बरेली सीट भी भाजपा नेता संतोष गंगवार की पारंपरिक सीट रही है। कुर्मी समुदाय से आने वाले गंगवार ने सबसे पहले 1989 में इस सीट पर कब्जा किया था। तब उन्होंने कांग्रेस की बेगम आबिदा अहमद को हराकर पहली बार यहां जीत दर्ज की थी। 2009 को छोड़ दें तो संतोष गंगवार ने 1989 से लगातार 2019 तक यहां से जीत दर्ज की है। 2009 में कांग्रेस के प्रवीण सिंह एरोन से वह चुनाव हार गए थे। गंगवार अटल सरकार में भी मंत्री थे। उन्हें नरेंद्र मोदी की कैबिनेट में भी बतौर कपड़ा, संसदीय मामलों के मंत्री के रूप में शामिल किया गया था। बाद में उन्हें वित्त मंत्रालय और फिर श्रम और रोजगार मंत्रालय में स्थानांतरित कर दिया गया।

75 साल से ऊपर के हो चुके गंगवार को इस बार भाजपा ने टिकट नहीं दिया है। उनकी जगह बरेली सीट से पूर्व विधायक छत्रपाल सिंह गंगवार को उतारा गया है। सिंह बहेरी सीट से विधायक रह चुके हैं। उन्होंने 2007 में पहली बार सपा के अताउरर्हमान को हराकर वह सीट जीती थी। हालांकि, 2012 में वह 18 वोट से चुनाव हार गए थे। 2017 में उन्होंने फिर वहां से जीत दर्ज की लेकिन 2022 में फिर से हार गए थे।

अरविंद केजरीवाल पर ईडी का चौतरफा वार

दिल्ली जल बोर्ड घोटाले में चार्जशीट दायर

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में अरविंद केजरीवाल की अगुवाई वाली आम आदमी पार्टी (आप) सरकार की मुश्किलें दिन-प्रतिदिन चौतरफा बढ़ती ही जा रही हैं। शराब घोटाले में गिरफ्तार किए गए केजरीवाल को अब कोई राहत भी नहीं मिल पाई कि अब प्रवर्तन निदेशालय ने दिल्ली जल बोर्ड घोटाला केस में चार्जशीट फाइल कर दी है। राउज एवेन्यू कोर्ट सोमवार को ईडी की चार्जशीट पर संज्ञान ले सकती है।

ईडी की इस चार्जशीट में रिटायर्ड मुख्य इंजीनियर जगदीश अरोड़ा और ठेकेदार अनिल अग्रवाल को आरोपी बनाया गया है। बता दें कि दिल्ली जल बोर्ड घोटाला मामले में ही ईडी ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को भी समन जारी किया था, लेकिन वह पूछताछ में शामिल नहीं हुए थे।

जल बोर्ड घोटाले का पैसा आप नेताओं को दिया गया: इससे पहले फरवरी में आम आदमी पार्टी के नेताओं के 12 ठिकानों पर छापेमारी की गई थी। ईडी के मुताबिक, जल बोर्ड घोटाले का पैसा आम आदमी पार्टी के नेताओं को दिया गया था। यह पैसा आप के इलेक्शन फंड के लिए भी दिया गया। ईडी के मुताबिक, इस घोटाले में दिल्ली जल बोर्ड के तत्कालीन चीफ इंजीनियर जगदीश अरोड़ा ने यह बात जानते हुए भी कि कंपनी टेक्निकल एलिजिबिलिटी क्राइटेरिया को पूरा नहीं करती है, 38 करोड़ रुपये के ठेके एमएस एनकेजी इंफ्रास्ट्रक्चर को दिए थे।

जगदीश अरोड़ा ने रिश्वत का पैसा आप तक पहुंचाया: जगदीश अरोड़ा ने ही रिश्वत का पैसा आगे आम आदमी पार्टी से जुड़े लोगों तक पहुंचाया। इसी मामले में 31 जनवरी को प्रवर्तन निदेशालय ने जगदीश कुमार अरोड़ा और अनिल कुमार अग्रवाल को गिरफ्तार किया था।

ईडी ने 18 मार्च को केजरीवाल को किया था तलब: गौरतलब है कि, ईडी ने दिल्ली जल बोर्ड में कथित अनियमितताओं से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को समन भेजकर 18 मार्च को तलब किया था। हालांकि, केजरीवाल ईडी के समन को भी दरकिनार करते हुए पेश होने से इनकार कर दिया था। आम आदमी पार्टी (आप) ने इसे केजरीवाल को लोकसभा चुनाव में प्रचार करने से रोकने की बैकअप योजना करार दिया था।

किसी एक व्यक्ति के लिए नहीं रामलीला मैदान की इंडिया रैली: कांग्रेस

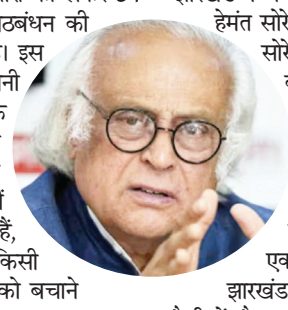

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को लेकर 31 मार्च को आप और इंडिया गठबंधन की रामलीला मैदान में महारैली है। इस रैली के जरिए विपक्ष अपनी ताकत दिखाएगा। हालांकि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश का कहना है कि यह रैली किसी एक व्यक्ति के लिए नहीं है। इसमें सारे नेता शामिल हैं, सारी पार्टियां शामिल हैं। ये किसी व्यक्ति नहीं बल्कि संविधान को बचाने के लिए है।

रैली को लेकर जयराम रमेश ने कहा, मैं बिलकुल स्पष्ट कर देना चाहता हूं। इंडिया गठबंधन की रैली है। किसी एक व्यक्ति के लिए रैली नहीं है। इसमें सारी पार्टिया, सारे नेता शामिल हैं। ये किसी व्यक्ति को बचाने के लिए नहीं है। ये संविधान को, लोकतंत्र को, निष्पक्ष चुनाव को बचाने की रैली है। हम खुद को मदर ऑफ डेमोक्रेसी कहते हैं। लेकिन जिस तरह से लोकतंत्र की हत्या हो रही है रोज, उसके खिलाफ यह रैली है। 4-5 मुद्दे हैं जिन पर यह रैली आयोजित की गई है। हमें हेमंत सोरेन, अरविंद केजरीवाल और कई अन्य लोगों को भी नहीं भूलना चाहिए, जिन्हें निशाना बनाया गया है। कांग्रेस नेता ने आगे कहा, झारखंड में जब भारत जोड़ो न्याय यात्रा पहुंची तो हेमंत सोरेन जी की गिरफ्तारी हुई। तो हेमंत सोरेन हैं, अरविंद केजरीवाल जी हैं, कई मंत्री हैं अलग-अलग राज्यों में दिल्ली में भी मंत्री हैं। झारखंड, तमिलनाडु के भी कई मंत्रियों को निशाना बनाया गया। तो कल की रैली को लोकतंत्र के नजरिए से देखा जाना चाहिए ना कि किसी एक पार्टी या एक व्यक्ति के तौर पर।

झारखंड के सीएम चंपाई सोरेन कल की रैली में मौजूद रहेंगे, और भी नेता होंगे। चंपाई जी को निमंत्रण देने खुद राहुल जी गए थे।

'आप' नेताओं ने घर-घर जाकर लोगों को आमंत्रित किया: आम आदमी पार्टी (आप) के नेताओं ने शुक्रवार को 31 मार्च को होने वाली पार्टी की महारैली के लिए घर-घर जाकर लोगों को आमंत्रित किया और साथ ही जेल में बंद अपने नेता अरविंद केजरीवाल के लिए समर्थन जुटाने के मकसद से कैंडल मार्च की अगुवाई की। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को आबकारी नीति में कथित भ्रष्टाचार के मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने 21 मार्च को गिरफ्तार कर लिया था।

स्वामी गौतमानंद ने रामकृष्ण मिशन के कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में पदभार संभाला

कोलकाता, एजेंसी। स्वामी गौतमानंद ने शुक्रवार को स्वामी विवेकानंद द्वारा स्थापित रामकृष्ण मठ और रामकृष्ण मिशन के कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में पदभार संभाला, जिसका मुख्यालय हावड़ा जिले के बेलूर में है। सबसे वरिष्ठ ट्रस्टी स्वामी गौतमानंद, जो आध्यात्मिक और शैक्षणिक संस्थान के उपाध्यक्ष थे, ने 26 मार्च को 16वें अध्यक्ष स्वामी स्मरणानंद (95) के निधन के बाद इसके कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में पदभार संभाला।

स्वामी गौतमानंद मूल रूप से तमिलनाडु के निवासी हैं, हालाँकि उनका पालन-पोषण मुख्यतः कर्नाटक में हुआ। वह रामकृष्ण मठ और रामकृष्ण मिशन की दिल्ली इकाई में एक भिक्षु के रूप में शामिल हुए। बाद में, उन्होंने स्वामी विवेकानन्द द्वारा प्रचारित मानव सेवा की सीख का अनुसरण करते हुए पूरे देश की यात्रा की। सबसे वरिष्ठ ट्रस्टी होने के अलावा, वह रामकृष्ण मठ और रामकृष्ण मिशन की चेन्नई इकाई के दैनिक मामलों को भी संभाल रहे थे।स्वामी गौतमानंद, जो लगभग 80 वर्ष के हैं, ने अपने प्रेरक भाषणों से लाखों भक्तों का दिल जीत लिया है।स्वामी स्मरणानंद के निधन के बाद वह चेन्नई से कोलकाता पहुंचे।अगले अध्यक्ष के नाम की आधिकारिक घोषणा होने तक वह कार्यवाहक अध्यक्ष बने रहेंगे।

आप ने फिर लगाए गंभीर आरोप, पूछा- ये रिश्ता क्या कहलाता है

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को खिलाफ आम आदमी पार्टी ने मोर्चा खोला हुआ है। आप लगातार प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मामले पर अरविंद केजरीवाल और अपना पक्ष रख रही है। शनिवार को भी दिल्ली सराकर में मंत्री आतिशी और सौरभ भारद्वाज ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की और आरोप लगाया कि कथित शराब घोटाले से जुड़े वाईएसआर कांग्रेस के सांसद मगुंटा श्रीनिवासुलु रेड्डी और उनके बेटे राघव मगुंटा रेड्डी का सीधे एनडीए से संबंध है। इसकी जांच भी ईडी द्वारा की जानी चाहिए।

सौरभ भारद्वाज ने कहा, एक सांसद होने के नाते एमएसआर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से मिले। वो भी अपने परिवार के ट्रस्ट की जमीन के सिलसिल में, जिसमें मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि जमीन उपराज्यपाल के अधीन आती है। आप अपना आवेदन दे दीजिए। मैं उसको फॉरवर्ड कर दूंगा। वो दिल्ली में ट्रस्ट के लिए जमीन चाहते थे, जिस पर मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि जमीन उपराज्यपाल का अधीन है। इसके बाद 16 सितंबर 2022 को एमएसआर के यहां छापा पड़ता है। जब इनका बयान लिया गया तो उन्होंने यही कहा कि मैं जमीन के सिलसिले में अरविंद

केरीवाल से मिलने गया था। सौरभ भारद्वाज ने कहा, इसके बाद इनके बेटे राघव मगुंटा रेड्डी को 10 फरवरी 2023 को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्हें पांच महीने तक जेल में रखा गया जिसके बाद एमएसआर टूट गए और 16 जुलाई 2023 को इन्होंने अपना बयान बदल लिया और पहली बार अरविंद केजरीवाल के खिलाफ बयान दिया। इसके बाद 18 जुलाई को उन्हें बेल मिल गई और अक्टूबर में सरकारी गवाह बनकर उन्होंने माफीनामा ले लिया। सौरभ भारद्वाज ने कहा, अब एनडीए के घटक दल टीडीपी ने उन्हें अपना उम्मीदवार बनाया है। यानी पीएम मोदी और बीजेपी अब अरविंद केजीवाल के खिलाफ मुख्य गवाह के परिवार के लिए लिए वोट मांगेंगे। ये रिश्ता क्या कहलाता है।

कैलाश गहलोत को समन पर क्या बोलीं आतिशी: उधर दिल्ली सरकार में परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत को ईडी का समन भेजे जाने के बाद आतिशी ने कहा कि किसी भी गिरफ्तारी का जांच से कोई लेना-देना नहीं है। अगर जांच से लेना होता तो भाजपा की भी जांच हो रही होती। यह पूरी जांच दिल्ली की चुनी हुई सरकार को गिराने के लिए। आम आदमी पार्टी को चुनाव को रोकने की जांच है। आज कैलाश गहलोत को बुलाया है। कल मुझे बुलाएंगे और हो सकता है कि परसों सौरभ भारद्वाज को ईडी द्वारा समन जारी कर बुलाया जाए। उसके बाद एक-एक कर हमारे विधायकों को बुलाया जाएगा।

उन्होंने कहा, यह चुनी हुई सरकार को गिराने की साजिश है। क्योंकि केंद्र की सरकार ने देख लिया है कि हर षड्यंत्र के बाद भी वो हमें चुनाव में हरा नहीं सके। इसलिए जांच के लिए अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार नहीं किया गया है। बल्कि सरकार को अस्थिर करने के लिए गिरफ्तार किया गया है। मौजूदा समय में लोकतंत्र पर प्रहार किया जा रहा है। विपक्ष के खातों के सीज किया जा रहा है और इनकम टैक्स विभाग नोटिस दे रहा है। अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी लोकतंत्र में अंतिम प्रहार है।

पीएम मोदी बिहार के विकास के लिए संकल्पित हैं : रविशंकर प्रसाद

पटना, एजेंसी। पूर्व केंद्रीय मंत्री और पटना साहिब के सांसद रविशंकर प्रसाद ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। उनके द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाएं आम जनमानस को लाभान्वित कर रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री बिहार के विकास के लिए संकल्पित हैं। प्रसाद ने वीडियो गीत मोदी संग बिहार लॉन्च करने के बाद पत्रकारों से कहा कि आज प्रत्येक देशवासी महसूस कर रहा है कि मोदी सरकार देश की तरक्की की गारंटी है। मोदी सरकार देश की खुशहाली की गारंटी है। मोदी सरकार हर गारंटी की पूरी होने की गारंटी है। प्रसाद ने कहा कि हम सभी को मिलकर फिर से मोदी सरकार बनानी है ताकि भारत दुनिया की तीसरी बड़ी आर्थिक ताकत बन सके। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री बिहार के विकास के लिए संकल्पित हैं। बिहारवासी भी उन्हें 40 लोकसभा सीट देकर तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए उत्साहित हैं। इससे पहले एक बार फिर पटना साहिब लोकसभा क्षेत्र से प्रत्याशी घोषित होने के बाद दिल्ली से पटना आने पर प्रसाद का पटना हवाई अड्डे पर भाजपा के कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया।

टीएमसी ने पीएम मोदी पर शेयर किया ऐसा कार्टून कि मच गया बवाल, बीजेपी नेता हमलावर

कोलकाता, एजेंसी। तृणमूल कांग्रेस की ओर से शेयर किए गए एक कार्टून को लेकर पश्चिम बंगाल की राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। भारतीय जनता पार्टी ने इसे लेकर सत्तारूढ़ पार्टी टीएमसी की आलोचना की है। इस कार्टून में बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को एक सीढ़ी को लात मारते हुए दिखाया गया है, जिस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बीजेपी के दूसरे सीनियर नेता खड़े हैं। टीएमसी ने एक्स पर कार्टून को शेयर करते हुए लिखा, बंगाल के द्वार किलेबंद हैं। ममता बनर्जी यहां पहरा दे रही हैं! भाजपा के जमींदार जो रेंगकर अंदर आने की कोशिश कर रहे हैं, वे खुद को लड़खड़ाते हुए पाएंगे।

कार्टून में पीएम मोदी के अलावा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी और कलकत्ता हाई कोर्ट के पूर्व जस्टिस अभिजीत गंगोपाध्याय भी दिख रहे हैं। बीजेपी के राज्यसभा सांसद समिक भट्टाचार्य ने इसे लेकर टीएमसी पर निशाना साधा है। उन्होंने इस पोस्ट को दुर्भाग्यपूर्ण और नुकसान पहुंचाने वाला बताया। उन्होंने कहा कि यह कार्टून बंगाल का नाम खराब कर रहा है। भट्टाचार्य ने कहा, मुझे नहीं लगता कि आजाद भारत में ऐसे बदनाम और अपमानित करने वाला कार्टून कभी बना होगा। ऐसा मुख्यमंत्री जो देश के संघीय ढांचे के बारे में बात करता है, वह देश के प्रधानमंत्री को लात मार रहा है। क्या यह पॉलिटिकल पार्टी है? इससे तो पश्चिम बंगाल का नाम खराब हो रहा है।

प्रधानमंत्री को लात मारते हुए दिखाया, यह अपमानजनक: भाजपा नेता ने एक्स पर कहा कि यह देखना बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। टीएमसी ने राजनीति को इस स्तर तक गिरा दिया है। उन्होंने कहा कि लोगों का राजनीति के प्रति सम्मान पहले ही खत्म हो चुका है। अगर इस तरह के अपमानजनक हमले जारी रहे तो टीएमसी लोगों का सम्मान लगातार खोती जाएगी।

अमित शाह पर कमेंट कर बुरा फंसे सिद्धारमैया के बेटे, भाजपा ने चुनाव आयोग से की शिकायत

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के बेटे यतींद्र सिद्धारमैया के खिलाफ भाजपा ने शुक्रवार को निर्वाचन आयोग में शिकायत दर्ज कराई। इसमें आरोप लगाया गया कि यतींद्र ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह पर हमला करने के लिए अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया, जो कि आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन है। भाजपा की राज्य इकाई ने इसे लेकर निर्वाचन आयोग को पूर्व विधायक के खिलाफ पत्र लिखा है। इसमें कहा गया, 'यह हमारे नेताओं पर निजी हमला है। यतींद्र सिद्धारमैया ने पूरी तरह से निंदनीय बयान दिया है। यह पीएम मोदी और गृह मंत्री शाह पर निजी हमला है।'

यतींद्र ने गुरुवार को कहा था, उन पर (अमित शाह पर) गुजरात में हत्या का आरोप है। उनकी आपराधिक गतिविधियों की पृष्ठभूमि रही है। लेकिन अब, वह देश में एक उच्च पद पर हैं। इस पर भाजपा नेताओं ने कहा कि मैसूर से लोकसभा चुनाव के लिए टिकट नहीं मिलने पर यतींद्र की निराशा ने उन्हें ऐसे बयान देने के लिए प्रेरित किया। भाजपा नेताओं ने कहा, सिद्धारमैया ने यतींद्र को मैसूरु से टिकट देने का वादा किया था, लेकिन उन्हें टिकट नहीं दिया। वह निराश हैं और यही कारण है कि वह यह सब कह रहे हैं। वह एक छोटा बच्चा है और उसे राजनीति में कोई अनुभव नहीं है। जितना अधिक ये लोग भाजपा और उसके नेतृत्व के खिलाफ बात करते हैं, भाजपा उतनी ही मजबूत होगी।

पिता के नाम पर राजनीति में आए यतींद्र: भाजपा नेता

भाजपा नेता सी टी रवि ने कहा, यतींद्र अपने पिता के नाम पर राजनीति में आए। अमित शाह ऐसे नहीं हैं। उन्होंने बूथ स्तर पर बूथ अध्यक्ष के रूप में काम किया और फिर शीर्ष पर पहुंचे। वह अपने पिता के नाम पर राजनीति में नहीं आए। कुछ लोग अपने पिता के नाम पर सत्ता में आने पर इस तरह का व्यवहार करते हैं। इसके अलावा, भाजपा नेताओं ने यतींद्र की टिप्पणियों के लिए उनके खिलाफ चुनाव आयोग और पुलिस में शिकायत दर्ज कराने की भी घोषणा की। उन्होंने सिद्दारमैया से भी आग्रह किया कि अगर वह निष्पक्ष और संतुलित सरकार बनाए रखना चाहते हैं तो अपने बेटे के खिलाफ कार्रवाई करें। भाजपा नेता एन रविकुमार ने कहा, यतींद्र ने गृह मंत्री अमित शाह के लिए बहुत अनुचित शब्दों का इस्तेमाल किया है। हम चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराएंगे और हम पुलिस में भी शिकायत दर्ज कराएंगे।

आरसीबी के लिए सबसे ज्यादा छक्के अब कोहली के नाम

80 प्लस की पारी खेलकर वॉर्नर को भी पीछे छोड़ा

नईदिल्ली, एजेंसी। विराट कोहली ने केकेआर के खिलाफ नाबाद 83 रन की पारी खेली और इस दौरान उन्होंने 59 गेंदों का सामना किया और इस दौरान 4 छक्के और इतने ही चौके भी जड़े। कोहली की इस पारी के दम पर आरसीबी का स्कोर 182 रन तक पहुंचा। इस सीजन में कोहली का यह बैक टू बैक अर्धशतक था।

कोहली ने अपनी पारी के दौरान 4 छक्के लगाए और इसके दम पर वह आरसीबी की तरफ से आईपीएल में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बने साथ ही साथ नाबाद 83 रन की पारी खेलकर उन्होंने इस मामले में डेविड वॉर्नर को भी पीछे छोड़ दिया। आरसीबी की तरफ से कोहली से पहले आईपीएल में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज क्रिस गेल थे, लेकिन कोहली ने केकेआर के खिलाफ 4 छक्के लगाकर अपने छक्कों की संख्या 241 कर ली और गेल को पीछे छोड़ दिया जिन्होंने 239 सिक्स लगाए थे। इस लिस्ट में 238 छक्कों के साथ एबी डिविलियर्स तीसरे नंबर पर हैं जबकि 67 छक्कों के साथ मैक्सवेल चौथे स्थान पर हैं।

कोहली ने वॉर्नर को पीछे छोड़ा

कोहली ने 83 रन की पारी खेली और आईपीएल में सबसे ज्यादा 80 प्लस की पारी खेलने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर आ गए। इस लीग में कोहली ने 16वीं बार ये कमाल किया जबकि वॉर्नर ने ऐसा 15 बार किया था और वह तीसरे नंबर पर चले गए। इस लीग में सबसे ज्यादा बार 80 प्लस की पारी 17 बार क्रिस गेल ने खेली थी।

आईपीएल में सर्वाधिक 80+ स्कोर

17 - क्रिस गेल
16 - विराट कोहली
15 - डेविड वॉर्नर
12- शिखर धवन
11 -जोस बटलर

आईपीएल में आरसीबी के लिए सबसे ज्यादा छक्के

241-विराट कोहली
239 - क्रिस गेल
238 - एबी डिविलियर्स
67 -ग्लेन मैक्सवेल
50 - फाफ डु प्लेसिस
35 - दिनेश कार्तिक
31 - रॉस टेलर
30- रॉबिन उथप्पा

RCB इस बार भी क्यों नहीं जीत पाएगा खिताब

पूर्व इंग्लिश दिग्गज ने बताई इस टीम की सबसे बड़ी कमी

नईदिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2024 में शुक्रवार को आरसीबी का सामना केकेआर के साथ हुआ, लेकिन इस मैच में घरेलू मैदान पर भी फॉफ डुप्लेसिस की टीम को 7 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। पिछले 3 मैचों में यह इस टीम की दूसरी हार थी जबकि केकेआर के खिलाफ आरसीबी का स्कोर बुरा नहीं था और इस टीम ने 182 रन बनाए थे।

आरसीबी के गेंदबाज इस स्कोर को डिफेंड कर पाने में सफल नहीं रहे थे। आरसीबी की इस बार के बाद इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने साफ तौर पर कहा कि ये टीम इस सीजन में भी चैंपियन नहीं बन पाई और उन्होंने इसका कारण भी बताया। आईपीएल के पिछले 16 सीजन में आरसीबी ने एक बार भी चैंपियन बनने का स्वाद नहीं चखा है और माइकल वॉन का फिर से इस तरह का बयान देना इस टीम के लिए अच्छा संकेत तो नहीं ही है। वॉन का मानना है कि इस सीजन में आरसीबी की गेंदबाजी आक्रमण जिस तरह की है उससे तो यह टीम चैंपियन नहीं बन पाएगी। केकेआर के हाथों 7 विकेट से मिली हार के बाद वॉन ने आरसीबी के लेकर एस्ट पर एक पोस्ट डाला और उसमें लिखा कि आरसीबी की टीम अपनी मौजूदा गेंदबाजी यूनिट की वजह से आईपीएल खिताब नहीं जीत सकती। बेंगलुरु घरेलू मैदान पर 183 रनों का बचाव करने में विफल रही, कोलकाता ने 7 विकेट और 19 गेंद शेष रहते लक्ष्य हासिल कर लिया। माइकल वॉन के अलावा पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज इरफान पठान ने भी इस टीम की गेंदबाजी को लेकर सवाल उठा दिए।

आईपीएल 2024 के बीच प्रियांक पांचाल ने रचाई शादी

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेटर प्रियांक पांचाल ने एक निजी समारोह में स्पोर्ट्स साइकोलॉजिस्ट कालना शुक्ला से शादी की। प्रियांक ने शादी की तस्वीरें शेयर करते हुए अपनी खुशखबरी के बारे में फैंस से साझा किया। एक ओर जहां आईपीएल 2024 का रोमांच फैंस के सिर चढ़कर बोल रहा है तो दूसरी ओर डोमेस्टिक क्रिकेट में रन मशीन कहे जाने वाले प्रियांक पांचाल ने शादी कर ली है। गुजरात क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान ने स्पोर्ट्स साइकोलॉजिस्ट कालना शुक्ला से धूमधाम से शादी रचाई। उन्होंने अपने खास दिन की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। प्रियांक ने तस्वीरों के साथ लिखा- वादों से भरे दिलों के साथ, हम प्यार की खूबसूरत यात्रा में अपने पथ पर शामिल होते हैं। हमारी कहानी को शेयर करने के लिए उत्साहित हूं। प्रियांक और कालना। तस्वीरों में वे शादी के मंडप में दिख रहे हैं।

पिछले साल की थी सगाई

टीम गुजरात के पूर्व कप्तान प्रियांक पांचाल ने पिछले साल अहमदाबाद स्थित की खेल मनोवैज्ञानिक कालना शुक्ला से सगाई की थी। उस समय प्रियांक ने अपने प्यार के बारे में कहा था- कालना और मैं एक-दूसरे को कुछ

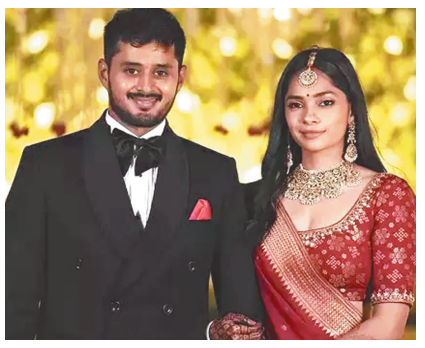

सालों से जानते हैं और एक साथ इस नई यात्रा को शुरू करना एक अद्भुत एहसास है। हमारे परिवार हमारे लिए खुश हैं।

कालना के बारे में खुलकर किया था प्यार का इजहार

कालना की किस बात को वह सबसे ज्यादा पसंद करते हैं, इस बारे में बात करते हुए प्रियांक ने कहा- मैं प्रशंसा करता हूं कि वह अपने काम के प्रति बहुत सतर्क रहती हैं। आज की प्रतिस्पर्धी दुनिया में खेल मनोवैज्ञानिक एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जब हम एक-दूसरे को जानने लगे, तो उन्होंने मेरी काफी मदद की। जैसे आप शारीरिक रूप से फिट रहने के लिए जिम में प्रशिक्षण लेते हैं, वैसे ही अपने दिमाग को प्रशिक्षित करना भी महत्वपूर्ण है।

इस दिन हुई प्रियांक पांचाल और कालना की शादी

रिपोर्ट की मानें तो शादी दो दिवसीय समारोह में संपन्न हुई। 28 मार्च को शादी और रिसेप्शन हुआ। प्रियांक को इंटरनेशनल टीम में सिलेक्शन हुआ, लेकिन वह अभी तक भारत के लिए किसी भी फॉर्मेट में डेब्यू नहीं कर सके हैं।

प्रियांक पांचाल का क्रिकेट करियर

क्रिकेट की बात करें तो उन्होंने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 120 मैचों में 45.52 की औसत से 8423 रन बनाए हैं, जबकि 27 शतक और 33 अर्धशतक उनके नाम हैं। वह उन चुनिंदा प्लेयर्स में शामिल हैं, जिनके नाम तिहरा शतक है।

स्टार्क की IPL में फिर हुई कुटाई तो आइसलैंड क्रिकेट ने उड़ाई खिल्ली

ऑस्ट्रेलिया के धाकड़ तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क आईपीएल 2024 में अब तक उम्मीदों के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सके हैं।

कोलकात नाइट राइडर्स (केकेआर) का हिस्सा स्टार्क दो मैचों में बिलकुल बेअसर नजर आए। वह गेंद से महंगे साबित हो रहे हैं। उन्होंने सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के विरुद्ध 53 जबकि शुक्रवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ 47 रन लुटाए। वह आठ ओवर में 100 रन खर्च कर चुके हैं और कोई विकेट नहीं लिया। उनका इस दौरान इकॉनमी रेट 12.50 का रहा। स्टार्क आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी हैं। उन्हें केकेआर ने नीलामी में 24 करोड़ 75 लाख में खरीदा था ताकि पेस अटैक मजूबत हों। स्टार्क के छाप नहीं छोड़ने पर फ्रेंचाइजी तो चिंतित होगी ही लेकिन क्रिकेट फैंस भी हैरान हैं। वहीं, आइसलैंड क्रिकेट ने कंगारू पेसर की खिल्ली उड़ाई है। आइसलैंड क्रिकेट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, आइसलैंड में एक बीयर से भी ज्यादा महंगा। आइसलैंड क्रिकेट की पोस्ट पर काफी रिएक्शन आ रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट किया, स्टार्क को लेना पैसे की बर्बादी नजर आ रहा है।

AIFF मेंबर ने की महिला फुटबॉलर्स से मारपीट

इंडियन विमेंस लीग-2 की घटना, एक्जिक्यूटीव कमेटी के मेंबर के खिलाफ शिकायत दर्ज

नईदिल्ली, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश स्थित क्लब, खाद स्रष्ट की दो विमेंस फुटबॉलर ने AIFF (ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन) की एक्जिक्यूटीव कमेटी के मेंबर दीपक शर्मा के खिलाफ कुछ गंभीर आरोप लगाए हैं। फुटबॉलरों के मुताबिक, शर्मा ने गोवा में चल रहे इंडियन विमेंस लीग 2 के दौरान एक होटल के कमरे में उनके साथ मारपीट की। फुटबॉलरों ने शुक्रवार को AIFF में शिकायत दर्ज कराई। जबकि, हमला गुरुवार को हुआ था।

फुटबॉलर्स के मुताबिक, शर्मा इस बात से नाराज थे कि प्लेयर्स खाना बना रहे है और उन्होंने उनके साथ मारपीट की। शर्मा हिमाचल प्रदेश फुटबॉल एसोसिएशन के महासचिव और टूर्नामेंट कॉम्पिटिशन कमेटी के डेप्यूटी चेयरपर्सन है। फुटबॉलरों ने यह भी कहा कि घटना के समय शर्मा नशे में थे और जब वे हिमाचल प्रदेश से गोवा जा रहे थे तो वह उनके सामने शराब पी रहे थे।

गोवा फुटबॉल एसोसिएशन की शिकायत के आधार पर दीपक शर्मा को मापुसा पुलिस स्टेशन में पूछताछ के लिए बुलाया गया है। फुटबॉल खिलाड़ियों में से एक पलक वर्मा ने

इस घटना के बारे में एनडीटीवी से बात करते हुए बताया, उस दिन, मैं मैच में चोटिल हो गई थी और अपने कमरे में अंडे लेकर आई थी।

रात को करीब 10: 30-11 बजे, मैं एक और खिलाड़ी ऋतिका ठाकुर के साथ किचन में अंडे बना रही थी। उस समय, सर ने हमें अपने कमरे में बुलाया। दूसरी लड़की उनके कमरे में गई और उनसे पूछा गया कि हम क्या कर रहे हैं। बताया कि अंडा तैयार किया जा रहा है। सर ने लड़की को डांटा और फिर मुझे अंदर बुलाया। उन्होंने अभद्र तरीके से पूछा कि मैं अंडा क्यों बना रही हूं।

पलक ने बताया, मैंने उसे समझाया कि खाना खत्म हो गया है और इसलिए मैं कमरे में अंडा बना रही हूं। उस वक्त वह नशे में थे, उन्होंने मुझसे अंडे फेंकने को कहा और मैं रोने लगी और अपने कमरे में आकर दरवाजा पीटने लगी। इतना सुनते ही सर कमरे की ओर भागे और बिना खटखटाए कमरे में दाखिल हो गए। वे आए और हमारे साथ मारपीट की। मेरी रूममेट ने उसे रोका और फिर वह चले गए। IWL-2 विमेंस लीग फुटबॉल की सेंकंड टियर लीग है।

शिकायत करने पर शर्मा की पत्नी ने भी दबाव डाला

पलक बोली, घटना के बाद उनकी पत्नी, नंदिता आईं। वे एक क्लब की मैनेजर भी हैं, उन्होंने हम पर दबाव डाला। उन्होंने हमसे कहा कि हमारे अंदर कोई संस्कार नहीं है। हमने GFA (गोवा फुटबॉल एसोसिएशन) और AIFF में शिकायत दर्ज कराई है। वे जांच के लिए आये थे। उन्होंने शर्मा से कहा कि वह लिखकर दे दें कि हमें कोई नुकसान नहीं होगा। मेरी उम्र 21 साल है. हम पर अपनी शिकायत वापस लेने का दबाव बनाया जा रहा है।

पलक ने कहा कि घटना के बाद से वह सो नहीं पाई हैं। वे खेलने में भी सक्षम नहीं हैं क्योंकि वे सही मानसिक स्थिति में नहीं हैं।

कप्तान हार्दिक पांड्या लगातार हो रहे हैं ट्रोल

स्टीव स्मिथ ने बताया उन्हें इस सबसे बचने का उपाय

नईदिल्ली, एजेंसी। हार्दिक पांड्या को जब से मुंबई इंडियंस का कप्तान बनाया गया है उन्हें स्टेडियम से लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म तक हर जगह क्रिकेट फैंस की नाराजगी झेलनी पड़ रही है। हार्दिक पांड्या जहां जाते हैं उन्हें लेकर फैंस तरह-तरह के कमेंट कर रहे हैं और सोशल मीडिय पर तो उन्हें जमकर ट्रोल किया जा रहा है।

इस हालात में हार्दिक करें तो क्या करें शायद ही उन्हें कुछ समझ आ रहा होगा, लेकिन अब ऑस्ट्रेलिया के क्रिकेटर साथ ही आईपीएल में कमेंट्री पैनल का हिस्सा बने स्टीव स्मिथ ने उन्हें इस सबसे बचने की सलाह दी।

ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज स्टीव स्मिथ का मानना है कि हार्दिक पंड्या को इंडियन प्रीमियर लीग के 2024 सीजन में मुंबई के अब तक के प्रदर्शन के कारण होने वाली आलोचना और भीड़ के दुर्व्यवहार को नजरअंदाज करने की जरूरत है। रोहित शर्मा से मुंबई की कप्तानी संभालने के बाद से हार्दिक की काफी आलोचना हो रही है। उनकी आलोचना तब और बढ़ गई जब मुंबई ने गुजरात और हैदराबाद के खिलाफ आईपीएल 2024 के अपने पहले दोनों मैच गंवा दिए। स्टीव स्मिथ ने ईएसपीएन क्रिकइंफो के टाइम आउट शो पर बोलते हुए हार्दिक पांड्या को आईपीएल के बचे हुए सीजन के लिए कुछ सलाह दी और उनसे बाहर होने वाले शोर पर ध्यान नहीं देने का आग्रह किया।

स्मिथ ने कहा कि इस तरह की बातों का कोई मतलब नहीं है और बाहर कोई नहीं जानता कि आप क्या कर रहे हैं और कोई भी बाहर का व्यक्ति उस चेंज रूम में नहीं है जहां क्या चल रहा है। उन्होंने आगे कहा कि तो क्या इसका उन पर (हार्दिक) पर कोई प्रभाव पड़ रहा है, हो सकता है कि ये संभव हो।

Wrestling: अब आर-पार के मूड में आया डब्ल्यूएफआई

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) में विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। डब्ल्यूएफआई ने शुक्रवार को विशेष आम बैठक (एजीएम) बुलाई और उसमें यह फैसला लिया कि अगर केंद्रीय खेल मंत्रालय उस पर लगाए निलंबन पर विचार नहीं करता है तो वह सरकारी खर्च के बिना काम करना शुरू कर देगा। खेल मंत्रालय ने संजय सिंह की अगुआई वाली नई डब्ल्यूएफआई की कार्यकारी समिति पर खेल संहिता के उल्लंघन के आरोप के चलते निलंबन लगाया हुआ है।

आईओए ने तदर्थ समिति को किया था भंग

खेल की वैश्विक संस्था यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) ने संजय सिंह की अगुआई वाली डब्ल्यूएफआई से निलंबन हटा दिया था। इसके बाद भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने भारत में कुश्ती का दैनिक कार्य देख रही भूपेंद्र सिंह बाजवा के नेतृत्व वाले तदर्थ समिति को भंग करने का निर्णय लिया था। आईओए द्वारा उठाए गए इस कदम के बाद ही डब्ल्यूएफआई ने अपनी एजीएम आयोजित की थी।

सरकार ने नहीं हटाया डब्ल्यूएफआई से निलंबन

डब्ल्यूएफआई की नई कार्यकारी समिति के अध्यक्ष संजय सिंह को भले ही यूडब्ल्यूडब्ल्यू और आईओए से राहत मिल गई है, लेकिन केंद्र सरकार से उन्हें अबतक राहत नहीं मिली है। सरकार के अनुसार, डब्ल्यूएफआई ने नियमों का उल्लंघन किया था और चुनाव संपन्न होने के तीन बाद ही डब्ल्यूएफआई को निलंबित कर दिया गया था।

सरकार से निलंबन हटाने का अनुरोध करेगा डब्ल्यूएफआई

न्यूज एजेंसी पीटीआई के हवाले से डब्ल्यूएफआई के एक सूत्र ने कहा, एजीएम के दौरान इस बात पर सहमित बनी है कि हम सरकार से निलंबन हटाने का अनुरोध करेंगे। यूडब्ल्यूडब्ल्यू ने निलंबन हटा लिया है और आईओए ने भी तदर्थ समिति भंग कर दी है इसलिए डब्ल्यूएफआई पर लगाए गए निलंबन को जारी रखने का कोई मतलब नहीं है।

अगर खेल मंत्रालय हमारे अनुरोध पर विचार नहीं करता है और वित्तीय सहायता प्रदान करने के खिलाफ फैसला लेता है तो हम भी सरकार से कोई खर्च लिए बिना अपना काम करेंगे।

डब्ल्यूएफआई ने अपने संविधान में किया संशोधन

एजीएम के दौरान डब्ल्यूफआई ने अपने संविधान में एक अहम संशोधन किया है। इसके अनुसार अब नए पद पर चुनाव लड़ने वाले किसी उम्मीदवार को दो तिहाई बहुमत से जीतने की जरूरत नहीं होगी। डब्ल्यूएफआई के कुछ महीने पहले संपन्न हुए चुनाव में संजय सिंह को अध्यक्ष पद के लिए दो तिहाई बहुमत से चुनाव जीतना जरूरी था क्योंकि वह महासंघ के पिछले कार्यकाल में संयुक्त सचिव थे।

संक्षिप्त समाचार

बारिश व आंधी तूफान के आसार, दो दिनों से मंडरा रहे हैं बादल

अररिया। मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ के कारण शनिवार व रविवार को रोहतास सहित दक्षिण बिहार कई जिलों में बारिश व आंधी तूफान की संभावना है। जिसको लेकर किसान के माथे पर परेशानी दिखने लगी है। पश्चिम बंगाल बिहार व अन्य राज्यों में दो दिनों तक मूसलाधार बारिश, वज्रपात व तेज रफ्तार की हवा चलने की पूर्वानुमान है। मौसम में परिवर्तन होने का आसार शुक्रवार को भी देखने को मिला जब दिन भर मौसम शुष्क रहा और आसमान में बादल छाए रहा। ऐसे तो बीते दो दिनों से पूर्वी हवा चलने के कारण आसमान में बादल मंडरा रहा है। जिससे किसान काफी चिंतित है। अगर मौसम विभाग का पूर्वानुमान सत्य होता है सबसे अधिक गेहूं की खेती करने वाले किसान प्रभावित होंगे।

गंदगी से बजबजा रहा जगदीशपुर का झंझरिया पोखरा

आरा। 25 दिनों के बाद 23 अप्रैल को वीर कुंवर सिंह का विजयोत्सव मनाया जाएगा। तब 1857 के क्रांति के महायोद्धा बीर बांकुड़ा कुंवर सिंह के शौर्य व वीरता की गाथा लोग गाएंगे। कुंवर सिंह का स्मृतिशेष प्रशासनिक उदासीनता के कारण आज अपने बदहाली पर आंसू बहा रहा है। ऐतिहासिक झंझरिया पोखरा व खान साहब पोखरा के चारों तरफ गंदगी व कचरे का अंबार लगा है। पोखरे के समीप लोग मल मूत्र त्याग रहे हैं। मीट मछली सहित अन्य दुकानों से निकलने वाले कचरे व गंदगी को पोखरे के अंदर फेंका जा रहा है।

भाकपा-माले ने 3 सीट पर उम्मीदवार फाइनल किए

पटना। भाकपा-माले ने आज बिहार की तीन लोकसभा सीट पर अपने कैंडिडेट के नामों का ऐलान कर दिया है। इंडी गठबंधन में भाकपा-माले को आरा, काराकाट और नालंदा लोकसभा सीटें मिली हैं। कल हुए सीट शेयरिंग के बाद पार्टी ने आरा से सुदामा प्रसाद, काराकाट से राजा राम सिंह और नालंदा से संदीप सौरभ को अपना कैंडिडेट बनाया है। वहीं झारखंड की कोडरमा सीट से बगोदर के वर्तमान विधायक विनोद सिंह कोडरमा से प्रत्याशी होंगे। विनोद सिंह अपने पिता महेंद्र सिंह के निधन के बाद 2005 में बगोदर से विधायक बने। इधर अगिआंव उपचुनाव में भाकपा माले ने आरवाइए के राज्य सचिव शिवप्रकाश रंजन को मैदान में उतारा है। मनोज मंजिल को हत्या के केस में सजा होने के बाद उनकी सदस्यता खत्म कर दी गई थी। इसके बाद इस सीट पर उपचुनाव हो रहा है। शिवप्रकाश रंजन बिहार में छात्र आंदोलन के चर्चित नेता रहे हैं। उन्होंने आइसा के बिहार राज्य सचिव की जिम्मेवारी भी संभाली है। वे भाकपा-माले की राज्य कमिटी के भी सदस्य हैं। बता दें कि आरा और काराकाट में भाकपा-माले का मजबूत जनाधार माना जाता है। भोजपुर जिले में पार्टी के दो विधायक हैं। अगिआंव से मनोज मंजिल और तरारी से सुदामा प्रसाद विधायक हैं। हालांकि अब मनोज मंजिल की सदस्यता खत्म हो गई है। वहीं काराकाट विधानसभा क्षेत्र से अरुण सिंह विधायक हैं। इसी इलाके के ओबरा से राजा राम सिंह विधान सभा चुनाव जीतते रहे हैं। पिछली बार वे हार गए थे। पार्टी ने 3 में से 2 विधायक को टिकट दिया है। इनमें सुदामा प्रसाद और संदीप सौरभ हैं। सुदामा प्रसाद आरा जिले के ही तरारी विधानसभा से भाकपा-माले के विधायक हैं। उन्होंने 2015 में पहली बार तरारी सीट पर जीत हासिल की और फिर 2020 के विधानसभा चुनाव में दोबारा निर्वाचित हुए।

राष्ट्रीय साहित्य रत्न सम्मान से सम्मानित मीरा सिंह "मीरा'

बक्सर। हजार बर्क़ गिरे लाख आंधियां उठे वह फूल खिल के रहेंगे जो खिलने वाले हैं - कवियत्री मीरा सिंह "मीरा" के ऊपर सटीक बैठता है। अपने शैक्षणिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाते हुए साहित्य साधना में भी सतत लीन रहीं हैं। सतत संघर्षशील और प्रयासरत रहने का पर्याय है मीरा। जिले के लिए गर्व की बात है कि हिंदी साहित्य, शिक्षा, कला और समाज सेवा के क्षेत्र में बहुआयामी विशिष्ट योगदान देने के लिए इन्हें संस्कृति साहित्य मंच इंदौर (मध्यप्रदेश) की ओर से राष्ट्रीय साहित्य रत्न सम्मान 2024 से सम्मानित किया गया है। गौरतलब है कि मीरा सिंह "मीरा" पहले महारानी उषारानी बालिका मध्य विद्यालय डुमरांव तदोपरांत एसटीईटी देकर महारानी उषारानी बालिका उच्च विद्यालय डुमरांव और अब बीपीएससी परीक्षा में सफल होकर राजापुर हाईस्कूल अर्जुनपुर, सिमरी में सेवा दे रही हैं। सम्मान समारोह 3 मार्च को भोपाल में आयोजित था, लेकिन उसमें शामिल नहीं हो सकी। प्रमाणपत्र, स्मृति चिह्न, सफेद मोतियों का माला, दो पुस्तकें एवं शाल रजिस्टर्ड डाक से प्राप्त की। अबतक निज व्यय से चार किताबें प्रकाशित हो चुकी हैं। फिलहाल में राजस्थान के चर्चित साहित्यकार दीनदयाल शर्मा द्वारा अनुदित "राजस्थानी बाल बत्तीसी" जिसमें देश के बत्तीस चुनिंदा बाल साहित्यकारों की पांच पांच बाल कविताएं हैं, इनकी भी पांच बाल कविताएं शामिल हैं।

समाजसेवी मिथलेश पाठक ने कहा पार्टी का हर निर्णय मंजूर, बक्सर से भाजपा ने नहीं दिया टिकट

बक्सर। बक्सर में समाज सेवी के तौर पर काम करन वाले भाजपा नेता मिथलेश पाठक ने अपने समर्थकों का भ्रम दूर करने के लिए प्रेस वार्ता किया। इसमें उन्होंने कहा कि भाजपा के शीर्ष नेतृत्व पर पूरा भरोसा है। उनका जो भी निर्णय है वह मंजूर है। पार्टी का नेतृत्व कुछ ही लोग करते है और बाकी सभी लोग कार्यकर्ता होते है। गांव का नेतृत्व भले ही हम समाज सेवी करते है, लेकिन एक जुट होकर काम करना होगा। ऐसा नहीं करते है तो आपस में मतभेद के कारण जनता का नुकसान हो जाता है। मालूम हो कि भाजपा ने अपने पुराने गोपालगंज वैकुंठपुर के पूर्व विधायक सह मंत्री प्रभारी मिथलेश तिवारी पर भरोसा दिखाया है। इसके बाद गुजरात के व्यवसायी सह बक्सर निवासी मिथलेश पाठक के समर्थकों की ओर से निर्दलीय मैदान में उतरने की बात कही जा रही थी।

भाजपा नेता अश्विनी चौबे फूट-फूटकर रोए, लोग कह रहे- टिकट कटने से दुखी हैं

बक्सर। BJP ने पिछले दिनों बिहार की 17 सीटों पर लोकसभा उम्मीदवारों की सूची जारी की थी। इस सूची में 4 पुराने चेहरों का टिकट काटा गया था। इनमें से एक नाम अश्विनी चौबे का था। बताया गया कि उनके खिलाफ क्षेत्र में भारी एंटी इनकंबेसी थी और इस कारण उन्हें बेटिकट कर दिया गया। अश्विनी चौबे की जगह भाजपा ने मिथलेश तिवारी को बक्सर से उम्मीदवार बनाया है। इस बीच सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो में अश्विनी चौबे फूट-फूटकर रोते दिखाई देते हैं। दावा किया जा रहा है कि बक्सर से टिकट कटने से दुखी अश्विनी चौबे इतने भावुक हो गए कि फूट-फूटकर रोने लगे। इस दावे से जुड़े ट्वीट्स हमें कई वेरिफाइड और नॉन वेरिफाइड एक्स अकाउंट्स पर देखने को मिले। RJD से जुड़े आलोक चिक्कू नाम के एक वेरिफाइड यूजर ने ट्वीट किया- अश्विनी चौबे के एक एक आंसू का बदला लेगा ब्राह्मण समाज, भाजपा ने अश्विनी चौबे का टिकट काटकर बिहार के ब्राह्मणों का अपमान किया है। ब्राह्मण समाज स्वाभिमानी समाज है वो ऐसी पार्टी को कभी वोट नहीं करेगा जिसने उसके प्रिय नेता को सार्वजनिक जगह पर रोने को मजबूर कर दिया हो।

युवक ने फंदे से लटक कर की आत्महत्या

निज संवाददाता। बक्सर

बक्सर के नगर थाना क्षेत्र के खलासी मुहल्ले में एक युवक ने पंखे में फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया है। जिसकी सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई हैं। हालंकि युवक के पास से कोई सुसाइट नोट बरामद नहीं हुआ है। हालांकि युवक के दोस्त ने बताया की नौकरी चले जाने से वह डिप्रेशन में था। युवक बक्सर में किराए के मकान में रहता था। किराए के मकान में ही फांसी लगाकर आत्महत्या किया है।पुलिस द्वारा युवक के परिजनो को इस घटना की सूचना दे शव को फंदे से उतार पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मृतक की पहचान पटना निवासी महेश कुमार के पुत्र राजा कुमार शर्मा(29) के रूप में हुई है।

गेट तोड़कर निकाली लाशः वह अपने एक मित्र गोविंदा कुमार पिता सुनील कुमार निवासी बिहटा के साथ 6 महीना पूर्व बक्सर में एमआई कंपनी की सर्विस एंड रिपेयर की फ्रेंचाइजी लेकर काम करता था। बक्सर नगर थाना क्षेत्र के खलासी मुहल्ले में दोनों दो कमरे किराए पर लेकर रह रहे थे। इसी बीच शुक्रवार को कंपनी की फ्रेंचाइजी सर्विस कंपनी के द्वारा वापस ले ली गई। जिसके बाद दोनों युवक देर शाम किराए के कमरे में पहुंचे और रात में खाना खाकर अपने अपने कमरे के सोने चले गए। सुबह काफी देर तक राजा ने गेट नही खोला तो गोविंदा उठा और राजा का गेट खटखटाने लगा तो अंदर से कोई आवाज नहीं आया।

नौकरी जाने से डिप्रेशन में थाः जिसके बाद इसकी सूचना गोविंदा ने मकान मालिक को दी। काफी आवाज देने और दरवाजा पीटने पर जब गेट नहीं खुला तो गेट तोड़ कर जब देखा गया तो अंदर राजा का शव फांसी के फंदे पर लटका मिला। जिसके बाद घटना की सूचना नगर थाने की दी गई। वहीं मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और घटना के कारणों का पता लगाने में जुटी हुई है। वही दोस्त गोविंदा ने कहा की नौकरी जाने के कारण वह काफी परेशान चल रहा था। आशंका जताया जा रहा है की नौकरी जाने के डिप्रेशन से युवक ने फंखे में फंदा लगाकर झूल आत्महत्या कर लिया। वहीं कई लोगों के द्वारा मामला प्रेम-प्रसंग का भी होने का आशंका जताया जा रहा है।

मामले की जांच में जुटी पुलिसः नगर थाने के सब-इंस्पेक्टर जयप्रकाश सिंह ने बताया कि विभिन्न बिंदुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच की जा रही है। परिजनों को सूचना दे दी गई है उनके पहुंचने के बाद ही मामला स्पष्ट हो पाएगा।

टिकट मिलने के बाद आरण्य देवी पहुंचे आर के सिंह, पत्नी-बेटे संग की पूजा

निज संवाददाता। आरा

एनडीए समर्थित भाजपा से लगातार तीसरी बार आरा लोकसभा सीट से टिकट मिलने के बाद केंद्रीय मंत्री आरके सिंह आरा पहुंचे। जहां आरके सिंह का ढोल-नगाड़ों के साथ भव्य स्वागत किया गया। आरके सिंह ने बताया कि एक बार फिर से भाजपा से टिकट मिला है और इस बार फिर से जीत की हैट्रिक ही नहीं बल्कि जितना पिछली बार से जीते थे उससे कई ज्यादा वोट से जीतेंगे। आरा की जनता बहुत स्नेह, प्यार करती है। लोगों के प्रति प्रेम इतना है आप लोग देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं आरा का हूं और 1975 से ही मैं आरा का हो गया हूं। अब मां आरण्य देवी की कृपा रही तो तीसरी जीत होगी और पिछले बार से ज्यादा का मारजिंग होगा।

पूरे भोजपुर जिले में भ्रमण करेंगेः आरके सिंह शनिवार को पूरे भोजपुर जिले में भ्रमण करेंगे। वे कायमनगर, धरहरा, रामगढिया, आरण्य देवी स्थान, गोपाली चौक, मठिया मोड़, महावीर स्थान रमना आरा, शहीद भवन मोड़, जज कोठी मोड़, पकड़ी चौक, कतीरा मोड़, धोबीघटवा, जीरो माइल, उदवंतनगर, गड़हनी बाजार, चरपोखरी, पीरो, जितौरा, जगदीशपुर नगर, नयकाटोला, दांवा, बिहिया, बिहिया चौरास्ता, गजराजगंज, भाजपा जिला कार्यालय बामपाली में भ्रमण समाप्त करेंगे।

मां की प्रतिमा देकर उन्हें जीत की अग्रिम बधाई दीः आरा आते ही आरके सिंह ने सबसे पहले अपनी पत्नी शीला सिंह और बेटे समीर सिंह के साथ मां आरण्य देवी में जाकर पूजा-अर्चना की। आरण्य देवी के महंत संजय बाबा ने पूजा कराया। इसके बाद संजय बाबा और आरण्य देवी मंदिर के सदस्यों ने मां की प्रतिमा देकर उन्हें जीत की अग्रिम बधाई दी। उसके बाद सड़क भ्रमण करते हुए गोपाली कुआं पहुंचे। जहां उनपर फूलों की बारिश हुई।

एक दिन में गांव के तीन लोगों की मौत, दो की हालत गंभीर

निज संवाददाता। बक्सर

बक्सर के मनकी गांव में एक ही दिन में तीन लोगों की संदिग्ध स्थिति में मौत हो गई है। जबकि अन्य दो लोगों का इलाज पटना में चल रहा है। घटना की सूचना पर डीएम और एसपी जांच के लिए पहुंचे है।डीएम ने कहा कि संदेहास्पद स्थिति में तीन लोगों की मौत हुई है और फिलहाल घटना की जांच की जा रही है। हालांकि तीनों का दाह संस्कार बिना पोस्टमॉर्टम के कर दिया गया है। घटना को लेकर बताया जा रहा है कि बुधवार की रात 5 लोगों की तबीयत अचानक खराब हो गई। इसमें गांव के निवासी सुधीर चौधरी उम्र 30 साल के पेट में दर्द और उल्टी की शिकायत हुई। परिजनों ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया। जहां पर इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। वहीं बुधवार को शत्रुधन साह उम्र 50 साल की भी मौत हो गई। इसके बाद गुरुवार को सतेंद्र चौधरी की मौत हो गई। जबकि दो लोग हरेंद्र सिंह उर्फ काली यादव उम्र 40 साल और दामोदर यादव को पटना रेफर किया गया। इधर तीन मौत के बाद भी परिजनों ने किसी को कुछ सूचना दिए बिना दाह संस्कार कर दिया। वही इस संबंध में एसपी मनीष कुमार ने कहा कि परिजनों ने दाह संस्कार कर दिया है और कारणों का स्पष्ट अंदाजा नहीं लग रहा है। जांच की जा रही है आगे जो भी होगा बता दिया जाएगा। इसके अलावा परिजन कुछ भी बताने को तैयार नहीं है। बता दे कि जांच के लिए डीएम अंशुल अग्रवाल, एसपी मनीष कुमार, डीडीसी डॉ महेंद्र पाल, एसडीपीओ डुमरांव, ब्रह्मपुर बीडीओ, सीओ व कई थानेदार पहुंचे थे।

झड़प और फायरिंग मामले में चार को किया गिरफ्तार, गाड़ी लगाने को लेकर हुआ था विवाद

निज संवाददाता। आरा

भोजपुर जिले के चरपोखरी थाना अंतर्गत गड़हनी में रोडवेज के विवाद को लेकर हुए झड़प और फायरिंग के मामले में पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इसे लेकर एक पक्ष से आनंद कुमार सिंह ने पांच नामजद समेत 20 से 25 अज्ञात, दूसरे पक्ष से मोहम्मद शकील ने भी पांच नामजद समेत 10 अज्ञात के विरुद्ध प्राथमिक की कराई है। पुलिस ने दोनों पक्षों के चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। एक पक्ष से मोहम्मद समीर, बदरुद्दीन मियां और शकील अहमद उर्फ मुन्ना मियां है। जबकि दूसरे पक्ष से आनंद कुमार सिंह को गिरफ्तार किया गया है। एसपी प्रमोद कुमार ने बताया कि घटना के तुरंत ही बाद डीएसपी राहुल सिंह ने गड़हनी पहुंचकर पूरे मामले की जांच की।

गाली-गलौज करते मारपीट शुरू कर दीः आनंद कुमार सिंह ने प्राथमिकी में कहा है कि रात 8:30 बजे वह अपने घर में थे। इस दौरान 20 से 25 की संख्या में लाठी और हथियार से लैस आरोपियों ने हमला कर दिया। गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। उनके पुत्र आर्यन मियां पर फायरिंग की गई। प्राथमिकी में राजन मियां, डिस्को, मोहम्मद समीर, बशीरुद्दीन मियां और मुन्ना मियां को नामजद और अज्ञात को आरोपित किया गया है। दूसरी ओर शकील अहमद ने प्राथमिकी में कहा है कि रात में जब वह नमाज पढ़ कर लौट रहे थे की आर्यन सिंह समय दस अज्ञात लोगों ने घेरकर मारपीट की। इसके बाद वे जान बचाकर वहां से भाग निकले। घर पर आने के बाद हथियारबंद तत्वों ने गाली–गलौज करते हुए फायरिंग की। जिसमें आनंद सिंह, रमन सिंह, पंकज सिंह और जितेश कुमार को नामजद आरोपित किया गया है।

गली में गाड़ी ले जाने को लेकर हुआ था विवादः चार-पांच दिन पहले मुस्कान नामक एक व्यक्ति के ड्राइवर और छोटू नामक एक व्यक्ति के भतीजे के बीच गली में गाड़ी ले जाने के दौरान आपस में हाथापाई हुई थी। इसके बाद गुरुवार की रात दूसरे पक्ष के 10 से 15 लोग छोटू के दरवाजे पहुंच गए। विवाद के दौरान किसी ने दौरान फायरिंग कर दी थी जिससे मौके पर भगदड़ की स्थिति उत्पन्न हो गई। एसपी ने कहा कि इस मामले को गंभीरता से लेते हुए एक टीम का गठन किया गया है। जल्द सभी गिरफ्तार होंगे।

अनुकम्पा आश्रित शिक्षक प्रशासनिक व्यवस्था से हैं मायूस

निज संवाददाता। बक्सर

नियुक्ति की आस लगाए अनुकम्पा आश्रित शिक्षक पूरी तरह से मायूस नजर आ रहे हैं। क्योंकि उन्हें आश्वासन के सिवाय अभी तक कुछ नही मिला। ऐसे में उनके घर की माली स्थिति पूरी तरह से प्रभावित हो गई है। बता दें कि नियुक्ति पत्र के मांग को लेकर पिछले साल से धरना प्रदर्शन करने वाले आखिरकार जिला परिषद प्रशासन की टाल-मटोल रवैये से थक हार कर मौन बैठ गए हैं। करे भी तो क्या। 10 वर्षों से नौकरी के आस में अनुकम्पा आश्रित गुहार पर गुहार लगा रहें हैं। जहां उन्हें आश्वासन के अलावा कुछ नहीं मिला। बता दें कि जिले के 114 शिक्षक अनुकम्पा आश्रित हैं। जिन्हें बहाल करने को लेकर जिला परिषद बक्सर के कार्यपालक पदाधिकारी सह डीडीसी डॉ महेंद्र पाल द्वारा न केवल सूची बनवाई गई, बल्कि नियुक्ति को लेकर लिस्ट भी बनवाया। किन्तु नियुक्ति नहीं की। कलेक्ट्रेट गेट पर कर चुके हैं धरना- प्रदर्शन नौकरी की मांग पर अड़े शिक्षक अनुकम्पा आश्रितों ने कई बार कलेक्ट्रेट गेट को जाम तक किया। जहां स्थानीय पदाधिकारियों के आश्वासन के बाद हट गए। इसके बाद धरना प्रदर्शन तक भी किया। बावजूद कोई पहल नहीं की गई। 2023 में जारी हुआ था नियुक्ति का शेड्यूल मालूम हो कि डीडीसी डॉ. महेन्द्र पाल द्वारा बहाली का शिड्यूल जारी करते हुए 7 अगस्त 2023 को नियुक्ति पत्र देने को कहा था। किंतु 7 अगस्त को कलेक्ट्रेट परिसर में पहुंचने पर अभ्यर्थियों को मालूम चला कि यहां नियुक्ति प्रक्रिया को शिक्षा विभाग से मार्गदर्शन मांगने का हवाला देकर रोक दिया गया है। इसके बाद माध्यमिक शिक्षा विभाग से मार्गदर्शन भी आ गया। बावजूद कोई पहल नही किया गया। हालांकि डीडीसी ने उन्हें आश्वस्त किया था कि शीघ्र नियुक्ति की प्रक्रिया को शुरू की जाएगी। आश्रितों ने बताया कि अधिकारियों ने कहा था कि एक साथ 114 की बजाए शिक्षा विभाग द्वारा सभी तरह से योग्य व अनुशंसा के बाद पार्टवाइज उन्हें नियुक्त की जाएगी।

सड़क हादसे में वृद्ध महिला की मौत, बेटे संग स्कूटी से कर रही थी सफर

निज संवाददाता। आरा

भोजपुर जिले टाउन थाना क्षेत्र के धनुपरा बिंद टोली के समीप सड़क हादसे में जख्मी वृद्ध महिला की मौत हो गई। इलाज के दौरान सदर अस्पताल की इमरजेंसी वार्ड में शनिवार की सुबह उन्होंने दम तोड़ दिया। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी का आलम है। मृतका गीधा थाना क्षेत्र के बीरमपुर गांव निवास स्व.जगलाल तिवारी की 70 वर्षीया पत्नी निर्मला तिवारी हैं। इधर मृतका के बेटे सुजीत तिवारी ने बताया कि वह 26 मार्च को बेंगलुरु से अपनी मां के साथ अपने ससुराल जगदेवनगर आया था। 27 मार्च बुधवार की सुबह वह अपनी मां के साथ स्कूटी से अपने गांव बीरमपुर जा रहा था। उसी दौरान धनपुरा बिंद टोली के समीप विपरीत दिशा से आ रहे अज्ञात वाहन ने सामने से उसकी स्कूटी में टक्कर मार दी थी। हादसे में वह आंशिक रूप से जख्मी हो गया था। जबकि उसकी मां गंभीर रूप से जख्मी हो गई थी। निजी अस्पताल में ले जाया गया था जिसके बाद उन्हें इलाज के लिए शहर के निजी अस्पताल ले जाया गया था। जहां दो दिन चले इलाज के बाद उन्हें शुक्रवार की सुबह इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। जहां इलाज के दौरान शनिवार की सुबह उन्होंने दम तोड़ दिया। परिजन ने इसकी सूचना सदर अस्पताल में पदस्थापित पुलिस पदाधिकारी को दी। सूचना पाकर पुलिस सदर अस्पताल पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमॉर्टम करवाया।

16 वी बार प्रिंस कुमार ने किया रक्तदान

निज संवाददाता। आरा

एसीएमओ डॉ केएन सिंहा की निगरानी में एक व्यक्ति ने 16वीं बार रक्तदान किया। रक्तदान करने वाले प्रिंस कुमार, कोईलवर थाना के मछुआ बाग गांव के निवासी हैं। डॉ सिन्हा ने पीड़ित मानवता की सेवा में उनके लगातार हो रहे योगदान की काफी प्रशंसा की। प्रिंस कुमार ने कहा कि मैं साल में एक या दो बार स्वस्थ रहने पर रक्तदान करता रहूंगा और यहां एक कृतिमान बनाने का मेरा लक्ष्य है। डॉ केएन सिंहा ने कहा कि एक स्वस्थ व्यक्ति साल में दो बार रक्तदान कर सकता हैं, इससे किसी तरह की हानि नहीं होती है। बल्कि स्वास्थ्य भी ठीक रहता है, कई तरह के बीमारी जैसे हार्ट, चर्बी, शुगर ब्लड प्रेशर मोटापा आदि में भी रक्तदान बचाव करता है। रक्तदान के बाद जो नया खून बनता है वह और भी ज्यादा ताकतवर होता है। मौके पर लैब टेक्नीशियन संजय कुमार प्रियदर्शी, काउंसलर अनिल कुमार, एएनएम उर्मिला देवी ,गार्ड राजेश सिंह व पंकज कुमार थे।

सगे भाइयों को तलवार से मारकर किया जख्मी, मामूली विवाद में दोनों पर हमला, पीड़ित के परिवार ने थाने में की शिकायत

निज संवाददाता। आरा

भोजपुर जिले के बिहिया थाना क्षेत्र के लहंग डुमरिया गांव में शुक्रवार को बोझा रखने के विवाद को लेकर सगे भाइयों को तलवार से मारकर जख्मी कर दिया गया। दोनों गंभीर रूप से जख्मी हो गए। उन्हें इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। जख्मियों में बिहिया थाना क्षेत्र के लहंग डुमरिया गांव निवासी स्व. श्रीनिवास सिंह का 33 वर्षीय पुत्र सुधीर सिंह और 28 वर्षीय पुत्र प्रिंस राज सिंह है।

धान का बोझा रखने को लेकर हुआ विवादः प्रिंस राज सिंह ने बताया कि उक्त लोगों से पूर्व से जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। उनके घर के आगे फूलवाड़ी है। वे लोग जबरन धान का बोझा उनके फूलवाड़ी पर रख रहे थे। जब उन्होंने मना किया तो उनके बीच कहासुनी हुई। उसके बाद उक्त लोगों ने दोनों भाइयों को तलवार से मारकर जख्मी कर दिया। जिससे दोनों गंभीर रूप से जख्मी हो गए। इसके बाद उन्हें इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। वहीं, दूसरी ओर जख्मी प्रिंस राज सिंह ने गांव के ही सगे भाई राजीव सिंह और भीम सिंह पर पीटने का आरोप लगाया है।

पीड़ित परिवार ने थाने में की शिकायतः ऑन ड्यूटी चिकित्सक ने बताया कि एक युवक को काफी गंभीर चोटें आई है। दूसरा भी घायल है। आरा सदर अस्पताल में प्राथमिक उपचार कर दिया गया है। तलवार से मारकर बुरी तरह जख्मी कर दिया गया था।